ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ

DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

डेंगू को आपातकाल घोषित किया जाए और मुफ्त इलाज मुहैया कराया जाए @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 08 जुलाई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |✻| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-189

उत्तर प्रदेश का डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर तेजी से ले रहा आकार

अडाणी समूह सेना के लिए बना रहा गोला बारूद

लखनऊ, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

कभी पूरब का मैनचेस्टर कहा जाने वाला कानपुर आने वाले दिनों में आयुध नगरी के रूप में विख्यात होने जा रहा है। देश को रक्षा उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देशन में यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपी डीआईसी) तेजी से आकार ले रहा है। यूपी डीआईसी के प्रदेश में छह नोड हैं, जिसमें कानपुर नोड में सर्वाधिक निवेश हो रहा है। कानपुर नोड में सबसे बड़े पैमाने पर रक्षा क्षेत्र से जुड़े उत्पादों का निर्माण होगा। इसमें छोटे-बड़े हथियारों से लेकर गोला-बारूद और देश की सेना के लिए अत्याधुनिक वस्त्रों का निर्माण भी शामिल है। यही नहीं कानपुर नोड में अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े उपकरणों को भी निर्मित किया जाएगा।

कानपुर के नरवल तहसील अंतर्गत साढ़ में 218 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर आकार ले रहा है। यूपीडा के अधिकारियों के अनुसार अब तक यहां 24 कंपनियों ने निवेश की इच्छा जाहिर की है, जिसमें से पांच कंपनियों ने निवेश शुरू करते हुए कार्य प्रारंभ कर दिया है। इसमें सबसे बड़ा नाम अडाणी समूह का है, जिसने बीते फरवरी माह से ही यहां अपनी फैक्ट्री शुरू कर दी है। 1500 करोड़ रुपए के निवेश से शुरू हुए इस प्रोजेक्ट के जरिए छोटे, मध्यम और बड़े कैलिबर के गोला-बारूद के विविध रेंज का निर्माण किया जाएगा। वहीं इसके अलावा 38 करोड़ रुपए से आधुनिक मैटेरियल एंड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सैनिकों के लिए अत्याधुनिक वस्त्रों के निर्माण का कार्य भी शुरू हो चुका है। वहीं 360 करोड़ रुपए से नेत्र ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड आर्टिलरी शेल का निर्माण करेगी और 3500 करोड़ रुपए से अनंत टेक्नोलॉजी एलईओ और जीईओ सैटेलाइट निर्माण से जुड़े उपकरण तैयार करेगी।

- कभी पूरब का मैनचेस्टर था, अब कानपुर बन रहा है आयुध नगर
- छोटे-बड़े हथियार और गोला-बारूद के साथ अंतरिक्ष उपकरण बनेंगे
- अडाणी सहित पांच बड़े प्रतिष्ठानों ने कानपुर में प्रारंभ किया काम
- ब्रह्मोस एयरोस्पेस, भारत डायनामिक्स जैसी कई बड़ी कंपनियां आईं

यूपीडा के अनुसार कानपुर नोड के लिए अब तक 210 हेक्टेयर से अधिक भूमि अलॉट की जा चुकी है। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के कानपुर नोड से कुल 18 हजार से भी अधिक रोजगार सृजन होने की उम्मीद है। वहीं अब तक कुल 17 सौ करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतर भी चुका है, जिससे फिलहाल ढाई हजार रोजगार युवाओं को प्राप्त हुए हैं। कानपुर नोड में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए योगी सरकार 62 करोड़ रुपए से अधिक खर्च करेगी। इसमें से लगभग 33 करोड़ रुपए के कार्य पूरे हो चुके हैं। इसके अलावा 16 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य निर्माणाधीन हैं। वहीं 13 करोड़ से अधिक के कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) में करीब 25 हजार करोड़ का निवेश हो रहा है। इससे हजारों युवकों को रोजगार मिलेगा। यूपीडीआईसी के लिए अब तक 154 एमओयू हो चुके हैं। इसमें से 129 इंडस्ट्रियल और 25 इंस्टीट्यूशनल हैं। इसके अलावा 87 एमओयू का मूल्यांकन किया जा रहा है। यूपीडा की ओर से अबतक 16 सौ हेक्टेयर से अधिक भूमि अधिग्रहीत की जा चुकी है, जिसमें से सात सौ हेक्टेयर से अधिक भूमि 42 औद्योगिक समूहों को आवंटित हो गई है। इन 42 उद्योग समूहों की ओर से करीब आठ हजार करोड़ रुपए का निवेश हो रहा है। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए यूपीडा की ओर से अधिग्रहीत की गई जमीन में से सर्वाधिक भूमि झांसी नोड में मौजूद है, जो कि एक हजार हेक्टेयर से अधिक है। वहीं इसके बाद कानपुर नोड में दो सौ हेक्टेयर से अधिक भूमि, लखनऊ में 160 हेक्टेयर से अधिक, चित्रकूट में सौ हेक्टेयर से अधिक और अलीगढ़ नोड में 90 हेक्टेयर से अधिक भूमि अधिग्रहीत की जा चुकी है। ▶10 पर

कुलगाम में दो जगह दो दिन से जारी है मुठभेड़

छह आतंकियों का सफाया दो जवान शहीद

जेल में बंद आतंकियों के जीतने से बढ़े हैं आतंकियों के हौसले

आतंकियों के सम्पूर्ण सफाए की रणनीति पर चल रहा है काम

लांस नायक प्रदीप कुमार नैन और सिपाही प्रवीण जंजाल प्रभाकर

श्रीनगर, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

कुलगाम में अब तक छह आतंकी मारे जा चुके हैं। इन दोनों ऑपरेशन में दो जवान भी शहीद हुए। उधर, जम्मू संभाग के जिला राजौरी में एक जवान गोली लगने से घायल हो गया। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में दो अलग-अलग जगहों पर सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। सुरक्षाबलों ने आज दो आतंकियों को ढेर कर दिया। इससे पहले शनिवार को चार आतंकी मारे गए थे। लिहाजा, कुलगाम में अब तक छह आतंकी मारे जा चुके हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपेक्षित सीटें नहीं मिलने और जेल में बंद आतंकियों के चुनाव जीतने के बाद जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाएं बढ़ गई हैं। सुरक्षा एजेंसियां कहती हैं कि चुनाव के बाद आतंकी गुटों का हौसला थोड़ा बढ़ा हुआ नजर आ रहा है। लेकिन सरकार ने आतंकियों के पूर्ण सफाए का प्लान तैयार किया है, जिस पर काम आगे बढ़ रहा है। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आरआर स्वैन ने कहा कि कुलगाम के पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम को बड़ी सफलता मिली है। यहां दो मुठभेड़ में अब तक छह आतंकवादी मारे गए हैं। ▶10 पर

नम आंखों से दी गई दोनों शहीदों को अंतिम विदाई

जम्मू, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सेना के दो जवान शहीद हो गए। कुलगाम जिले के मुदरघम में पैरा कमांडो लांस नायक प्रदीप कुमार नैन और फ्रिसल में राष्ट्रीय राइफल्स के सिपाही प्रवीण जंजाल प्रभाकर शहीद हो गए। इन दो मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने छह आतंकियों को मार गिराया। शनिवार को चार आतंकियों के शव देखे गए। रविवार को जारी ऑपरेशन में दो और आतंकियों का सफाया करने में सफलता मिली।

चिनार के कोर कमांडर, राज्य के मुख्य सचिव, डीजीपी समेत कई गणमान्य लोगों और सेना अधिकारियों ने लांस नायक प्रदीप कुमार और सिपाही प्रवीण जंजाल प्रभाकर को श्रद्धांजलि दी। सेना ने कहा कि वे दोनों बहादुरों की वीरता और बलिदान को सलाम करते हैं। हम शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता में खड़े हैं और उनके लिए प्रतिबद्ध हैं। सेना के जवान प्रभाकर जंजाल का अंतिम संस्कार आठ जुलाई को महाराष्ट्र के अकोला जिले में ▶10 पर

रियासी के बाद नगरोटा के हनुमान मंदिर में तोड़फोड़

जम्मू, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

जम्मू जिला के नगरोटा के हनुमान में मंदिर में तोड़फोड़ को लेकर स्थानीय लोगों में भारी रोष है। नगरोटा के नारायणा खुह स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में मूर्तियों और फोटो को नुकसान पहुंचाया गया है। जैसे ही स्थानीय ग्रामीणों को इस बात का पता चला तो वे मंदिर के पास एकत्रित हो गए और आक्रोश जताने लगे। यह घटना शनिवार को शाम करीब साढ़े पांच बजे हुई। हाल में जम्मू संभाग के जिला रियासी में भी एक मंदिर में तोड़फोड़ की गई थी। इसके बाद रियासी में अलग-अलग जगहों पर प्रदर्शन देखने को मिले। गुस्साए लोगों ने एक दिन के रियासी को बंद भी रखा गया।

राज्यपाल की शिकायत के बाद केंद्र सरकार ने की कार्रवाई

पुलिस आयुक्त और उपायुक्त पर हुई अनुशासनिक कार्रवाई

कोलकाता, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल और पुलिस उपायुक्त इंदिरा मुखर्जी के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई की है। दोनों पुलिस अधिकारियों पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के कार्यालय को बदनाम करने का आरोप है। केंद्र सरकार के एक अधिकारी के अनुसार दोनों पुलिस अधिकारियों ने राज्यपाल के कार्यालय के बारे में झूठी अफवाहें फैलाईं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने केंद्र सरकार को एक रिपोर्ट भेजी थी। रिपोर्ट में कोलकाता पुलिस आयुक्त और उपायुक्त पर गलत तरीके से काम करने का आरोप लगाया गया था।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने जून महीने के आखिरी सप्ताह में केंद्रीय गृह मंत्री को अपनी रिपोर्ट भेजी थी। रिपोर्ट में कहा गया, कोलकाता के पुलिस अधिकारियों द्वारा लोकसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों को राजभवन जाने से रोका जा रहा है। ▶10 पर

महिला आयोग की प्रमुख पर अभद्र टिप्पणी करने के खिलाफ

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर दिल्ली में केस दर्ज

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की मुश्किलें फिर बढ़ने वाली हैं। महुआ मोइत्रा लगातार विवाद में रहना पसंद करती हैं, या यह उनकी यही फितरत है। रिश्वत लेकर संसद में सवाल पूछे जाने के मामले में दोषी पाए जाने के बाद उनकी संसद सदस्यता रद्द कर दी गई थी। वे दोबारा लोकसभा चुनाव जीत कर संसद पहुंची और फिर से विवाद शुरू कर दिया। महुआ मोइत्रा ने राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा को लेकर सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणी की। इसके खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख ने कड़ी

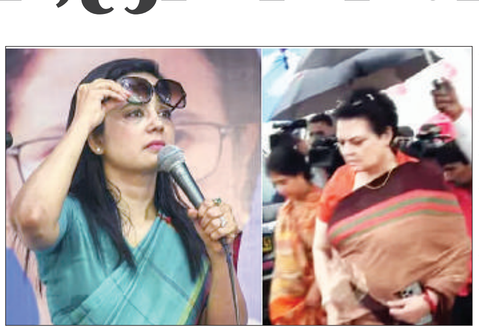

आपत्ति जताते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और दिल्ली पुलिस के कमिश्नर संजय अरोड़ा को पत्र लिखा था।

इस पूरे विवाद का जन्म उस वक्त हुआ था, जब यूपी के हाथरस में हुए हादसे के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा वहां पीड़ितों से मिलने पहुंची थीं। महुआ मोइत्रा ने एक्स पर डाले गए एक वीडियो पर महिला आ.ग की प्रमुख को इंगित करते हुए टिप्पणी की थी, वह अपने बॉस का पजामा पकड़ने में बहुत व्यस्त हैं।

इस मामले में भाजपा ने टीएमसी सांसद की आलोचना की थी और उन्हें पार्टी से निष्कासित करने की मांग की थी। जबकि मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की तरफ से अपने अध्यक्ष रेखा शर्मा के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी का संज्ञान लिया था और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि ▶10 पर

हैदराबाद में 2.98 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य का सोना जब्त

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में हैदराबाद जोन यूनिट के राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) अधिकारियों ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2,98,90,780 रुपए मूल्य का 3.982 किलोग्राम सोना जब्त किया।

डीआरआई की ओर से रविवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, अधिकारियों ने विदेश से तस्करी कर लाए गए सोने को कोलकाता से बस से लाए जाने के संबंध में विशिष्ट खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए शनिवार को कोलकाता से हैदराबाद की बस में यात्रा कर रहे दो व्यक्तियों को पकड़ा। जांच से पता चला कि तस्करी का सोना दोनों व्यक्तियों द्वारा पहने गए कपड़े में बड़ी चालांकि से छुपाया गया था। जब्त किया गया सोना कुल 3.982 किलोग्राम है और 2,98,90,780 रुपये की कीमत का है। दोनों व्यक्तियों को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। डीआरआई अधिकारियों ने बताया की मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

शेयर मार्केट

बीएसई : 79,996.60

-53.07 -0.07% ↓

एनएसई :24,323.85

21.70 (0.09%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 20^0

सेकुलरिस्टों और इस्लामिस्टों के चरित्र पर गहरा सवाल

पाकिस्तान और ईरान ने 12000 अफगानों को निकाला

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

ईरान और पाकिस्तान ने लगभग 12,000 अफगान प्रवासियों को अपने-अपने देशों से निकाल बाहर किया है। अफगानिस्तान के शरणार्थी और प्रत्यावर्तन मंत्रालय ने इसकी आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि सभी अफगान नागरिक वापस अफगानिस्तान लौट आए हैं। विडंबना यह है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों पर रुदालियां करने वाले भारत के फर्जी सेकुलरिस्ट अफगानिस्तान के शरणार्थियों को पाकिस्तान और ईरान से धक्के मार कर बाहर निकाले जाने के मसले पर मक्कार चुप्पी साधे हुए हैं। इस्लामी देश में मुसलमानों के लिए जगह नहीं दी जा रही, यह सेकुलरिस्टों और इस्लामिस्टों के लिए चिंता का विषय नहीं है। उन्हें चिंता केवल भारत में घुसपैठियों के वेश में घुसने वाले आतंकियों को लेकर रहती है।

हालांकि, अरब देश भी पाकिस्तान, बांग्लादेश, रोहिंग्या

बांग्लादेशियों और रोहिंग्या पर 'पों-पों' करने वाले चुप बैठे हैं

या एशिया के अन्य इस्लामी देशों के शरणार्थियों या घुसपैठियों के साथ करते हैं। अरब देशों के खिलाफ भी भारत के नौटंकीबाज सेकुलर जमातें कुछ नहीं बोलतीं। भारत में नागरिकता संशोधन कानून लागू हुआ तो यही जमात पड़ोसी देशों के मुस्लिमों को लेकर चिंतित हो रहे थे और रुदालियां कर रहे थे। उनके लिए ऐसे तर्क दे रहे थे, जैसे मानवाधिकार के ये कितने बड़े रहनुमा हों। सायमा, राना अयूब, आरफा खानुम शेरवानी जैसे लोग सीएए का यह कहकर विरोध कर रहे थे, जब भारत पड़ोसी इस्लामी मुल्कों के पीड़ित हिंदू, बौद्ध, जैन, सिख, ईसाई आदि को अपने यहां आश्रय दे सकता है तो मुस्लिमों को क्यों नहीं। अब जब पाकिस्तान और ईरान अफगानिस्तान के मुस्लिमों को अपने यहां से जबरन निकाल रहे हैं तो यही जमात न पाकिस्तान की भर्त्सना कर रही है और न ईरान के खिलाफ एक शब्द निकाल रही है।

एक इस्लामी मुल्क जब अन्य इस्लामी मुल्क के गरीब, पीड़ित मुस्लिमों को आश्रय नहीं दे रहा है तो भारत से इस तरह की मांग कैसे की जा सकती है। जबकि हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध जैसे धर्मों के लोगों को आश्रय लेने के लिए दुनिया में और कहीं जगह नहीं है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

शिक्षा सबके लिए के तहत पाठ्य सामग्री का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा द्वारा शनिवार को कोलार जिले के विभिन्न गांवों के स्कूलों में 150 से अधिक दिव्यांग बच्चों में स्कूल बैग, नोटबुक, कलम, पेंसिल, स्केच पेन आदि वितरित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत सुरेंद्र गोयल, सुशीला गोयल, हाथीमल बैद, महेश गोयल, द्वारका प्रसाद सारडा, विक्रम अग्रवाल, डॉक्टर विजय अग्रवाल, डॉक्टर सुरुचि अग्रवाल ने कार रैली को हरी झंडी दिखाकर किया।

इस मौके पर मारवाड़ी युवा मंच कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष नितेश टिबरेवाल, महामंत्री मोहित शर्मा एवं मायूम बेंगलूरु के सचिव शुभम लोहिया भी उपस्थित रहे। यह कार रैली शहर के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए कोलार जिले के विभिन्न गांव पहुंची। समाजसेवी एवं उद्यमी सुरेंद्र गोयल, सुशीला गोयल, प्रांतीय अध्यक्ष नितेश टिबरेवाल, शाखा अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू, उपाध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल एवं विनोद गर्ग ने दिव्यांग बच्चों के साथ खुशियों के दो पल बिताए, उन्हें स्कूल बैग किट देकर शिक्षा के प्रति जागरुक किया। उनके साथ भोजन करके उन्हें अपनेपन का एहसास दिलाया। कार्यक्रम के समापन में मनीष अग्रवाल ने सभी का धन्यवाद किया। विशेष तौर पर इस कार्यक्रम में जुड़ने के लिए गोयल परिवार का आभार व्यक्त किया गया। आगामी 27 जुलाई को इसी प्रकार 1000 स्कूल बैग किट के वितरण की जानकारी दी गई। शाखा के पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, सलाहकार समिति के सभी सदस्यों, कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों एवं कर्नाटक प्रांत के सभी पदाधिकारियों ने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी।

ट्रेड फेयर के लिए समाजसेवी सिंघी को किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन बेंगलूरु के एक प्रतिनिधिमंडल ने हुब्बल्ली में दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य और समाजसेवी महेंद्र सिंघी से मुलाकात कर उन्हें आगामी 16 जुलाई से किया के तत्वावधान में बेंगलूरु में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय ट्रेड फेयर में शिरकत करने के लिए अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में सयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, कमेटी सदस्य गौरव शर्मा, सदस्य संयम ललवानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। इस प्रवास के दौरान कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने हुब्बल्ली, दावणगेरे और धारवाड़ सहित अनेक शहरों के व्यापारियों को आमंत्रित किया और सभी ने आने की स्वीकृति प्रदान की।

आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वर का बेंगलूरु प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वर जी का अन्य साधु-साध्वी वृंद के साथ बेंगलूरु शहरी सीमा में रविवार सुबह प्रवेश हुआ। इस अवसर पर शहर के श्री सीमंधर शान्तिसूरी संघ तथा अन्य कई संघ, संगठनों के सदस्य आचार्य श्री की अगुवाई के लिए उपस्थित हुए और अनेक प्रकार की मांगलिक वस्तुओं द्वारा शगुन दर्शाकर उनका शहर सीमा के अंदर स्वागत किया। नगर प्रवेश के पश्चात आचार्य पार्श्व लब्धि धाम पहुंचे जहां दर्शन, चैत्यवंदन कर प्रासंगिक प्रवचन में उन्होंने जीवन में चारित्र धर्म की सच्ची प्रीत पर प्रकाश डाला। मंगलवार को वे कॉक्स टाउन स्थित जैन मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम में निश्रा प्रदान करेंगे।

तैराकी मुद्दे पर दिनेश गुंडुराव का भाजपा पर पलटवार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडुराव ने कहा कि भाजपा के लिए तैराकी को एक खेल के रूप में देखना कैसे संभव है जब तैराकी और पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने वाले लोग भाजपा पार्टी में हैं? भाजपा की आलोचना का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए तैराकी मनोरंजन के तौर पर देखी जाती है, क्या तैराकी मजेदार है। जिला प्रभारी मंत्री होने के नाते मैं पहले स्वीमिंग पूल के उद्घाटन में शामिल नहीं हो सका था। उस अवसर पर, मैंने वादा किया कि मैं दोबारा आऊंगा और स्विमिंग पूल में तैरूंगा क्योंकि वहां खेल प्रशंसकों ने अपना दुख व्यक्त किया था। तदनुसार, उन्होंने

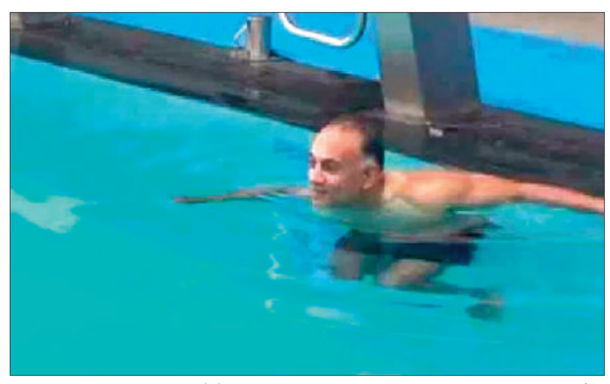

स्पष्ट किया कि उन्होंने समय निकालकर स्विमिंग पूल का दौरा किया। तैराकी से मेरा गहरा रिश्ता है। लेकिन डेंगू पर नियंत्रण करना मेरी प्राथमिकता है। इसलिए जब मैं मेंगलूरु गया तो सबसे पहला काम जो मैंने किया वह था डेंगू की जाँच करना। एडीज मच्छर के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने का अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने घर-घर जाकर उन जगहों की जांच की है जहां पानी जमा है और लोगों को जागरूक किया है। उल्लेखनीय है कि दिनेश गुंडुराव ने शनिवार सुबह मेंगलूरु के एम्मे केरे के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्विमिंग पूल में व्यायाम करके ध्यान आकर्षित किया था। बरसात के मौसम में उत्पन्न होने वाली स्थिति एवं अन्य परिस्थितियों का अवलोकन करने के लिए जिले के प्रभारी मंत्री ने शुक्रवार को कई क्षेत्रों का दौरा किया और लोगों को डेंगू नियंत्रण एवं मच्छर उन्मूलन के प्रति जागरूक किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ प्रगति समीक्षा बैठक भी की। मंत्री, जो शनिवार को मेंगलूरु थे, विभिन्न विकास परियोजनाओं की समीक्षा की और बारिश आपदाओं पर स्थल निरीक्षण किया। इससे पहले, सुबह की सैर के बाद, वह अंतरराष्ट्रीय स्विमिंग पूल में मछली की तरह तैरे और अपनी शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया। मंत्री के खुशी से तैरने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं।

हवा ने लिया बवंडर का रूप, छत की चादरें उड़ी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के मनिनलकूरू गांव में अजिलामोगरू के पास स्थित नेल्यापालके में शनिवार को तेज हवाओं ने काफी नुकसान पहुंचाया, जिससे एक व्यावसायिक इमारत के सामने रखी सीमेंट की चादरें उड़ गईं।

लकड़ी के लट्ठे भी दो घरों पर गिरे, जिससे उनकी छतें क्षतिग्रस्त हो गईं। सौभाग्य से, हवा की गति कम होने से और अधिक नुकसान टल गया। शनिवार सुबह से नेल्यापालके में लगातार बारिश हो रही है। स्थानीय उद्यमी खादर इकरा के स्वामित्व वाली एक व्यावसायिक इमारत के सामने रखी सीमेंट की चादरें उड़ गईं और नष्ट हो गईं। इसके अलावा, तेज हवा से अन्य प्लास्टिक के बर्तन और कपड़े भी उड़ गए। आस-पास के पेड़ उखड़ गए और अब्दुल खादर और यूनुस के घरों पर गिर गए, जिससे इमारतों को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा। इकरा की दुकान के पास हवा ने बवंडर का रूप ले लिया। शुक्र है कि आस-पास कोई नहीं था, जिससे कोई हताहत होने से बच गया। उड़ती चादरों को वीडियो में कैद किया गया।

दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में भारी बारिश का कहर

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के कोडाजे-अनंतडी मार्ग पर रविवार को गोलिकट्टे में एक पेड़ कार पर गिर गया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। सौभाग्य से, किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

काशीबेट्टू राजमार्ग पर कीचड़ के कारण वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ। मेंगलूरु शहर में सुबह से दोपहर तक भारी बारिश हुई, जो बाद में कम हो गई। आईएमडी ने 9 जुलाई तक तटीय जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। उडुपी जिले में, लगातार भारी बारिश ने करकला, हेबरी और उडुपी के आसपास के निचले इलाकों को जलमग्न कर दिया। हालांकि बाद में बारिश कम हो गई, लेकिन इसके बाद बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। मारवंथे में समुद्री कटाव तेज हो गया और बाहरी बंदरगाह की सड़क पर बोब्बर्या दैवा स्टाना के पास रिटेनर दीवार से चट्टानें उच्च-वेग वाली लहरों द्वारा बह गईं। रिटेनर दीवार के ढहने का खतरा है, जिससे सड़क को भी खतरा है। तीन साल पहले चक्रवात तौकते के दौरान भी ऐसी ही चिंताएँ पैदा हुई थीं। खराब मौसम की वजह से पैदा हुई चुनौतियों के बीच अधिकारी और स्थानीय लोग सतर्क हैं।

अहिंसा भवन की भूमि पूजन संपन्न

जैन समाज सदैव किसी भी प्रकार की आपदा में सेवा के लिए रहता है तत्पर

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
केशवपुर अरिहंत कॉलोनी स्थित ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन, महावीर लिंब सेंटर अहिंशा भवन के निर्माण के लिए रविवार को भूमि पूजा की गई।

भूमि पूजा से पूर्व सान्निध्य प्रदाता आचार्य भगवंत जितरत्न सागर सूरीश्वरजी एवं आचार्य भगवंत चंद्ररत्न सागर सूरीश्वरजी, पन्यास प्रवर परमयश विजयजी ने आराधना भवन से गाजे बाजे के साथ भूमि पूजा के लाभार्थी स्व भवरलाल भंडारी हुब्बल्ली- बाली परिवार और अन्य सदस्यों के साथ भूमि पूजा स्थल पहुंचे। रास्ते भर जयकार लगाते हुए सभी जन अहिंशा भवन भूमि स्थल पर पहुंचे।

इस दौरान आचार्य भगवंत जितरत्न सागर सूरीश्वरजी ने महामांगलिक प्रदान कर विधिवत भूमिपूजन कार्य प्रारंभ करवाया। पंडित सत्यनारायण शास्त्री ने पूजा विधि से भूमिपूजन के लिए पूजा

पद्दति की। इसके बाद भूमिपूजा के लाभार्थी परिवार के राजेश - शिल्पा भंडारी, मुकेश- अनीता भंडारी, संजय भंडारी, नरेश भंडारी, निलय, ध्रुव, नमन भंडारी के साथ अतिथि के रूप में मौजूद स्लम उन्मूलन बोर्ड के चेयरमैन विधायक प्रसाद अब्बेया, हुब्बल्ली धारवाड़ सेंट्रल क्षेत्र विधायक महेश टेंगिनकाई, पूर्व मंत्री एएम हिंडेसगिरी, हुब्बल्ली धारवाड महानगर विकास प्राधिकरण (हुडा) चेयरमैन साकिर सनदी, हुडा के पूर्व चेयरमैन एए मुधोल, फेडरेशन के अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी ने विधिवत भूमि पूजन किया।

इस अवसर पर आचार्य भगवंत जितरत्न सागर सूरीश्वरजी ने प्रवचन में फरमाया जैन समाज सदैव किसी भी प्रकार की आपदा विपदा में सेवा के लिए आगे रहता है। आज अहिंशा भवन की भूमि पूजन का आयोजन किया गया है। इस भूमि को जिन्होंने दिलाने में सहयोग दिया, जिन्होंने पूजन का लाभ लिया और जिन्होंने इस निर्माण कार्य करने का बीड़ा उठाया है, वे अपने सात भव के पुण्य का भाता बांधने का कार्य कर रहे है। आचार्य ने जनप्रतिनिधियों से कहा कि आप ज्यादा से ज्यादा समाज सेवा करेंगे तो सब अच्छा होगा। ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर द्वारा जो दिव्यांगों को कृत्रिम पाँव देने का कार्य महेन्द्र सिंघी व उनके साथियों के द्वारा किया जा रहा है वह अत्यंत ही प्रशंसनीय है।

महेन्द्र सिंघी ने कहा कि ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर अहिंशा भवन की भूमि पूजा का कार्यक्रम किया गया है। यह भवन बनने के पश्चात समाज के लिए बहुउपयोगी होगा। साथ ही इस जगह को दिलाने में महत्वपूर्ण सहयोग करने के कर्नाटक सरकार के पूर्व मंत्री एएम हिंडेसगिरी सहित सभी का आभार जताया।

इनकी रही उपस्थिति

इस दौरान जैन मरुधर संघ के अध्यक्ष जयंतीलाल परमार, इंदरमल चौहान, दिनेश संघवी, वीरचंद कांकरिया, स्थानकवासी समाज के अध्यक्ष उकचंद बाफना, गौरव अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, कार्याध्यक्ष गौतम भुरट, शांतिलाल खिवेंसरा, दलीचंद बागरेचा, किशोर कटारिया, एवंत बागमार, गौतम बेताला, भरत कामदार, अजित चौरडिया, ज्ञान मुणोत, प्रकाश कोठारी, दीपचंद बागरेचा, निर्मल भंडारी, विक्रम जैन, योगेश जैन, प्रकाश बाफना, मगराज भलगत, जसराज लुनिया, लुणचंद वेदमुथा, अशोक भंडारी, कांतिलाल जैन, मांगीलाल कटारिया, मोहनलाल जैन, ललित सेहलोत, सुकनराज भंडारी, मदन तातेड़, गिरीश सूंकड, गौतम गोलेछा, उपाध्यक्ष अशोक कोठरी, निर्मल जैन, कोषाध्यक्ष मानव संघवी, सह कार्यदर्शी महावीर कुंदुर, गौतम बाफना, कांतिलाल बोहरा, जयंतीलाल चौहान, गौतम मेहता, जीतेन्द्र पोरवाल, प्रकाश चौरडिया, महेंद्र जैन, मयूर जैन और सुभाष चन्द सहित अन्य उपस्तिथ थे।

नवकार करे भव पार 3.0 के पहले चरण के नवकार कार्ड का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निर्वाण कल्याणक निमित्त आत्म शुद्धि, विश्व शांति एवं सर्व कल्याण के लिए 25.5 करोड़ नवकार महामंत्र के जाप के नवकार कार्ड विभिन्न चातुर्मासिक प्रवेशों में वितरित किए गए। इसका नेतृत्व अध्यक्ष जैन महावीर मुणोत ने किया। गुरु भगवंतों की प्रेरणा एवं आशीर्वाद तथा श्री संघों के सहयोग से अक्कीपेट जैन मन्दिर, विजयनगर पाइपलेन जैन मन्दिर, बसवनगुड़ी विमलनाथ मन्दिर, राजाजीनगर शंखेश्वर मन्दिर, कुमारापार्क जैन मन्दिर, गांधीनगर जैन मंदिर, त्यागराजनगर मंदिर, मंजूनाथ नगर जैन भवन, यशवंतपुर जैन स्थानक, गांधीनगर तुर्किया भवन, चंद्रालेआउट रत्न हितैषी भवन, पार्क वेस्ट जैन मंदिर, कैंटोमेंट जैन मन्दिर आदि मंदिरों में वितरित किए गए। नवकार करे भव पार के सम्पूर्ण कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतू अध्यक्ष जैन महावीर मुणोत के साथ उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, मंत्री नीरज कटारिया, सह मंत्री सुसरुत चेलावत, पूर्व अध्यक्ष दिनेश खिंवेसरा, पूर्व उपाध्यक्ष दिलीप संचेती, पूर्व मंत्री मदन मुणोत, मुकेश बाबेल एवं सम्पूर्ण संगठन का सहयोग रहा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री विनायक अन्नमा देवी उत्सव समिति केपी अग्रहरा द्वारा आयोजित नगर देवता अन्नमा देवी वार्षिक वैभव उत्सव में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। साथ ही बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

डेंगू को आपातकाल घोषित किया जाए और मुफ्त इलाज मुहैया कराया जाए: आर अशोक

लोगों से पैसा वसूलने का काम मत करो

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि राज्य में डेंगू के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार तुरंत डेंगू आपातकाल घोषित करे और सभी को मुफ्त इलाज प्रदान करे। उन्होंने जयनगर जनरल अस्पताल में डेंगू मरीजों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के बाद पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा पिछले कई दिनों से डेंगू एक महामारी बन चुका है। राज्य में हर दिन 3 से 4 लोगों की मौत होती है। इसलिए तुरंत आपातकाल घोषित कर मुफ्त इलाज प्रदान करनी चाहिए। रविवार को भी डेंगू से दो बच्चों की मौत की खबर है। ये बहुत उबाऊ है। पहले जब कोविड-19 आया तो हमारी सरकार ने सभी का मुफ्त इलाज किया। उन्होंने अनुरोध किया कि सरकार को तुरंत डेंगू जांच का आदेश जारी करना चाहिए। पहले फ्री देना और फिर लोगों से पैसा वसूलने का काम मत करो। साढ़े तीन लाख करोड़ का बजट पेश करने वाली सरकार के लिए यह कोई गणना नहीं है। उन्होंने सरकार से आश्रय देने का अनुरोध करते हुए कहा कि हम लोगों की सुरक्षा के लिए हैं। डेंगू के लिए कोविड मॉडल पर अलग वार्ड बनाए जाएं। मेरे पास जो जानकारी है उसके मुताबिक राज्य के कई हिस्सों के अस्पतालों में दवा की कमी है। इस समस्या के समाधान के लिए

तत्काल अधिकारियों की बैठक बुलाई जानी चाहिए। मामले इसलिए बढ़ रहे हैं क्योंकि लोग टेस्ट नहीं करा रहे हैं। पहले तो अधिकारियों ने इस बात पर आक्रोश जताया कि एसी कमरे से बाहर आकर काम करें। अतीत में मैंने स्वास्थ्य मंत्री के रूप में काम किया है और सरकार को अपने सुझाव देता रहा हूं। विपक्ष के नेता के रूप में यह मेरा कर्तव्य है। जीका वायरस से एक व्यक्ति की पहले ही मौत हो चुकी है। हैजा से भी लोग मर रहे हैं। अशोक ने उनसे तुरंत जागने और समस्या का समाधान शुरू करने का आग्रह किया। अकेले अधिकारियों से मिलना बेकार है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि सरकार को यह बताना चाहिए कि उसने डेंगू और जीका वायरस नियंत्रण के लिए कितना पैसा निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि यदि आप बैठकों पर बैठकें करेंगे तो यह कॉफी, चाय और डोसा तक ही सीमित रहेंगी। अशोक, जो पहले जयनगर के एक अस्पताल में गए थे, ने डेंगू के मरीजों से मुलाकात की और उनका हालचाल पूछा। अशोक ने जयनगर के संजय गांधी सामान्य अस्पताल का भी दौरा किया, प्रत्येक मरीज के पास गए और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से क्या डॉक्टर द्वारा आपका इलाज ठीक से किया जा रहा है? क्या वे समय पर दवा और भोजन दे रहे हैं? क्या वे अधिक पैसे मांग रहे थे, समेत अन्य सवाल किए।

डेंगू बुखार पर नियंत्रण का मतलब मच्छरों पर नियंत्रण

इससे पहले सांसद सीएन मंजूनाथ ने शनिवार को कहा था कि हमारे राज्य में डेंगू फैल रहा है, इसलिए इलाज की व्यवस्था कोविड मॉडल पर होनी चाहिए। इसे मेडिकल इमरजेंसी घोषित किया जाना चाहिए। भाजपा के राज्य कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डेंगू बुखार पर नियंत्रण का मतलब मच्छरों पर नियंत्रण है। डेंगू बीमारी का कोई सटीक इलाज नहीं है। उन्होंने कहा कि मच्छर नियंत्रण बहुत जरूरी है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर डेंगू बुखार को नियंत्रित नहीं किया गया तो चिकनगुनिया और जीका वायरस जैसी घातक बीमारियां हो सकती हैं। यदि सरकार द्वारा निर्धारित दरों से अधिक शुल्क लिया जाता है तो ऐसे अस्पतालों और इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि ऐसी प्रयोगशालाओं को बंद किया जाना चाहिए। फ्लाईओवर, अंडरपास, खोदी गई सड़क, पुल आदि समय पर पूरे नहीं होते। सब कुछ आधे रास्ते में रुक जाता है। जब बारिश होती है तो हर जगह पानी रुक जाता है। उन्होंने विश्लेषण किया कि इससे मच्छरों पर नियंत्रण संभव नहीं है। मच्छर नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग, शहरी विकास विभाग, पंचायत, जिला पंचायत, जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड को काम करना होगा। उन्होंने कहा कि डेंगू नियंत्रण के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया जाना चाहिए। इस टास्क फोर्स को विशेषज्ञों की सलाह लेनी चाहिए। वर्षा ऋतु की समस्याओं का समाधान ग्रीष्म ऋतु में करना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि मच्छर न पनपें। एक डॉक्टर समेत 6-7 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग संक्रमित हैं। बच्चों में भी डेंगू बुखार बढ़ रहा है। इसलिए सभी स्कूल-कॉलेजों को एक सर्कुलर भेजा जाए और स्कूल प्रशासन के साथ बैठक की जाए।

सिद्धरामैया बेवजह मोदी सरकार से लड़ रहे हैं: कुमारस्वामी

केंद्र से झगड़ने से कोई फायदा नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने आर-ोप लगाया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से अनावश्यक रूप से लड़ रही है। केंद्र से झगड़ने से कोई फायदा नहीं। सभी राज्य केंद्र के साथ मिलकर मित्रतापूर्ण माहौल बनाकर काम करें। कुमारस्वामी ने कर्नाटक की सिद्धरामैया सरकार पर दुर्भावनापूर्ण तरीके से केंद्र की आलोचना करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा केंद्र से लड़ने का कोई मतलब नहीं है। वहां की सरकार के साथ सामंजस्य बनाकर आगे बढ़ना राज्य के लिए फायदेमंद होगा। सिद्धरामैया हर दिन सिर्फ इसलिए लाभ का दावा कर रहे हैं, क्योंकि केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार सत्ता में है। उन्होंने पूछा कि इससे आपको क्या लाभ होगा? आप केंद्र से बेवजह विवाद करना बंद करें। वे यह दर्शाने की कोशिश कर रहे हैं कि सत्ता में आने के पहले दिन ही आलोचना करना राज्य के साथ अन्याय है। किसी भी समस्या का समाधान मिल-बैठकर बातचीत से किया जा सकता है। लेकिन कांग्रेस नेता केंद्र पर उल्लू बिठाने

की कोशिश कर रहे हैं। कुमारस्वामी ने सिद्धरामैया को यह समझने के लिए फटकार लगाई है कि यह राज्य के लिए झटका होगा, न कि कांग्रेस पार्टी के लिए। केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए का हिस्सा जद (एस) नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र और भाजपा नेतृत्व को उन पर भरोसा है और वह उनकी अपेक्षाओं को पूरा करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण युवा पीढ़ी के लिए रोजगार पैदा करना है और मेरा भी ध्यान उसी पर है। कुमारस्वामी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद उन्हें प्रधानमंत्री, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पर कुछ भरोसा है। प्रधानमंत्री ने मुझे जीडीपी वृद्धि और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इन दो संवेदनशील विभागों की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि चूंकि वह इस्पात और भारी उद्योग विभागों के प्रभारी हैं, इसलिए उन्हें अपने विभाग में अध्ययन करने के लिए कम से कम तीन महीने की जरूरत है।

चुनाव के बाद परियोजना रोक दी गई

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार को कहा था कि केंद्र सरकार ने चुनाव के मद्देनजर भारत चावल योजना लागू की थी। चुनाव के बाद परियोजना रोक दी गई। विधान सौधा के सामने बाबू जगजीवनराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत चावल राजनीतिक कारणों से लागू की गई परियोजना थी, जो चुनाव के बाद यह बंद हो गया है। हमारी सरकार ने अन्नभाग्य योजना लागू की है। यह एक गैर राजनीतिक कार्यक्रम है। केंद्र सरकार अन्नभाग्य का चावल इसलिए नहीं दे रही है, क्योंकि गरीबों को चावल नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि खाद्यान्न भंडार में पर्याप्त चावल होने के बावजूद राज्य को आपूर्ति नहीं कर हमारी सरकार को बदनाम करने की साजिश की जा रही है। इसका मतलब यह है कि केंद्र सरकार दलित, पिछड़ा वर्ग और सभी जाति के गरीबों के खिलाफ है।

सीएम-डीसीएम का मुद्दा सड़क की बात नहीं: मंत्री

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के आबकारी मंत्री आर.बी.थिम्मापुरा ने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद का मुद्दा सड़क पर बात करने का विषय नहीं है। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद की अपनी गरिमा और महत्व है। यह सड़क पर चर्चा का विषय नहीं है। इसके लिए एक रूपरेखा तैयार की गई है। एक हाईकमान है, एक सीएलपी है। चर्चा चार दीवारों के बीच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसकी चर्चा कहीं नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि मीडिया में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बारे में चर्चा हो रही है। उन्होंने अनुदान के दुरुपयोग पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इसका दुरुपयोग किसी भी कारण से नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्रियों में पिछड़ी जातियों को साधने की प्रवृत्ति है। पिछड़े वर्ग के साथ कोई अन्याय नहीं हो रहा है। यह खुद सीएम द्वारा लाया गया कानून है। अधिक अनुदान

दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इसमें कोई न कोई रास्ता ढूंढ रहा है। उत्पाद शुल्क विभाग में बार कारोबारियों के लिए बिजनेस फ्रेंडली अदालत शुरू करने के मुद्दे पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा मुद्दा काफी समय से है। हमारे विभाग में ऐसा होना जरूरी है। गोवा में शराब बहुत कम कीमत पर उपलब्ध है। कोई टैक्स नहीं है। सबसे पहले इसे रोका जाना चाहिए। हमारे राज्य की शराब अच्छी है। उन्होंने कहा कि हमें दूसरे राज्यों से अपने राज्य में आने वाली घटिया शराब पर रोक लगाने की जरूरत है। शराब की कीमत में बढ़ोतरी सिर्फ अटकलें हैं। सरकार एमएसआई को डी-लाइसेंस देने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा ऐसा नहीं है कि बार को नुकसान होगा, बल्कि यह एक प्रशासनिक फैसला है। भाजपा बिना काम के इस बात पर जोर दे रही है कि मुडा घोटाले की जांच सीबीआई से करायी जाये। भाजपा मुख्यमंत्री की गरिमा को खतरे में डालने के लिए यह मांग कर रही है। मुडा में कोई घोटाला नहीं है। उन्होंने कहा कि जब उनकी सरकार थी तो उन्होंने क्या किया, अब वे सीबीआई पर दबाव बना रहे हैं। अगर आपको गरीबों की परवाह है तो आपको राज्य को चावल देना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे सिर्फ हिंदुत्व, जाति और धर्म पर विवाद चाहते हैं।

डेंगू पर नियंत्रण के लिए ग्राम पंचायतों को कार्रवाई के लिए नोटिस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ग्रामीण विकास और पंचायत राज तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे ने राज्य में सामने आ रहे डेंगू के मामलों की पृष्ठभूमि में सभी ग्राम पंचायतों को एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया है।

सार्वजनिक शौचालयों में पेयजल आपूर्ति टैंकों, खुले जगहों और जल भंडारण टैंकों को साप्ताहिक आधार पर साफ करने की कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में डेंगू के प्रसार

को रोकने और डेंगू के मामलों को नियंत्रित करने के लिए तत्काल उपाय किए जाने चाहिए। घरों, दुकानों, होटलों, वाणिज्यिक परिसरों, सार्वजनिक स्थानों और खाली स्थानों में लंबे समय तक पानी जमा होने से रोकने और परिसर को साफ रखने के उपाय किए जाने चाहिए। बारिश के पानी का शीघ्र और सुरक्षित निपटान करना चाहिए, ताकि यह बेकार और अपशिष्ट पदार्थों में जमा न हो। उन्होंने आंगनबाड़ियों, स्कूल-कॉलेजों, आवासीय विद्यालयों की छतों और परिसर में वर्षा जल को जमा होने से रोकने के उपाय करने की सलाह दी। जल विक्रेताओं को निर्देशित किया जाए कि टूटी हुई जल टंकियों में वर्षा जल जमा होने से रोकने के लिए टूटी, फूटी एवं ड्रिल की हुई जल टंकियों को ना रखें तथा स्वास्थ्य कर्मियों, ग्राम पंचायतों के सदस्यों, महिला स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को शामिल करते हुए प्रतिदिन अनिवार्य रूप से निपटान सुनिश्चित करें। आंगनबाड़ियों, स्कूलों और अन्य स्वयंसेवी संगठनों को अपने दिशानिर्देशों में कहा कि डेंगू पर नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि गांवों में डेंगू नियंत्रण में ग्राम स्तर पर ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समितियों को सक्रिय रूप से शामिल करने का कार्यक्रम होना चाहिए।

डेंगू के मामले में वृद्धि से स्वास्थ्य विभाग चिंतित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में डेंगू की महामारी फैली हुई है और खासकर बच्चों की मौत हो रही है। गदग जिले में संक्रमण के कारण एक लड़के की मौत हो गई है, जबकि हासन जिले में एक युवती की मौत हो गई, जिससे अब चिंता बढ़ गई है। हासन जिले में चार बच्चों की मौत हो चुकी है और अब एक युवती की मौत हो गई है। हासन जिले में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है, सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ गई है, इसे नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन संघर्ष कर रहा है।

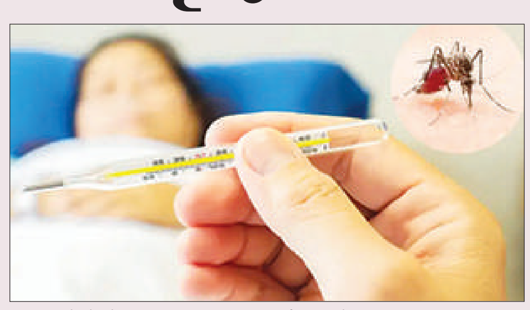

224 लोगों में संक्रमण पाया गया है, इनमें से अधिकतर पीड़ित बच्चे हैं। गदग तालुक के शिरुंजा गांव में भी संक्रमण फैल गया है और तेज बुखार से पीड़ित 5 साल के एक लड़के की मौत हो गई। गंभीर बुखार से पीड़ित लड़के को गदग के जिम्साऊ अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन इलाज के बिना ही लड़के की मौत हो गई। शनिवार को 175 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई, खासकर बीबीएमपी क्षेत्र में 115 लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है। राज्य में अब तक 7 हजार लोग डेंगू से संक्रमित हो चुके हैं। दिन-ब-दिन बढ़ते डेंगू पर काबू पाने के लिए स्वास्थ्य विभाग और सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं, डेंगू फैलने वाले इलाकों में लार्वा सर्वे किया जा रहा है, मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के लिए फॉगिंग की जा रही है। बीबीएमपी क्षेत्र में भी निगम ने जरूरी कदम उठाए हैं। मच्छरों पर नियंत्रण के लिए दिन में 2-3 बार फॉगिंग कराई जा रही है। किसी भी कारण से घर के आसपास पानी जमा न होने देने के उपाय करें और सावधान रहें कि मच्छर न पनपें। स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों की यथासंभव सुरक्षित देखभाल करने को कहा है।

सीएम-डीसीएम पदों की प्रतिस्पर्धा के कारण राज्य का विकास रुका हुआ है: शोभा करंदलाजे

कर्नाटक मेमोरी चैंपियनशिप कार्यक्रम का उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने इस बात पर आपत्ति जताई कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की लड़ाई के कारण राज्य में विकास कार्य पूरी तरह से ठप हो गया है। उन्होंने शेड्रिपुर के गोल्डन मेट्रो होटल में कर्नाटक मेमोरी चैंपियनशिप कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बात की। उन्होंने कहा डेंगू के मामले बढ़ते जा रहे हैं। किसी प्रकार के विकास कार्य नहीं हो रहे हैं। जीका भी परेशानी का सबब बन रहा है। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि हम अगले सत्र में इस पर चर्चा करेंगे। बहुत सारे लोग अस्पतालों में भर्ती हैं और उन्हें उचित दवा नहीं मिल रही है। दवा का बिल बढ़ गया है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि डेंगू की जांच के लिए सरकार द्वारा निर्धारित राशि का कोई पालन नहीं कर रहा है। इससे पहले उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में बच्चों की याददाश्त बढ़ाने के लिए ऐसे प्रशिक्षणों की जरूरत बढ़ गई है। उन्होंने कामना की कि यहां के बच्चे भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। उन्होंने इस पाठ्यक्रम में अपने बच्चों का नामांकन कराने वाले अभिभावकों की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए याददाश्त पर ध्यान देना जरूरी है। सरकारी स्कूलों के बच्चों, खासकर ग्रामीण इलाकों के बच्चों को ऐसे प्रशिक्षण की जरूरत है। न सिर्फ उनकी हीन भावना को दूर करने के लिए ऐसे प्रशिक्षण की जरूरत है, बल्कि उन्होंने इसका संचालन कर रहे दीपक को बधाई दी और उनके लिए शुभकामनाएं दीं। मोबाइल फोन के जमाने में ऐसी स्थिति आ गई है कि हमें अपने परिवार का फोन और मोबाइल नंबर याद नहीं रहता। उन्होंने कहा कि अब ऐसी स्थिति है कि लोगों को याददाश्त बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण की जरूरत है। इस मौके पर भाजपा प्रदेश मीडिया सह-संयोजक प्रशांत केडेनजी समेत अन्य नेता मौजूद थे।

बबलेश्वर चीनी कारखाने में लगी आग

किसी के हताहत होने की खबर नहीं

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बबलेश्वर में नंदी सहकारी चीनी कारखाने में शनिवार रात आग लगने की घटना हुई। अधिकारियों ने बताया कि बॉयलर में विस्फोट हुआ, जिससे बॉयलर सेट-अप ढह गया।

हालांकि, कोई हताहत नहीं हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के समय लगभग 15 मजदूर फैक्ट्री की कैंटीन में नाश्ता कर रहे थे। पुलिस मौके पर पहुंची और अग्निशमन और आपातकालीन सेवा कर्मियों के साथ आग बुझाने में मदद की। मामला दर्ज किया जा रहा है। फैक्ट्री में मार्च 2023 में कथित बॉयलर विस्फोट के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। एक प्रवासी मजदूर की मौत हो गई और अन्य मजदूर घायल हो गए थे।

फिलहाल सीएम व डीसीएम के पद में कोई बदलाव नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में मुख्यमंत्री बदलने और अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री पद बनाने सहित विभिन्न चर्चाओं पर ठंडी प्रतिक्रिया देने वाले कांग्रेस आलाकमान ने संदेश दिया है कि वर्तमान में कोई बदलाव नहीं होगा। व्यवस्था और सब कुछ सामान्य रूप से चलता रहेगा, जिससे वे लोग परेशान हो गए हैं जो भ्रमित करने वाले बयान दे रहे थे। राजनीतिक कारणों से और कुछ लोग उन मुद्दों को सार्वजनिक रूप से उठाकर भ्रम पैदा कर रहे हैं जिन पर उनके अस्तित्व के लिए पार्टी के उच्चतम स्तर पर चर्चा होनी चाहिए थी। लोकसभा चुनाव से पहले ऐसे ही बयानों से पार्टी को नुकसान हुआ था। अब डीके शिवकुमार ने हाईकमान से शिकायत की है कि पंचायत राज, बीबीएमपी और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान फिर से

भ्रम पैदा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने राज्य में विवादित बयान देने वाले कुछ नेताओं को फोन कर सख्त लहजे में सलाह दी कि अगर उन्हें लगातार प्रचार करने का शौक है तो उन्हें पार्टी से मिले संवैधानिक पदों से इस्तीफा दे देना चाहिए और उसके बाद बयान देना चाहिए। सत्ता के हस्तांतरण या किसी अन्य जिम्मेदारी के संबंध में निर्णय हाईकमान लेता है। ऐसी स्थिति आने पर वरिष्ठ नेताओं से चर्चा की जायेगी। बताया जा रहा है कि उन्हें फिलहाल सार्वजनिक बयान देकर पार्टी को नुकसान न पहुंचाने की चेतावनी दी गई है। पार्टी में इस बात की आलोचना सुनने को मिल रही है कि कुछ नेता अपने पसंदीदा नेता के पक्ष में और दूसरों के प्रति द्वेष के लिए अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री पद बनाने जैसे बयान दे रहे हैं। अगर मुख्यमंत्री पद को लेकर असमंजस की स्थिति बनी तो इसका प्रशासन पर गंभीर असर पड़ेगा। इस प्रकार, सिद्धरामैया ने अपनी हालिया दिल्ली यात्रा के दौरान वरिष्ठों को आश्वस्त किया था कि हाईकमान को हस्तक्षेप करना चाहिए और अनावश्यक भ्रम को समाप्त करना चाहिए। किसी भी समूह की पक्ष-समर्थक चर्चा अनावश्यक है। कहा जा रहा है कि रणदीप सिंह सुरजेवाल ने राज्य के नेताओं को संदेश दिया है कि जनता द्वारा दी गई शक्ति का इस्तेमाल केवल जनता के काम के लिए किया जाना चाहिए और राजनीति हर पार्टी के खिलाफ होनी चाहिए न कि खुद की पार्टी के खिलाफ। यदि वे भ्रामक बयान देना जारी रखेंगे तो पार्टी को अनिवार्य रूप से अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी होगी।

चार दिनों से लापता एक महिला का शव मिला

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले चार दिनों से लापता एक महिला शनिवार को तीर्थहल्ली तालुक के अगुम्बे घाट के पास मृत पाई गई। पुलिस ने हत्या के सिलसिले में महिला के दूर के रिश्तेदार को गिरफ्तार किया है। तीर्थहल्ली तालुक के नलुरू-कुलिगे पंचायत के होसमाने की 24 वर्षीय पूजा चार दिन पहले लापता हो गई थी। उसके माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पुलिस ने उसके कुछ रिश्तेदारों से पूछताछ की और आखिरकार पता चला कि उसकी हत्या उसके दूर के रिश्तेदार मणिकांठा ने की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

शिवमोग्गा के पुलिस अधीक्षक जी.के. मिथुन कुमार ने रविवार को मीडिया को बताया कि महिला और मृतक एक-दूसरे को जानते थे। दो साल पहले उसकी

शादी दूसरे लड़के से हो गई थी। हालांकि, शादी के कुछ महीने बाद ही पति से अनबन होने के कारण वह अपने मायके लौट आई। बाद में उसे अक्सर मणिकांठा के साथ घूमते देखा गया। हाल ही में मणिकांठा को उसके आचरण पर संदेह हुआ। उसे लगा कि उसका कोई और दोस्त है। उसने कथित तौर पर उसे अगुम्बे के पास एक पहाड़ी पर बुलाया और उसकी हत्या कर दी। उसने शव को पहाड़ी से नीचे फेंक दिया। पुलिस शव को खोजने में सफल रही, जो सड़ी-गली अवस्था में था। पीएसआई राघवेंद्र, पुलिस इंस्पेक्टर श्रीधर और पुलिस उपाधीक्षक गजानन सुतारा मामले को सुलझाने वाली टीम का हिस्सा थे। पुलिस अधीक्षक ने टीम द्वारा किए गए काम की सराहना की है।

दो दिनों से लापता युवक की चाकू से गला काटकर हत्या

गोपालगंज (एजेंसियां)।

घटना गोपालगंज जिले के विजयीपुर थाना क्षेत्र के भुजौली गांव की है। मृतक की पहचान कमल राम के 22 वर्षीय पुत्र देवा राम के रूप में हुई है। परिजनों ने घर से बुलाकर अपराधियों पर बेरहमी तरीके से हत्या करने का आरोप लगाया है। वहीं, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम दिए सदर अस्पताल में भेजकर मामले की जांच में जुट गई है।

परिजनों के अनुसार देवा राम दिल्ली में एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। एक सप्ताह पूर्व छुट्टी में घर आया था। शुक्रवार की सुबह में किसी का कॉल आया और वह घर से बाहर निकला। इसके बाद युवक का कोई सुराग नहीं मिल सका।

मृतक के पिता कमल राम समेत के परिवार के सदस्यों की चिंता बढ़ी और खोजबीन करने लगे। इसी बीच रविवार की सुबह

में घर से 300 मीटर की दूरी पर पुलिया के नीचे लापता युवक का शव मिला। परिजनों के अनुसार किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी, हत्या किसने की और वजह क्या रही, इसका खुलासा नहीं हो सका। वहीं, विजयीपुर थाने की पुलिस अज्ञात अपराधियों पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं इस मामले में हथुआ के एसडीपीओ आनंद मोहन गुप्ता ने कहा कि पुलिस जल्द ही हत्याकांड का खुलासा कर अपराधियों को गिरफ्तार कर लेगी। वहीं, हत्या के बाद से पीड़ित परिजनों में कोहराम मचा है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

बसवनगुड़ी दादावाड़ी में हुआ भव्य चातुर्मासिक प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी में खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवंत जिन मणिप्रभ सुरीश्वर जी के सुशिष्य पूज्य मलयप्रभ सागर जी और गच्छ गणिनी पूज्य साध्वी सुलोचना श्री जी की सुशिष्या प्रियस्वर्णांजना श्रीजी का भव्य चातुर्मास प्रवेश हुआ। प्रातः शुभ वेला में शहर के अनेक मंडलों और अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् बैण्ड मंडल के साथ परमात्मा और गुरुदेव के रथ के साथ भव्य वरघोड़ा बसवनगुड़ी के राजमार्गों से होता हुआ विमलनाथ जिनालय पहुंचा और धर्म सभा में परिवर्तित हुआ।

जहां दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने समस्त गुरु भगवन्तों और साध्वी वर्याओं के साथ बसवनगुड़ी के अनेक उपनगरों से पधारे हुए गणमान्यों का स्वागत अभिनंदन किया और आगामी चातुर्मास में धर्माराधना से जुड़ने का आह्वान किया। महामंत्री कुशल राज गुलेच्छा ने कहा कि

चातुर्मास का काल हमारी आत्मा साधना के लिए स्वर्णिम काल है। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि पूज्य मुनिराज इस वर्ष गच्छाधिपति जी से अलग चातुर्मास करने की बात कहते हुए भावुक हो गए। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि मुनिराज ने सकल संघ को चातुर्मास में आत्म कल्याण हेतु आराधना में जुड़ने की बात कही। श्री जिन कुशल सूरी जैन धार्मिक पाठशाला और ज्ञान वाटिका के बच्चों ने बहुत ही सुन्दर नृत्य नाटिका के साथ पौराणिक चरित्रों की फैन्सी ड्रेस आयोजन किया। मुनि भगवन्तों के सामैया में कुसुम देवी तेजराज मालानी परिवार द्वारा गवली द्वारा स्वागत किया गया। परमात्मा के चित्र पर माल्यार्पण बाबूलाल, प्रवीण कुमार भंसाली परिवार द्वारा किया गया। दीप प्रज्वलन गिरधारी लाल, बाबूलाल मेहता परिवार द्वारा किया गया। मुनिराज का गुरुपूजन संघवी बाबूलाल, प्रकाश कुमार भन्साली परिवार द्वारा किया गया। नीलम देवी, प्रकाश चंद पारख परिवार द्वारा स्वामी वात्सल्य का लाभ लिया गया और मुनिराज और साध्वी वर्याओं को काम्बली भी ओढ़ाई गई। चातुर्मास प्रवेश के अवसर पर गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिन मणिप्रभ सुरीश्वर जी द्वारा भी शुभकामना संदेश प्राप्त हुआ। खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष प्रकाश भन्साली ने अपने विचार रखे और श्री जिन कुशल सूरी जैन महिला संगीत मंडल द्वारा गीतिका प्रस्तुत की गई। श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा वरघोड़ा की व्यवस्था और अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् के साथ भोजन व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया गया। इस अवसर पर श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ, अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद्, श्री जिन कुशल सूरी जैन सामायिक मंडल के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। चातुर्मास प्रवेश के इस अवसर पर संघवी तेजराज गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, उपाध्यक्ष बाबूलाल भन्साली, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा, राजेन्द्र बोथरा, घेवरचंद साकरिया, पुखराज कवाड के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

आईआईएम बोधगया में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन, 496 छात्रों को किया गया शामिल

गया (एजेंसियां)।

नए एमबीए बैच में 302 छात्र शामिल हैं, जिनमें 73 छात्राएं शामिल हैं, जिसमें से 101 छात्रों के पास औसतन 22 महीने का कार्य अनुभव है। बैच में 53.16% छात्र इंजीनियरिंग बैकग्राउंड और 46.84% छात्र गैर-इंजीनियरिंग बैकग्राउंड से शामिल हैं। एमबीए-डीबीएम कार्यक्रम में 18 महिलाओं सहित 92 छात्रों का स्वागत किया गया, जिनमें से 23.1% गैर-इंजीनियरिंग बैकग्राउंड से रहे। एमबीए-एचएचएम कार्यक्रम में 15 महिला छात्रों सहित 91 छात्र शामिल हुए, जिनमें से 83.5% गैर-इंजीनियरिंग बैकग्राउंड का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पीएच.डी. कार्यक्रम ने फाइनेंस, ऑपरेशन्स मैनेजमेंट, इकोनॉमिक्स, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी सिस्टम्स एंड एनालिटिक्स, मार्केटिंग, ओर्गनाइजेशनल बिहेवियर एंड ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एंड स्ट्रेटजी और एन्ट्रेप्रेंयूर्शिप जैसे क्षेत्रों में 5 महिलाओं सहित 11 नए स्कॉलर्स ने प्रवेश लिया। इन स्कॉलर्स की शैक्षणिक बैकग्राउंड में मार्केटिंग, कॉमर्स, इकोनॉमिक्स, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, आईटी, ऑपरेशन्स मैनेजमेंट, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, ऑपरेशन्स रिसर्च और साइकोलॉजी शामिल है।

छात्र समूह में इंजीनियरिंग, आर्ट्स, कॉमर्स, एकाउंटेंसी, मैनेजमेंट, बैंकिंग, मैथमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स, फिजिक्स, लाइफ साइंसेज, बायोटेक्नोलॉजी, होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट , एग्रीकल्चर, हॉर्टिकल्चर, फार्मेसी, लॉ और आर्किटेक्चर सहित विभिन्न विषयों के छात्र शामिल हैं। यह विविध संरचना आईआईएम बोधगया की अकेडमिक एंड जेंडर समावेशिता और विविधता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ओरिएंटेशन कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और गणेश वंदना गायन एवं भरतनाट्यम के साथ हुई, जिसने कार्यक्रम को एक जीवंत माहौल प्रदान किया। प्रतिष्ठित वक्ताओं ने इंटरैक्टिव सत्रों के दौरान मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा करते हुए छात्रों को संबोधित किया।

आईआईएम बोधगया की निदेशक डॉ. विनीता सहाय ने नए बैच का हर्षोल्लास से स्वागत किया, और संस्थान के जागरूक और सामाजिक रूप से जिम्मेदार बिजनेस लीडर्स को बढ़ावा देने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि- वरिष्ठ आईएएस, सचिव- कृषि परिवहन विभाग, बिहार सरकार- संजय कुमार अग्रवाल ने उच्च लक्ष्य के महत्व पर जोर देते हुए छात्रों को अपने उद्देश्य को परिभाषित करने के लिए प्रोत्साहित किया। सिफी टेक्नोलॉजीज के सीईओ श्री कमल नाथ ने उद्योग पर आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (ए आई) के प्रभाव पर चर्चा की, यह देखते हुए कि ए आई द्वारा संचालित तीव्र परिवर्तनों ने अर्जित कौशल और मांग वाले कौशल के बीच के अंतर को बढ़ा दिया है, छात्रों से भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। सीएएमएस में एचआर – प्रतिभा और संस्कृति के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ सत्पथी ने कौशल अंतर को पाटने के महत्व पर श्री नाथ के विचारों को दोहराते हुए, विकसित नौकरी बाजार में अनुकूलन क्षमता के महत्व पर प्रकाश डाला।

नोवार्टिस इंडिया के ग्लोबल ड्रग डेवलपमेंट में रणनीति संचालन के हेड विवेक झा ने परिवारों में अनुकूलन भरे व्यक्तियों से प्राप्त ताकत और प्रेरणा का जिक्र करते हुए अनुकूलन पर जोर दिया। क्वाड्रिया कैपिटल के पार्टनर सुनील ठाकुर ने पेशेवर और उद्यमशीलता प्रतिभा के बीच अंतर करते हुए बताया कि पेशेवर प्रतिभा कौशल को निखारती है जबकि उद्यमशीलता प्रतिभा उन्हें खोजने में मदद करती है। मैकिन्से कंपनी के सीनियर पार्टनर और चेयरमैन- एशिया श्री गौतम कुमरा ने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिस्पर्धा का संदर्भ नियोजित तरीकों से अधिक महत्वपूर्ण है। ब्रिलियो के वरिष्ठ निदेशक और ग्लोबल हेड श्री अभिषेक रंजन ने व्यक्तिगत विकास पर अंतर्दृष्टि साझा की, और परिवर्तन को तात्कालिक परिवर्तन के बजाय एक आजीवन यात्रा बताया।

भारी बारिश पर नेपाल ने छोड़ा पानी, बिहार के इन जिलों में बाढ़ से आफत

गोपालगंज (एजेंसियां)।

नेपाल में भारी बारिश के बाद गोपालगंज के वाल्मीकि नगर बराज से रविवार को साढ़े चार लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। अत्यधिक पानी को देखते हुए गोपालगंज डीएम मकसूद आलम ने जिले में हाई अलर्ट घोषित कर दिया है। जिले के सभी बाढ़ संभावित क्षेत्रों के बीडीओ और सीओ को निर्देश दिया है की वे तटबंधों के अंदर बसे गांवों से लोगों को बाहर आने के लिए माइकिंग के माध्यम से सूचित करे।

डीएम मकसूद आलम के आदेश के बाद जिले के छह प्रखंडों के तटबंधों की निगरानी बढ़ा दी गई है। सदर सीओ और बीडीओ खुद तटबंधों की निगरानी कर रहे है। निचले इलाकों में बसे लोगों से आगाह कर रहे है कि बाढ़ का पानी ज्यादा आने से पूर्व ऊंचे स्थानों पर चलें जाए। गोपालगंज डीएम, सदर एसडीएम प्रदीप कुमार सिंह सहित जल संसाधन विभाग के अधिकारी बैकुंठपुर प्रखंड के सत्तर घाट के पास पहुंचे। यहां पर सारण बांध ओर अन्य तटबंधों की सुरक्षा का जायजा लिया।

बता दें कि वाल्मीकि नगर बराज से रविवार की सुबह चार लाख 28 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जो 24 घंटे में गोपालगंज पहुंच जाएगा।जिससे कुचायकोट प्रखंड, सदर प्रखंड, मांझा प्रखंड, बरौली, सिधवलिया और बैकुंठपुर प्रखंड के कई गांव जो गंडक के निचले इलाके में बसे है। वे गांव बाढ़ के पानी से घिर जाएंगे और जिला मुख्यालय से संपर्क टूट जाएगा। ऐसे में जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बाढ़ के पानी बढ़ने से पहले ही अपने मवेशियों, बच्चों और अन्य जरूरी सामान लेकर ऊंचे स्थलों पर आ जाएं।

बता दें कि नेपाल के तराई क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश से कोसी नदी उफना गई है। जिससे पूर्वी और कोसी तटबंध के इलाके में रह रहे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है। कोसी नदी का जलस्तर इस साल का सबसे अधिक डिस्चार्ज रिकॉर्ड किया गया है। रविवार की सुबह 6:00 बजे 3 लाख 42 हजार 65 क्यूसेक पानी कोसी बराज पर डिस्चार्ज किया गया। वहीं सुबह 8 बजे 3 लाख 49 हजार 400 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया है। इधर, कोसी तटबंध में बढ़े जलस्तर से मधुबनी जिले के तटबंध मे भीतर रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है। यहां महिपतिया, गढ़गांव, ड़ाराह, द्वालख पंचायत के दर्जनों गांव में बाढ़ का पानी घुस गया है।

सीतामढ़ी और शिवहर जिले में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश और नेपाल के जल अधिग्रहण क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश की वजह से जिले की नदियों का जलस्तर एक बार फिर से बढ़ने लगा है। इससे जिले में बाढ़ की आशंका बन गई है।

बसपा नेता के. आर्मस्ट्रांग का तिरुवल्लूर में होगा अंतिम संस्कार, हाईकोर्ट ने दफनाने की अनुमति दी

चेन्नई (एजेंसियां)।

मद्रास हाईकोर्ट में रविवार को तमिलनाडु बसपा के मृत अध्यक्ष के आर्मस्ट्रांग की पत्नी की याचिका पर विशेष सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने पड़ोसी तिरुवल्लूर जिले में बसपा नेता के पार्थिव शरीर को दफनाने की अनुमति दी है। दरअसल बसपा नेता के पार्थिव शरीर को पार्टी कार्यालय में दफनाने की मांग की गई थी। जिसे मद्रास उच्च न्यायालय ने खारिज किया था।

वहीं राज्य की स्टालिन सरकार ने इस याचिका का विरोध किया था और कहा था कि बसपा का पार्टी कार्यालय रिहायशी इलाके

में हैं। बता दें कि यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के. आर्मस्ट्रांग की शुक्रवार को हमलावरों के एक अज्ञात समूह ने हत्या कर दी थी।

बसपा नेता की पत्नी की याचिका पर न्यायमूर्ति वी. भवानी सुब्बारॉयन ने सुनवाई की। जबकि राज्य सरकार ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि यह एक रिहायशी इलाका है और मृत बसपा नेता के पार्थिव शरीर को दफनाने के लिए राज्य सरकार ने तीन अन्य स्थानों की पहचान की है। वहीं मामले में अतिरिक्त महाधिवक्ता जे. रविन्द्रन ने बाद में न्यायाधीश को बताया कि सरकार ने तिरुवल्लूर जिले के पोथुर में आर्मस्ट्रांग के रिश्तेदार की जमीन पर शव को दफनाने की अनुमति दे दी है और इस प्रक्रिया के लिए आवश्यक आदेश भी दिए गए हैं।

राज्य सरकार के प्रस्ताव को याचिकाकर्ता ने भी स्वीकार कर लिया, जिसके बाद न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि बसपा नेता के. आर्मस्ट्रांग के शव को पोथुर में दफनाया जाए। वहीं न्यायाधीश वी. भवानी सुब्बारॉयन ने याचिकाकर्ता को शांतिपूर्ण अंतिम संस्कार जुलूस निकालने का निर्देश दिया और पुलिस को सुरक्षा देने को कहा है।

वहीं बसपा नेता की हत्या के मामले में चेन्नई पुलिस ने खुलासा किया है कि उन्हें शक है कि पिछले साल गैंगस्टर अर्कोट सुरेश की हत्या से यह मामला जुड़ा हो सकता है। सुरेश की हत्या का बदला लेने के लिए आर्मस्ट्रांग की हत्या की गई है। जबकि पार्टी नेता के हत्या के मामले में बसपा सुप्रीमो मायावती ने सीबीआई जांच की मांग की है।

चेन्नई में बसपा अध्यक्ष की हत्या का मामला

स्टालिन सरकार पर बरसीं मायावती

हत्याकांड की सीबीआई से जांच कराने की मांग

चेन्नई, 07 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अब बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि अब तक गिरफ्तार किए गए लोग असली अपराधी नहीं हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से पीड़िता को न्याय सुनिश्चित करने के लिए जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का आग्रह किया।

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने तमिलनाडु बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग को श्रद्धांजलि दी। शहर के पेरंबूर में एक निजी स्कूल में 52 वर्षीय नेता के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने यह भी कहा कि देर शाम हमलावरों के एक समूह द्वारा जिस तरह से आर्मस्ट्रांग की हत्या की गई, उससे पता चलता है कि राज्य में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। सीएम स्टालिन को आर्मस्ट्रांग के लिए न्याय सुनिश्चित करना चाहिए और जांच को केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, असली दोषियों को पकड़ा नहीं गया है। जांच सीबीआई को सौंपी जाए। हमें उम्मीद नहीं है कि राज्य

सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी। इसलिए इस मामले को तुरंत सीबीआई को सौंपा जाए।

बसपा नेता ने कहा कि आर्मस्ट्रांग की हत्या के बाद पूरे राज्य के दलित डर में हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री से अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। पार्टी ने मामले को गंभीरता से लिया है, लेकिन पार्टी कार्यकर्ता कानून व्यवस्था को अपने हाथ में न लें। उन्होंने कहा, मैं राज्य सरकार और विशेष रूप से सीएम से आग्रह करती हूं कि उन्हें राज्य में कानून और व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। विशेष रूप से कमजोर वर्गों को सुरक्षित महसूस करना चाहिए। अगर सरकार गंभीर होती तो असली आरोपियों को अभी तक गिरफ्तार कर लिया गया होता। मगर अब ऐसा नहीं है तो हम राज्य सरकार से मामले को सीबीआई को सौंपने का आग्रह करते हैं।

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा, हमारी पार्टी ने इस घटना को बहुत गंभीरता से लिया है और हम चुप नहीं बैठेंगे। हमारी राज्य इकाई चुप नहीं बैठेंगी और इस मामले को सीबीआई को सौंपने के लिए राज्य सरकार पर दबाव बनाएगी। मैं भगवान से प्रार्थना करूंगी कि उनके परिवार और समर्थकों को यह दुख सहन करने की शक्ति दे। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए पार्टी और कैडर को आगे आना चाहिए। मगर साथ ही, कानून की सीमा के भीतर रहना चाहिए और यह दिखाना चाहिए कि कमजोर वर्ग कानून अपने हाथ में नहीं लेता है।

पुलिस को संदेह है कि पिछले साल गैंगस्टर अर्कोट सुरेश की हत्या से यह मामला जुड़ा हो सकता है। हो सकता है कि सुरेश की हत्या का बदला लेने के लिए आर्मस्ट्रांग की हत्या की गई हो। उत्तरी चेन्नई के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) असरा गर्ग ने बताया कि हम पूछताछ कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि पूर्व में की गई हत्या के कारण यह हत्या की गई है। हमने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। हमने सात खून से सने हथियार, एक जोमैटो टी-शर्ट, एक जोमैटो बैग और तीन बाइक जब्त की हैं, जिनका अपराध करने में इस्तेमाल किया गया था।

एसीपी गर्ग ने कहा, चेन्नई पुलिस द्वारा गठित विशेष टीमों ने तीन और संदिग्धों को पकड़ा है। अब तक की जांच से पता चलता है कि अगस्त 2023 में आर्कोट सुरेश की एक गिरोह ने हत्या कर दी थी। सुरेश के परिवार और सहयोगियों का मानना है कि यह आर्मस्ट्रांग के निर्देश पर या उनके द्वारा रची साजिश के तहत किया गया था। एसीपी ने कहा, आर्मस्ट्रांग की हत्या आर्कोट सुरेश के सहयोगियों ने की थी। इस पूरे मामले में सुरेश का भाई भी शामिल था, जिन्हें हमने गिरफ्तार कर लिया है। चेन्नई पुलिस ने मामले की व्यापक जांच के लिए विशेष टीमों का गठन किया है। इससे पहले शनिवार को ग्रेटर चेन्नई के पुलिस आयुक्त संदीप राय राठौर ने बसपा नेता की हत्या के मामले में किसी भी राजनीतिक पहलू से इनकार किया था।

बसपा नेता आर्मस्ट्रांग की शुक्रवार शाम सवा सात बजे उस समय हत्या कर दी गई, जब वह यहां पेरंबूर में बन रहे अपने घर की ओर जा रहे थे। इस दौरान इस हमले में उनके साथ मौजूद चार लोग भी घायल हो गए। पुलिस कमिश्नर ने कहा था कि आर्मस्ट्रांग को उनके समर्थकों ने स्थानीय अस्पताल पहुंचाया था और बाद में वहां उनकी मौत हो गई।

शंकराचार्य ने की पूजा, गजपति ने लगाई झाड़ू, राष्ट्रपति ने लिया आशीर्वाद

पुरी में धूमधाम से जगन्नाथ रथयात्रा शुरू

पुरी, 07 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया भर में प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को देखने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ओड़ीशा के पुरी पहुंची। यहां पर उन्होंने जगन्नाथ रथ यात्रा में भगवान के दर्शन किए। इस दौरान उनके साथ राज्य के मुख्यमंत्री मोहन माझी और पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक भी मौजूद थे।

आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीय के अवसर पर रविवार (7 जून, 2024) को महाप्रभु भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा ओड़ीशा के पुरी में शुरू हो गई। दशमी तिथि तक यानी 10 दिनों तक भगवान अपने भक्तों के बीच में होते हैं। इस दौरान रथ पर उनकी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलराम भी सवार होते हैं। गुंडीचा मंदिर तक ये यात्रा 10 दिनों में तय की जाती है। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दर्शन मात्र से 1000 यज्ञों का फल मिलने की बात कही जाती है।

इस रथयात्रा में सबसे आगे तालध्वज पर बलराम जी चलते हैं, उनके पीछे पद्मध्वज पर मां सुभद्रा और सुदर्शन चक्र को विराजमान किया जाता है। सबसे पीछे गरुड़ ध्वज पर स्वयं भगवान जगन्नाथ चलते हैं। स्कन्द पुराण में भी रथयात्रा का विवरण है, बताया गया है कि रथ के पीछे कीर्तन करते हुए चलने वाले भक्त पुनर्जन्म के चक्र से मुक्त हो जाते हैं।

कहा जाता है कि राजा इन्द्रद्युम्न ने इस परंपरा को शुरू किया था। भगवान जगन्नाथ के महाप्रसाद में 7 प्रकार के चावल, 4 प्रकार की दाल, 9 तरह की सब्जियां और कई प्रकार की मिठाइयां परोसी जाती हैं। मिठाइयों में शक्कर की जगह गुड़ का इस्तेमाल होता है। मंदिर में आलू, टमाटर और फूलगोभी का भी इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

रविवार को सिंहद्वार से महाप्रभु की सवारी का प्रस्थान हुआ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी इस दौरान रथयात्रा में भगवान का आशीर्वाद लेने पहुंचीं। सबसे पहले पुरी मठ के शंकराचार्य ने रथ का पूजन किया। उसके बाद ओड़ीशा के महाराज गजपति ने सोने की झाड़ू से बुहार कर साफ-सफाई की। इस बार दिव्यसिंहदेव ने यह रस्म अदा की। महाप्रभु की सवारी आठ से नौ जुलाई के बीच गुंडीचा मंदिर तक पहुंच जाएगी। 8 से 15 जुलाई तक वहीं पकवानों का महाप्रसाद उन्हें चढ़ाया जाएगा। रथयात्रा का समापन होने के साथ ही इन्हें वापस मंदिर में ले जाया जाएगा। धडी पहांदी रस्म निभाई गई है, जिसके तहत प्राचीन वाद्ययंत्रों को ध्वनि चारो तरफ गूंजती है।

नीतीश से मिले चिराग, की सेवानिवृत्त चौकीदारों के आश्रितों को बहाल करने की मांग

पटना, 07 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर राज्य में सेवानिवृत्त हुए दफादार और चौकीदारों के आश्रितों को नियुक्ति पत्र दिए जाने की मांग की।

श्री पासवान ने एक्स पर पोस्ट किया, केंद्रीय मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद आज पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी से उनके आवास पर सौजन्य भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में मुख्यमंत्री श्री कुमार ने पूर्व की नियमावलीयों में संशोधन करते हुए

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के तहत दफादार-चौकीदार के आश्रितों की बहाली का प्रावधान करते हुए बिहार चौकीदार संवर्ग नियमावली 2014 का प्रावधान किया था। इसके तहत वर्ष 2023 तक दफादार-चौकीदार के आश्रितों की बहाली होती रही है। पूर्व से सेवानिवृत्त एवं सेवानिवृत्त होने वाले दफादारों-चौकीदारों के आश्रितों की बहाली तथा स्वैच्छिक सेवानिवृत्तों के शेष आश्रितों को नियुक्ति पत्र अभी तक निर्गत नहीं किया गया है।

श्री पासवान ने कहा कि वहीं एक-दो जिलों में नई बहाली की प्रकिया शुरू कर दी गई है जो, चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) मांग करती है कि इस प्रक्रिया को पूर्व की तरह ही पुनः बहाल किया जाए। केंद्रीय मंत्री ने कहा, साथ ही इन दिनों बिहार में निर्माणाधीन पुल गिरने की घटनाएं सामने आ रही है इसको लेकर भी मुख्यमंत्री जी के समक्ष अपनी चिंताएं व्यक्त की।

लोगों का उत्साह और शानदार काम भारत को बनाएगा विकसित राष्ट्र

जेआईटीओ कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि विभिन्न क्षेत्रों में भारतीयों का शानदार काम और लोगों का उत्साह भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी ताकत है। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेआईटीओ) को उसके इनक्यूबेशन इनोवेशन फंड के सातवें स्थापना दिवस पर लिखित संदेश में मोदी ने ये बात कही। उन्होंने लिखा कि भारत के लिए दुनिया भर में जिस तरह का आशावाद और भरोसा देखा जा रहा है, वह देश की ताकत का प्रतिबिंब है।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत अपार संभावनाओं वाला देश है। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट काम करने वाले हमारे देशवासियों की भागीदारी और देश को विकसित करने का उनका उत्साह हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री ने प्रौद्योगिकी के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य

रखा है। पत्र के अनुसार, प्रधानमंत्री ने जेआईटीओ के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में किए गए जैन समुदाय के कार्यों और प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करना और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। पीएम मोदी ने कहा, आज का आशावाद और हमारी क्षमताओं में अटूट विश्वास अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा और व्यापार सहित सभी क्षेत्रों तक फैला हुआ है। जेआईटीओ जैसे संगठनों ने पिछले एक दशक में इन उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो एक आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में योगदान दे रहा है। दो दिवसीय कार्यक्रम में विजय शेखर शर्मा (पेटीएम), आदित पालीचा (जेप्टो) और संजीव बिखचंदानी (इन्फोएज) सहित विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी दिमाग शामिल हुए। इसमें 300 से अधिक एंजल निवेशक, 100 स्टार्टअप, 30 यूनिकॉर्न और कई अंतरराष्ट्रीय निवेशक एक साथ आए, जिससे नेटवर्किंग के बेहतरीन अवसर मिले। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेआईटीओ) की सहायक कंपनी जेआईआईएफ ने 80 कंपनियों में 200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है और 25 से अधिक जैन उद्यमियों को इनक्यूबेट किया है।

बस्तर में नक्सलियों ने की अपने पूर्व साथी की हत्या

सुकमा, 07 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर में नक्सलियों ने इस बार अपने ही एक पूर्व साथी नक्सली को मौत के घाट उतार दिया हैं। दिनदहाड़े हुई इस हत्या से इलाके में भय का वातावरण हैं। माओवादियों ने जिस साथी नक्सली की हत्या की हैं वह कोई और नहीं बल्कि आंध्र प्रदेश पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर

चुका बारसे मासा हैं।

जानकारी के मुताबिक किस्टाराम एरिया कमेटी के सदस्य बारसे मासा पर चार लाख रुपए की इनाम घोषित था। वह करीब तीन मुठभेड़ों में शामिल रह चुका था। उस पर कई थानों में मामले भी दर्ज थे।

इसी साल के अप्रैल में बारसे मासा के साथ छत्तीसगढ़ के बस्तर में सक्रिय छह नक्सलियों ने आंध्रा प्रदेश पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। इनमें बारसे मासा के किस्टाराम एरिया कमेटी का सचिव मिथिलेश उर्फ राजू, किस्टाराम एरिया कमेटी का सदस्य और चार लाख रुपए का इनामी वेट्टी भीमा, किस्टाराम एरिया कमेटी की सदस्य वंजाम रामे, पार्टी सदस्य डूडी सोनी और पार्टी सदस्य मड़कम सुक्की ने अपने हथियार डाल दिए थे।ऐसा माना जा रहा है कि बारसे मासा के साथ आत्मसमर्पण किए अन्य साथियों पर भी नक्सली हमला कर सकते हैं।

देश के लिए मरने की नहीं, जीने की जरूरत : अमित शाह

अहमदाबाद, 07 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के विकास में कडवा पाटीदार समुदाय की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश के लिए मरने की नहीं, बल्कि जीने की जरूरत है। वह मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की मौजूदगी में अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां छात्रों के लिए एक छात्रावास का उद्घाटन किया गया। शाह ने दोपहर में शहर में एक अस्पताल का भी उद्घाटन किया। इसके अधिकारियों ने बताया कि अमीन पीजेकेपी विद्यार्थी भवन का निर्माण कडवा पाटीदार समुदाय द्वारा किया गया है और इसमे सभी सामाजिक समूहों के छात्रों के रहने की सुविधा होगी।

गृह मंत्री ने छात्रों से कहा कि आज देश के लिए मरने की जरूरत नहीं है, बल्कि उसके लिए जीने की जरूरत है। उन्होंने कहा, आप एक अच्छे आईएएस, आईपीएस, सीए, डॉक्टर, अच्छे नागरिक या गृहिणी हो सकते हैं, लेकिन आपको देश के लिए काम करने की जरूरत है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि कडवा पाटीदार समुदाय ने गुजरात के विकास में बहुत योगदान दिया है। उन्होंने कहा, गुजरात और पाटीदार समुदाय का समानांतर

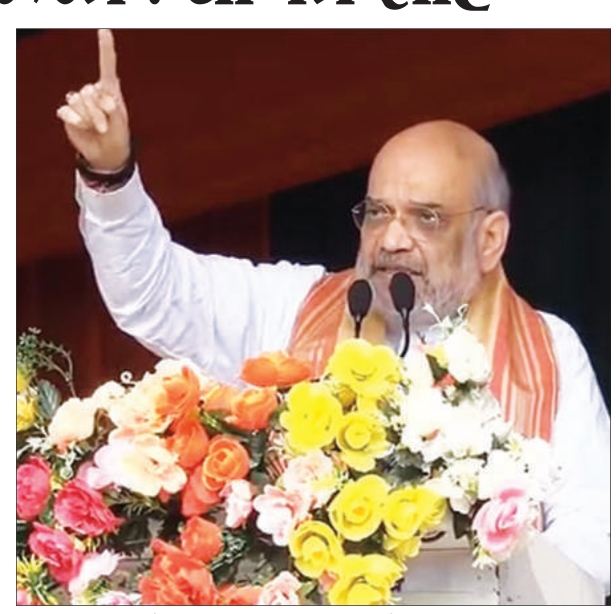

विकास हुआ है। अपनी कड़ी मेहनत से कडवा पाटीदार समुदाय ने अपने विकास के साथ-साथ राज्य और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा, उत्तर गुजरात के कडवा पाटीदार समुदाय के कई संस्थानों में पढ़कर आज जनता देश की सेवा कर रही है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि दो दशक पहले मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'शाला प्रवेशोत्सव' और 'कन्या केलवणी महोत्सव' की वजह से राज्य में शिक्षआ क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना बहुत जरूरी है। शिक्षा विकास की नींव है। देश के भविष्य को संवारने के लिए शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार प्रयासरत है।

शाह ने अहमदाबाद में नवनिर्मित मल्टी-स्पेशियलिटी एसएलआईएमएस अस्पताल का भी उद्घाटन किया। तीस करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से बना आठ मंजिला अस्पताल में ओपीडी सुविधाओं के साथ रोबोटिक सर्जरी और कार्डियक केयर सेंट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि आधुनिक सुविधाओं से लैस यह अस्पताल क्षेत्र की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा।

प्रशांत किशोर से बौखला रही लालू की पार्टी

पटना, 07 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने एक पत्र जारी किया है, जिसमें उन्होंने अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को सलाह देते हुए चेतावनी भी दी है। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने जन सुराज पार्टी पर जुबानी हमला किया है। उन्होंने जन सुराज पार्टी को भारतीय जनता पार्टी का बी-टीम कहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल के नेता और कार्यकर्ता विरोधी काम न करें अन्यथा पार्टी उनके खिलाफ समुचित कार्रवाई करेगी।

राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने पत्र में लिखा, आए दिन प्रायः सभी जिलों में ऐसा देखने को मिला है कि हमारे पार्टी के कार्यकर्ता या नेता जन सुराज पार्टी में सहयोगी या उनके सदस्य बन रहे हैं। यह चिंता का विषय है। विदित हो की जनसुराज पार्टी एक राजनीतिक पार्टी है।

इसके संस्थापक प्रशांत किशोर उर्फ प्रशांत किशोर पांडे हैं। यह पार्टी भारतीय जनता पार्टी एवं देश के धर्मावलंबी लोगों के द्वारा संचालित तथा वित्तीय पोषित हैं अर्थात भारतीय जनता पार्टी का बी टीम है।

आप सभी साथियों से अनुरोध है कि ऐसे लोगों के बहकावे में आप लोग न आएं। उनकी मंशा राष्ट्रीय जनता दल को कमजोर करने और भाजपा की शक्ति को बढ़ावा देने की है।

जिन साथियों को आदरणीय लालू प्रसाद का सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सौहार्द एवं. बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, डॉ राम मनोहर लोहिया, महात्मा गांधी, डॉक्टर पेरियार, महात्मा ज्योतिबा फुले, जननायक कर्पूरी ठाकुर और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचारों से वास्ता है, वह दल विरोधी काम न करें अन्यथा दल उन पर समुचित कार्रवाई करेग। फिलहाल राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह द्वारा जारी किए गए इस पत्र का राष्ट्रीय जनता दल के शीर्ष नेता ने कोई संज्ञान नहीं लिया है। लेकिन यह पत्र राजद कार्यकर्ताओं में चर्चा का विषय बना हुआ है।

श्रद्धालुओं की भीड़ और गर्मी में पिघल गए बाबा बर्फानी

जम्मू, 07 जुलाई (ब्यूरो)। अमरनाथ यात्रा में शामिल होने वालों को एक बार फिर निराशा का सामना करना पड़ सकता है। 45 किमी की दुर्गम पैदल यात्रा करने के बाद भी उन्हें 14500 फुट की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा में हिमलिंग के पूर्ण रूप में दर्शन नहीं हो तो मन मसोस कर रहना पड़ता है। यात्रा से वापस लौटने वालों के अनुसार, बढ़ती भीड़ और गर्मी के कारण हिमलिंग पिघल गया। अमरनाथ यात्रा स्थापना बोर्ड हिमलिंग को बरकरार रखने के लिए रक्षा अनुसंधान की विश-ेषज्ञीय मदद लेने पर विचार कर रहा है। पिछले साल यह 24 जुलाई को ही पूरी तरह से पिघल गया था।

यात्रा के दो सौ साल के इतिहास में यह लगातार 22वां वर्ष है जब 14500 फुट की ऊंचाई पर स्थित 60 फुट लंबी, 30 फुट चौड़ी तथा 15 फुट गहरी इस गुफा में बर्फ से प्रकट होने वाले शिवलिंग पर मौसम का प्रतिकूल असर पड़ता है। शिवलिंग की आकृति में 1994 से ही अंतर आना आरंभ हुआ था जो अभी तक जारी है। वर्ष 1994 में तो यह श्रावण पूर्णिमा को भी बना ही नहीं था। अमरनाथ यात्रा स्थापना बोर्ड ने कहा है कि हिमलिंग को अपने पूर्ण आकार में बरकरार रखने के लिए रक्षा अनुसंधान विभाग से संपर्क किया गया है।

श्रावस्ती और कुशीनगर में बाढ़ में फंसे 87 लोगों की बचाई जान

अधिकारियों ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

लखनऊ, 07 जुलाई (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों में तेजी लाने, पीड़ितों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश के बाद अतिसंवेदनशील और संवेदनशील जिलों के अधिकारी हरकत में आ गये हैं। सीएम योगी के निर्देश के बाद अधिकारी अपने जिलों में बाढ़ की स्थितियों पर लगातार नजर बनाए रखे हैं। इसी क्रम में नेपाल में मूसलाधार बारिश के बाद अचानक पांच लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने से श्रावस्ती और कुशीनगर में बाढ़ में फंसे 87 लोगों को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर सुरक्षित निकाला गया है। इस दौरान कुशीनगर में बाढ़ में फंसे 20 मवेशियों को भी बचाया गया। वहीं सीएम योगी ने नेपाल से छोड़े गए पानी से प्रभावित श्रावस्ती और कुशीनगर के जिलाधिकारियों को क्षतिग्रस्त फसल का 24 घंटे के अंदर सर्वे कर रिपोर्ट शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। इसके साथ ही सीएम योगी ने शासन स्तर के अधिकारियों को क्षतिग्रस्त फसल की सर्वे रिपोर्ट मिलते ही तत्काल मुआवजा देने का आदेश दिया है। हालांकि अभी इन जिलों में स्थिति सामान्य है, जबकि कुछ ही

इलाकों में फसलों को नुकसान हुआ है।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि शनिवार रात करीब आठ बजे राज्य स्तरीय इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर को श्रावस्ती के तहसील जमुनहा की ग्राम पंचायत गजोभरी के ग्राम मोहनपुर भरथा एवं केवटन पुरवा में नेपाल से अचानक छोड़े गए पानी में 11 लोगों के फंसे होने की सूचना मिली, जिसमें तीन बच्चे, पांच महिलाएं और 3 पुरुष शामिल थे। सूचना मिलते ही तत्काल श्रावस्ती जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी को जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी अपनी टीम के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए मौके पर पहुंचे। जिला प्रशासन एवं फ्लड पीएसी की टीमों ने ज्वॉइंट रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और लगभग आठ घंटे की कड़ी मेहनत के बाद सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद सभी का चिकित्सकों की टीम द्वारा प्राथमिक उपचार भी कराया गया। साथ ही सभी पीड़ितों को राप्ती बैराज स्थित गेस्ट हाउस में पहुंचाया गया। देवीपाटन मंडल के आयुक्त शशि लाल भूषण सुशील ने बताया कि सभी पीड़ितों का प्राथमिक उपचार और खाना खिलाने के बाद उन्हे उनके गांव में सुरक्षित भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू के दौरान करिका 10 वर्ष, मिन्नी 12 वर्ष, रीता 25 वर्ष, शेरू 8 वर्ष, अर्चना 17 वर्ष, कमला देवी 40 वर्ष, शान्ति देवी 50 वर्ष, सकटराम 18 वर्ष, रेखा देवी 28 वर्ष, नन्दन 30 वर्ष और राम उजागर 50 वर्ष को सुरक्षित निकाला गया। वहीं रविवार को बाढ़ से प्रभावित 18 गांव के करीब चार सौ लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है, जहां पर उन्हे पौष्टिक और गरम खाने के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं।

राहत आयुक्त ने बताया कि शनिवार रात करीब आठ बजे राज्य स्तरीय इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर को नेपाल में मूसलाधार बारिश के बाद देवघाट बैराज से 5,71,850 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना मिली। इस पर कुशीनगर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा को बड़ी गंडक में बाल्मीकि नगर बैराज द्वारा 3 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की संभावना पर तहसील खड्डा के गांवों के प्रभावित होने की तत्काल जानकारी दी गयी। इसके बाद कुशीनगर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने अपनी टीम के साथ तहसील खड्डा के प्रभावित 13 गांवों का निरीक्षण किया। साथ ही गांववासियों से गांव को खाली करने की अपील की। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान तहसील खड्डा के नारायणपुर के एक टापू पर कुछ लोगों के साथ मवेशियों के फंसे होने की जानकारी मिली, जिसके बाद एनडीआरएफ और पीएसी की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रेस्क्यू टीम ने घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद 76 लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा। इस दौरान टीम ने 20 मवेशियों को भी सुरक्षित बचाया। वहीं बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। यह पर उन्हे पौष्टिक और गरम खाने के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ग्रामीणों के मवेशियों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

वृक्षारोपण जनअभियान-2024

नेपाल और सीमावर्ती राज्यों में मित्र-वन बसाएगी यूपी सरकार

लखनऊ, 07 जुलाई (एजेंसियां)।
योगी सरकार वृक्षारोपण जन अभियान-2024 के तहत पड़ोसी देश नेपाल व यूपी के सीमावर्ती राज्यों पर मित्र वन बसाएगी। इसके लिए 35 वन प्रभागों द्वारा स्थानों का चयन कर लिया गया है। सीएम योगी के निर्देश पर 35 करोड़ पौधरोपण के साथ ही हरीतिमा बढ़ाने के लिए वन विभाग पड़ोसी देश व राज्यों भी समन्वय स्थापित कर रहा है। यही नहीं, सीमाओं पर यूपी की जमीन में पौधरोपण के साथ ही वन विभाग दूसरे राज्यों के गणमान्यों को इस महाभियान से जोड़ेगा।

सीएम योगी की तरफ से तिथि निर्धारित (20 जुलाई) होने के उपरांत वन विभाग वृक्षारोपण जन अभियान-2024 की सफलता में जुट गया है। इसके तहत यूपी के सीमावर्ती जनपदों में व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम भी होगा। सीमावर्ती जनपदों से लगने वाले 35 जनपदों में भी इसकी तैयारी पुरजोर ढंग से की जा रही है। सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, सोनभद्र,

मिर्जापुर, प्रयागराज, चित्रकूट, बांदा, महोबा, झांसी, ललितपुर, जालौन, इटावा, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, नोएडा, गाजियाबाद, बागपत व शामली में व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम की तैयारी की जा चुकी है।

योगी सरकार की नई पहल मित्र वन को बसाने के प्रयास में विभाग जुटा है। इसके लिए सीमावर्ती राज्यों के साथ ही मित्र राष्ट्र नेपाल के समीप भी पौधरोपण महाभियान चलाने की कार्रवाई होगी। विगत दिनों एक कार्यक्रम में सीएम योगी ने नेपाल की तरफ पौधरोपण को लेकर चिंता भी जाहिर की थी। इसे देखते हुए वन विभाग इस बार नेपाल के बॉर्डर वाले सोनौली महराजगंज, लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती, बहराइच, पीलीभीत समेत सभी जनपदों की सीमाओं पर भी मित्र वन स्थापित करेगी। यहां पौधरोपण के दौरान न सिर्फ उत्तर प्रदेश के जनप्रतिनिधि, बल्कि पड़ोसी देश से भी समन्वय स्थापित कर उन्हें इस कार्यक्रम से जोड़ने की पहल की जाएगी।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा ने 35 वन प्रभागों द्वारा मित्र वन स्थापना के लिए स्थान का चयन करते हुए पड़ोसी देश नेपाल व सीमावर्ती राज्य के गणमान्य अतिथियों से कराए जाने वाले पौधरोपण के लिए पौध प्रजातियों को चिह्नित करने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने पौध प्रजाति के चयन में पड़ोसी देश/राज्य के वन विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर उनकी राय प्राप्त करने और पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित कर इसकी सूचना वन मुख्यालय स्थित कमांड सेंटर को उपलब्ध कराने को कहा है। मित्र वन के साथ ही वृक्षारोपण जन अभियान 2024 के अन्तर्गत उक्त के अतिरिक्त प्रत्येक जनपद में शक्ति वन, युवा वन, बाल वन जैसे विशिष्ट वनों की स्थापना के भी निर्देश दिए गए हैं।

अपर मुख्य वन संरक्षक पीपी सिंह ने बताया कि वृक्षारोपण जन अभियान-2024 के तहत इस बार मित्र वन की स्थापना की जाएगी। यूपी से सटे बिहार, उत्तराखंड, दिल्ली, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत सभी राज्यों के आसपास मित्र वन स्थापित होंगे।

हाथरस हादसा : साकार हरि के वकील का सनसनीखेज दावा

कुछ लोगों ने भीड़ में खोल दिए थे जहरीली गैस के डिब्बे

अलीगढ़, 07 जुलाई (एजेंसियां)।
हाथरस हादसे में 121 लोगों की मौत की वजह को लेकर साकार हरि के वकील एपी सिंह ने सनसनीखेज दावा किया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जहरीली गैस से भरे डिब्बे लेकर आए और भीड़ में खोल दिया, जिससे दम घुटने के कारण इतने लोगों की जान गई।

साकार हरि बाबा के वकील एपी सिंह ने रविवार को बताया कि हाथरस में सत्संग के बाद हादसा बाबा की बढ़ती लोकप्रियता के खिलाफ एक साजिश है। हादसे के गवाहों ने उनसे संपर्क किया। गवाहों को

कहना है कि 15-16 लोग जहरीली गैस के डिब्बे ले जा रहे थे, जिन्हें उन्होंने भीड़ में खोल दिया था। जिससे वहां भगदड़ मच गई। वकील एपी सिंह ने कहा कि मैंने मारे गए लोगों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देखी है और इससे पता चला है कि उनकी मौत दम घुटने से हुई है, न कि किसी अन्य कारण से।

भगदड़ के पीछे साजिश का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि जहरीली गैस को छोड़ने वालों को भागने में मदद करने के लिए घटनास्थल पर वाहन खड़े थे। हमारे पास सबूत हैं और हम इसे देंगे। वकील एपी सिंह ने कहा कि जो गवाह उनके पास पहुंचे हैं, उन्होंने नाम न छापने का अनुरोध किया है। हम उनके लिए सुरक्षा की मांग करेंगे।

हाथरस में सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। भगदड़ के मामले में मुख्य आरोपी देवप्रकाश मधुकर समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 6 जुलाई को, हाथरस पुलिस ने कहा कि वह एक राजनीतिक दल द्वारा संदिग्ध फंडिंग की भी जांच कर रही है। अधिकारियों ने कहा था कि मधुकर सत्संग के मुख्य आयोजक और धन जुटाने वाले थे। स्थानीय सिकंदराराऊ पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में साकार हरि का उल्लेख आरोपी के रूप में नहीं किया गया।

---

60 प्रतिशत उपभोक्ता कर रहे बिजली बिल का डिजिटल भुगतान

लखनऊ, 07 जुलाई (एजेंसियां)।
प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए विगत 7 वर्ष में योगी सरकार ने जो प्रयास किए हैं, उसका असर साफ देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश विद्युत निगम लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने कंज्यूमर फ्रेंडली ऐसे कई कदम उठाए हैं, जिसके चलते विद्युत सेवाएं प्राप्त करना बहुत आसान हो गया है। इसके माध्यम से स्वयं बिल जेनरेट करने के साथ-साथ ऑनलाइन बिल का भुगतान करने के मामलों में आमूलचूल वृद्धि हुई है। यही नहीं, नए कनेक्शन, बिल करेक्शन, कंप्लेंट और टैरिफ चेंज जैसी सुविधाओं के लिए यूपीपीसीएल का कंज्यूमर एप लोगों की मुश्किलों को आसान कर रहा है।

वो दिन लोग भूले नहीं होंगे जब बिजली का बिल जमा करने के लिए लोगों को बिजली विभाग के कार्यालयों में घंटों लाइन में लगना पड़ता था। हालांकि, यूपीपीसीएल ने कंज्यूमर फ्रेंडली जो सुविधाएं शुरू की हैं उसके माध्यम से काउंटर्स पर फिजिकली बिजली बिल जमा करने वालों की संख्या मात्र 32 प्रतिशत रह गई है, जबकि 68 प्रतिशत तक उपभोक्ता ऑनलाइन, ई वॉलेट और सीएससी के माध्यम से बिल का भुगतान करने में सक्षम हुए हैं। सबसे ज्यादा 39 प्रतिशत ऑनलाइन पेमेंट किया जा रहा है, जबकि ई वॉलेट के माध्यम से 21 प्रतिशत तक भुगतान हो रहा है। वहीं विभिन्न कार्ड (क्रेडिट और डेबिट कार्ड) के जरिए 8 प्रतिशत तक भुगतान किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त यूपीपीसीएल ने नए कनेक्शन प्राप्त करने के लिए फेसलेस मैकेनिज्म के तहत झटपट पोर्टल, निवेश मित्र और पीटीडब्ल्यू पोर्टल की शुरुआत की है, जिसके माध्यम से उपभोक्ताओं को नए कनेक्शन के लिए विद्युत विभाग के कार्यालय जाकर समय बर्बाद करने की आवश्यकता नहीं रह गई है। यही नहीं, ऑनलाइन ऑटो लोड इनहैंसमेंट, सेल्फ बिल जेनरेशन भी संभव हुआ है। इसके साथ ही, यदि आपका बिल गलत आ गया है तो इसे भी ऑनलाइन पोर्टल या ऐप के माध्यम से रिवीजन के लिए भेज सकते हैं। इसी तरह अपने नाम व एड्रेस में करेक्शन के लिए भी ऑनलाइन सुविधा का लाभ उठा सकते हैं, जबकि ऑनलाइन ही अपनी कैटेगरी में बदलाव, परमानेंट डिसकनेक्शन की भी सुविधा मिल रही है।

यूपीपीसीएल के अध्यक्ष आशीष कुमार गोयल के अनुसार, यूपीपीसीएल कंज्यूमर एप के माध्यम से भी आसानी से नए कनेक्शन, बिल करेक्शन, कंप्लेंट रिड्रेसल और टैरिफ में बदलाव इत्यादि की सुविधा का उपभोक्ता लाभ उठा रहे हैं। इसी में असिस्टेड बिलिंग की भी सुविधा दी गई है, जिसके जरिए बिलिंग की क्वालिटी में बड़े सुधार के लिए आग्रह किया जा सकता है। यही नहीं, विभाग ने उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए किस्तों में बिल अदा करने की भी सुविधा प्रदान की है। उपभोक्ताओं के परिसर में ही रियल टाइम बिल रीडिंग, बिल जेनरेशन और पेमेंट की भी सुविधा ने लोगों का काफी समय बचाया है। इसके अतिरिक्त बैंक और फिनटेक कंपनियां कलेक्शन प्वॉइंट्स के रूप में ऑनबोर्ड हुई हैं। 1912 को विद्युत आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के लिए व्यापक रूप से संचालित किया जा रहा है।

सोशल मीडिया की महत्ता को समझते हुए यूपीपीसीएल ने इसको भी संवाद का माध्यम बनाया है। फेसबुक, एक्स जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स सभी जिलों में कंज्यूमर के साथ संवाद स्थापित करने का अच्छा माध्यम बन रहे हैं। लोग इन सोशल मीडिया माध्यमों के जरिए न सिर्फ विद्युत आपूर्ति से संबंधित शिकायतें कर पा रहे हैं, बल्कि विभिन्न समस्याओं को रख पा रहे हैं।

अंबानी परिवार में हो रही शादी में होगा बनारसी साड़ियों का जलवा

नीता अंबानी ने दिया खास बनारसी साड़ियों का ऑर्डर

वाराणसी, 07 जुलाई (एजेंसियां)।
काशी की जीआई और ओडीओपी उत्पाद बनारसी साड़ी अंबानी परिवार की शादी में रंग बिखेरेगी। काशी की इस प्राचीन कला को जीआई टैग मिलने से विश्व में बनारसी साड़ी को अलग ही पहचान मिली है। योगी सरकार द्वारा बनारसी साड़ी को वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट में शामिल करने से काशी के कारीगरों का हुनर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उड़ान भर रहा है। बनारसी साड़ी को नई पहचान मिलने के बाद इसकी ख्याति और बढ़ती जा रही है। फ़िल्म इंडस्ट्री हो या देश दुनिया के सबसे बड़े औद्योगिक घराने, बनारसी साड़ी सबको खूब भाती है। वहीं बेटे की शादी के लिए नीता अंबानी ने भी इसी खास बनारसी साड़ी का ऑर्डर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीआई उत्पाद व वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट के ब्रांड अंबेसडर के रूप में देश के शिल्पियों के हुनर को नया बाज़ार दिया है। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घरानों में शुमार मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी अपने बेटे की शादी के लिए यह साड़ी खरीदने कुछ दिन पहले बनारस पहुंची थीं। नीता अंबानी साड़ी की दुकान से लेकर बुनकर के घर तक गईं। उन्होंने करघे पर बुनकरों की बुनाई करते हुए कारीगरी को भी देखा। साथ ही बनारसी साड़ी के कारीगरों से इसकी बारीकियां भी समझीं। जीआई एक्सपर्ट पद्मश्री डॉ रजनीकांत ने बताया कि जीआई टैग की बनारसी साड़ी 100 प्रतिशत हैंडलूम और सिल्क की होती है। नीता अंबानी ने पसंद किया है। अब अंबानी परिवार की ओर से बनारसी साड़ी को पसंद किये जाने से दुनिया में इसका आकर्षण बढ़ेगा। बनारसी परंपरागत वस्त्रों के साथ ही जीआई और ओडीओपी उत्पादों के सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर प्रधानमंत्री और सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ हैं, जिन्होंने इसका विस्तार पूरी दुनिया में किया है।

नीता अंबानी ने बेटे की शादी के लिए ढेर सारी बनारसी साड़ियों का आर्डर दिया है।

एलएलबी छात्र की गोली मारकर हत्या

प्रयागराज, 07 जुलाई (एजेंसियां)।
सोरांव थाना क्षेत्र के अब्दालपुर खास के अचकवापुर गांव में एलएलबी अंतिम वर्ष के छात्र इंद्रजीत पटेल (25) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह पढ़ाई के साथ ही हाईकोर्ट में प्रैक्टिस भी करता था।गांव के ही रहने वाले सर्वेश नाम के युवक ने वारदात को अंजाम दिया है। हत्या के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने आरोपी सर्वेश को गिरफ्तार कर लिया है।

वारदात रविवार सुबह करीब सात बजे की है। पुलिस को सूचना मिली कि सोरांव थाना क्षेत्र के अब्दालपुर खास के अचकवापुर गांव में इंद्रजीत पटेल को गोली मार दी गई है। आनन फानन में उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने इंद्रजीत को मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि वर्ष 2010 में गांव के ही खेत का आरोपी सर्वेश के परिजन और इंद्रजीत के परिजनों के बीच विवाद चल रहा था। पिछले 14 वर्षों से खेत की जमीन को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया है। इंद्रजीत एलएलबी अंतिम वर्ष का छात्र था। वह महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज सहसों में पढ़ता था। साथ ही हाईकोर्ट में प्रैक्टिस भी करता था। आरोपी सर्वेश उसका पड़ोसी है, घटना के वक्त उसके पास दो पिस्टल मौजूद थी, जिसमें से एक उसने अपनी कनपटी पर सटा ली थी और दूसरी हाथ में थामे हुए था।

दोनों के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोपी का कहना है कि उसके बुजुर्गों ने इंद्रजीत के परिवार को कुछ जमीन देखरेख के लिए दी थी, जिस पर उसने कब्जा कर लिया था। कई बार कहने के बाद भी जमीन नहीं दे रहा था और उसे पर जबरन धान भी लगा लिया था। इसी बात को लेकर चार-पांच दिन पहले भी उनके बीच विवाद हुआ था। वह अपना दल एस विधि मंच के जिला सचिव भी था। सोरांव थाना प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, पूछताछ जा रही है।

महाराजगंज, बस्ती, सहारनपुर और औरैया में रेशम उद्योग पर जोर

रेशम विकास विभाग ने शुरू की 10 बेसिन यूनिट्स की क्रय प्रक्रिया

लखनऊ, 07 जुलाई (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश में सकारात्मक कारोबारी माहौल को बढ़ाकर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने के लक्ष्य की ओर बढ़ रही योगी सरकार रेशम उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर कार्य कर रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार प्रदेश में रेशम उद्योग को बढ़ाने के लिए विभिन्न क्लस्टरों में बड़े स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में, अब सीएम योगी की मंशा अनुसार महाराजगंज, बस्ती, सहारनपुर व औरैया को मल्टी एंड रीलिंग यूनिट्स से लैस करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन रीलिंग यूनिट्स के अंतर्गत 10 बेसिन यूनिट्स की क्रय प्रक्रिया रेशम विभाग ने शुरू कर दी है। इस क्रय प्रक्रिया को कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी द्वारा पूरा किया जाएगा जिसे रेशम विभाग नियुक्त करेगा। कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी को कार्यावंटन के बाद 90 दिनों के भीतर इन सभी यूनिट्स को निर्धारित जिलों में डिलिवर व इंस्टॉल करना होगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए रेशम विभाग द्वारा जो आवेदन मांगे गए हैं उसमें मुख्यतः उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय व राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम से पंजीकृत कंपनियों को वरीयता दी जाएगी।

मल्टी एंड रीलिंग यूनिट में विभिन्न मशीनरी कॉम्पोनेंट्स होते हैं जो बेसिन यूनिट्स के अंतर्गत आते हैं। कुल 10 बेसिन यूनिट्स की क्रय प्रक्रिया फिलहाल रेशम विभाग द्वारा पूरी की जा रही है। इन बेसिन यूनिट्स में 50 किलोग्राम कैपेसिटी वाला हॉट एयर ड्रायर, कोकून सॉर्टिंग टेबल, ब्रशिंग प्रक्रिया के लिए दो पैन टेबल्स, सर्कुलर प्रेशराइज्ड कोकून कुकिंग तथा वैक्यूम प्रीमिएशन प्री ट्रीटमेंट इक्विपमेंट से युक्त होगा। वहीं, बेसिन मल्टीएंड रीलिंग मशीन (10 एंड्स प्रति बेसिन), विंडो क्लोज्ड टाइम री-रीलिंग मशीन (5 एंड्स प्रति विंडो), स्मॉल रील पर्मिएशन सेंटर, 600 ग्राम कैपेसिटी व 0.01 ग्राम सेंसिटिविटी युक्त इलेक्ट्रॉनिक बैलेंस से भी युक्त होगा। जबकि, 7.5 केवीए कैपेसिटी युक्त जेनरेटर, 100 किलोग्राम स्टीम आउटपुट प्रति घंटे की कैपेसिटी युक्त तथा आईबीआर क्वॉलिटी युक्त ब्वॉयलर तथा 100 किलोग्राम रेजिन कैपेसिटी युक्त वाटर सॉफ्टनर जैसे कॉम्पोनेंट्स से युक्त होगा। इन सभी कॉम्पोनेंट्स के जरिए रेशम उत्पादन के लिए जरूरी कोकून एक्सट्रैक्शन, प्रोसेसिंग और रीलिंग प्रक्रिया को पूरा किया जा सकेगा।

सीएम योगी की मंशा अनुसार महाराजगंज, बस्ती, सहारनपुर व औरैया में जिन मल्टी एंड रीलिंग यूनिट्स के क्रय, स्थापना व संचालन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है उसके लिए 180 दिन का वैलिडिटी पीरियड तय किया गया है। इन सभी यूनिट्स को कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी को कार्यावंटन के उपरांत 90 दिनों की कार्यावधि में डिलीवर व इंस्टॉल करना होगा।

संपादकीय

कुदरत की तल्खी से सबक ले बनें नीतियां

बहुत ज्यादा समय नहीं बीता जब देश की राजधानी समेत कई बड़े-छोटे शहर जिस्म झुलसाती गर्मी से हाय-हाय कर रहे थे। राजधानी में ही जून का औसत तापमान 42 डिग्री से अधिक रहा। साथ ही पेयजल का संकट भी कई बस्तियों में नजर आया। पानी की आपूर्ति को लेकर दिल्ली व हरियाणा के बीच टकराव की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती रहीं। कोर्ट सख्त लहजे में नीति-नियंताओं को मिल-जुलकर पेयजल संकट दूर करने को कहता रहा। फिर दिल्ली में बरसात की पहली बारिश होती है तो आठ दशक का रिकॉर्ड टूट जाता है। जल निकासी की व्यवस्था शर्म से पानी-पानी हो जाती है। सड़कों में तैरते वाहन और दरकती इमारतें व्यवस्था की पोल खोलती रही। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि कल तक जो दिल्ली प्यासी थी वह अचानक बारिश के पानी में क्यों डूबती नजर आई? जाहिर बात है कि मौसम की तीव्रता गर्मी, बरसात और सर्दी में साफ नजर आ रही है। लेकिन हमारी तरफ से इससे मुकाबले के लिये जमीनी प्रयास न के बराबर हैं। दरअसल हुआ यह है कि बारिश के पानी के निकासी के जो प्राकृतिक रास्ते थे, वे कुछ लोगों व बिल्डरों ने कब्जा लिए हैं। नदियों तक पानी ले जाने वाले रास्तों व तालाबों पर तमाम अवैध निर्माण हुए हैं। जो इलाके प्राकृतिक रूप से पानी का अवशोषण करते थे, उन्हें हमने अतिक्रमण से अवरुद्ध कर दिया है। दरअसल, वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् और मीडिया के लोग वर्षों से लगातार ग्लोबल वार्मिंग के संकट के प्रति चेताते रहे हैं, लेकिन हमारे नीति-नियंता सिर्फ गाल बजाने का काम करते रहे हैं। लेकिन अब जब ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे खेत-खलिहानों में दस्तक देकर हमारी खाद्य शृंखला को संकट में डालना शुरू कर दिया है तो भी हमारे सत्ताधीश कुंभकरणी नींद में डूबे हैं। मौसम के जानकार बता रहे हैं कि हाल के दशकों में जून के जो सबसे ज्यादा चार गर्म माह रहे हैं, उनमें तीन पिछले तेरह वर्षों में रहे हैं। लोग महसूस कर रहे हैं हर साल का जून पहले जून से ज्यादा गर्म होता है। निस्संदेह, गर्मियों के मौसम में अखबारों में छपने वाले तापमान के बढ़ने के आंकड़े डराने वाले हैं। वहीं सर्दी का समय कम होता जा रहा है। बारिश है कि अचानक कम समय में इतनी बरसती है कि चारों तरफ जल-थल की स्थिति बन जाती है। सही मायनों में स्थितियां परेशान करने वाली हैं। वक्त की जरूरत है कि इस संकट से निबटने के लिए तात्कालिक व दूरगामी उपाय किए जाएं। हमें योजनाओं का निर्माण दीर्घकालिक लक्ष्यों के हिसाब से करना होगा। वहीं दूसरी ओर हर साल लू से मरने वाले लोगों के आंकड़े को कम करने के लिये फौरी उपाय अपनाने होंगे। हमें समाज में उन लोगों को पहले राहत देने का प्रयास करना होगा जो परिस्थितिवश दिन में खुले में काम करने के लिये मजबूर हैं। जैसे दिहाड़ी कामगार, फल-सब्जी आदि बेचने के लिये रेहड़ी-पटरी लगाने वाले लोग, रिक्शा चालक, यातायात व्यवस्था संभालने वाले पुलिसकर्मियों आदि को तात्कालिक राहत देने के प्रयास करने होंगे। उनके लिये छांव व पानी की व्यवस्था सार्वजनिक स्थलों पर हो। वहीं हमें ऑफिस तथा स्कूल-कॉलेजों के समय में बदलाव करना होगा। जो दिन में गर्मी का पीक समय होता है, उस समय काम से जुड़ी गतिविधियों को कुछ घंटों के लिये स्थगित किया जाए। ऐसे सार्वजनिक स्थल बनाये जाएं जहां लोग गर्मी में राहत पा सकें। फसलों के चक्र व किस्मों में बदलाव किया जाए, ताकि फसलें कम बारिश व अधिक तापमान में अधिक उत्पादन कर सकें। इसी तरह घरों की निर्माण शैली में बदलाव हो। छतों व दीवारों पर सफेद पेंट लगाया जाए। दीवारें मोटी बनें और वेंटीलेशन की पर्याप्त व्यवस्था हो। साथ ही खाली जगह व छतों पर हरियाली उगाने के प्रयास हों। जिससे लोगों को घरों में गर्मी कम लगे और हम ए.सी. आदि कृत्रिम उपायों से बच सकें। वर्षा जल संग्रहण व भू-जल स्तर सुधारने के लिये प्रयास हों। साथ ही फलदायक व छायादार वृक्ष लगाए जाएं। अपनी जीवन शैली को प्रकृति के अनुरूप ढाल कर हम इस संकट से बच सकते हैं।

राजधानी में ही जून का औसत तापमान 42 डिग्री से अधिक रहा। साथ ही पेयजल का संकट भी कई बस्तियों में नजर आया। पानी की आपूर्ति को लेकर दिल्ली व हरियाणा के बीच टकराव की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती रहीं। कोर्ट सख्त लहजे में नीति-नियंताओं को मिल-जुलकर पेयजल संकट दूर करने को कहता रहा। फिर दिल्ली में बरसात की पहली बारिश होती है तो आठ दशक का रिकॉर्ड टूट जाता है। जल निकासी की व्यवस्था शर्म से पानी-पानी हो जाती है। सड़कों में तैरते वाहन और दरकती इमारतें व्यवस्था की पोल खोलती रही। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि कल तक जो दिल्ली प्यासी थी वह अचानक बारिश के पानी में क्यों डूबती नजर आई? जाहिर बात है कि मौसम की तीव्रता गर्मी, बरसात और सर्दी में साफ नजर आ रही है। लेकिन हमारी तरफ से इससे मुकाबले के लिये जमीनी प्रयास न के बराबर हैं। दरअसल हुआ यह है कि बारिश के पानी के निकासी के जो प्राकृतिक रास्ते थे, वे कुछ लोगों व बिल्डरों ने कब्जा लिए हैं।

यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा पर होने वाले खर्च को बढ़ा दिया था

कठिन आर्थिक दौर से ब्रिटेन को बाहर निकालने का श्रेय ऋषि सुनक को ही जाएगा

नीरज कुमार दुबे

बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद जब लिज ट्रस ने ब्रिटेन की कमान संभाली थी तो तुरंत ही उन्हें अर्थव्यवस्था की बिगड़ी सेहत का अंदाजा हो गया था और उन्होंने महज 45 दिनों के भीतर ही प्रधानमंत्री पद छोड़ दिया था। उस समय ऋषि सुनक ही अंतिम तारणहार दिखाई पड़ रहे थे। देखा जाये तो ऋषि सुनक ने उस समय प्रधानमंत्री के रूप में कांटों का ताज पहना था क्योंकि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था महामारी के बाद हिचकोले खा रही थी।

ब्रिटेन की जनता ने इस बार के आम चुनाव में सत्ता पलट दी है। महंगाई की सर्वाधिक मार झेलने वाली ब्रिटेन की जनता ने कंजरवेटिव पार्टी को चुनावों में कड़ा सबक सिखाया है जिसके चलते प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को माफी मांगते हुए यह कहना पड़ा है कि मैंने आपके गुस्से और निराशा को महसूस किया है और मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं। वैसे चुनाव के नतीजे जो भी रहे हों लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि ऋषि सुनक ने अपने देश को कठिन आर्थिक परिस्थितियों के दौर से सफलतापूर्वक बाहर निकाला है। बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद जब लिज ट्रस ने ब्रिटेन की कमान संभाली थी तो तुरंत ही उन्हें अर्थव्यवस्था की बिगड़ी सेहत का अंदाजा हो गया था और उन्होंने महज 45 दिनों के भीतर ही प्रधानमंत्री पद छोड़ दिया था। उस समय ऋषि सुनक ही अंतिम तारणहार दिखाई पड़ रहे थे। देखा जाये तो ऋषि सुनक ने उस समय प्रधानमंत्री के रूप में कांटों का ताज पहना था क्योंकि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था महामारी के बाद हिचकोले खा रही थी। महंगाई और ब्याज दरें बढ़ रही थीं। यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा पर होने वाले खर्च को बढ़ा दिया था। मुद्रा बाजार में स्टर्लिंग (ब्रिटेन में प्रचलित मुद्रा) कमजोर दिख रही थी। एक सफल बैंकर और वित्त मंत्री रहे सुनक ने प्रधानमंत्री बनते ही बजट घाटे को काबू में किया, सरकार के खर्चों में कटौती की और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लेकर आये लेकिन वैश्विक संघर्षों के चलते बाधित हुई सप्लाई चेन की वजह से बढ़ती महंगाई को वह नहीं रोक पाये। इसके अलावा चूंकि उनकी पार्टी पिछले लगभग डेढ़ दशक से सत्ता में थी इसलिए ब्रिटेन में इस बार बदलाव की जोरदार लहर चल रही थी जोकि परिणामों में स्पष्ट नजर आ रही है। वैसे ब्रिटेन के आम चुनावों में बदलाव होने वाला है इसके संकेत पिछले साल हुए उपचुनावों में ही मिल गये थे। ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने के बाद से ऋषि सुनक की वैश्विक लोकप्रियता में तो इजाफा हुआ था लेकिन ब्रिटेन में पिछले साल तीन सीटों पर हुए उपचुनाव में उनकी कंजरवेटिव पार्टी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। अब आम चुनावों में कंजरवेटिव पार्टी को अपने इतिहास की सबसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में सवाल खड़ा हुआ है कि क्या सुनक की नीतियां जनता को पसंद नहीं आ रही थीं? सवाल यह भी उठा है कि कंजरवेटिव पार्टी को गलत नीतियों की सजा चुनावों में मिली या पार्टी को एकजुट नहीं होने का खामियाजा भुगतना पड़ा है? सवाल यह भी है कि क्यों कंजरवेटिव पार्टी के नेता और सांसद ही अक्सर विवादों में रह कर सुनक की मुश्किलें बढ़ा रहे थे? इसके अलावा, 14 वर्षों से ब्रिटेन की सत्ता में रही कंजर्वेटिव पार्टी की हालत चुनावों से पहले ही खस्ता नजर आ रही थी क्योंकि कई लोगों ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया था और पार्टी के कई नेता और सलाहकार नई नौकरियों की तलाश में निकल पड़े थे। अब कंजर्वेटिव पार्टी के जो लोग जीत कर आये हैं वह प्रभावी विपक्ष की भूमिका सही से निभा पाएंगे, इसके बारे में विश्लेषकों को संदेह है। माना जा रहा है कि लेबर पार्टी को कुछ वर्षों तक खुली छूट मिली रहेगी। जहां तक चुनाव परिणाम की बात है तो आपको बता दें कि ऋषि सुनक तो चुनाव जीत गये लेकिन उनके मंत्रिमंडल में शामिल पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस और कई कैबिनेट मंत्री पराजित हो गए। सुनक उत्तरी इंग्लैंड में अपनी रिचमंड एवं नॉर्थलेरटन सीट पर 23,059 वोट के अंतर के साथ दोबारा जीत हासिल करने में सफल रहे हैं। लेकिन रक्षा मंत्री ग्रांट शेप्स, न्याय मंत्री एलेक्स चाक और मिशेल डोनेलन जैसे बड़े नेता चुनाव हार गये। ब्रिटेन के आम चुनाव में लेबर पार्टी के बहुमत से काफी ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करते ही ऋषि सुनक ने हार स्वीकार कर ली और लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को बधाई दी। उन्होंने किंग चार्ल्स से मिलकर अपना इस्तीफा उन्हें सौंप दिया। इससे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर प्रधानमंत्री के रूप में देश को आखिरी बार संबोधित करते हुए कहा, ?मैंने देश सेवा में अपना सब कुछ लगा दिया है, लेकिन आपने स्पष्ट संकेत दिया है कि यूनाइटेड किंगडम की सरकार को बदलना होगा और आपका निर्णय ही मायने रखता है। उन्होंने कहा कि मैंने आपके गुस्से, आपकी निराशा को समझा है और मैं इस नुकसान की जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने कहा कि सभी कंजर्वेटिव उम्मीदवारों ने अथक परिश्रम किया, लेकिन सफलता नहीं मिली, मुझे खेद है कि हम आपके प्रयासों के अनुरूप परिणाम नहीं दे सके। वैसे ऋषि सुनक के लिए राहत देने वाली बात यह है कि भारतीय पहचान वाले ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विरासत सुरक्षित रहेगी। भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने से पहले 44 वर्षीय ऋषि सुनक भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश वित्त मंत्री भी थे जिन्होंने घबराई हुई जनता को उसकी आर्थिक स्थिति के बारे में आश्वस्त करने के लिए कई असंभव कार्य किये थे।

दृष्टि कोण

निरंतर संघर्ष की अमिट गाथा

काल निरन्तर गतिमान रहता है और इसके साथ ही इतिहास का चक्र घूमता रहता है। लगभग पन्द्रह सौ साल पहले जम्बूद्वीप के अरब क्षेत्र में एक नए पंथ का उदय हुआ। यह पंथ दुनिया भर में अपना साम्राज्य तो स्थापित करना ही चाहता था, लेकिन उसके साथ-साथ विजित प्रदेशों के चिन्तन, दर्शन, विरासत को समाप्त कर इस्लाम पंथ के आधार पर उदय हो रही नव अरब संस्कृति को थोपना चाहता था। इसको वह 'जिहाद' कहता था। आसपास के अनेक देश अरबों के इस जिहाद के शिकार हो गए। कुछ भाग कर भारत में आ गए। मध्य एशिया भी इसकी जद में आ गया। उसके बाद अफगानिस्तान भी इसका शिकार हुआ। तुर्क, बलूचों और पश्तूनों ने मुकाबला तो डट कर किया, लेकिन नियति शायद अरबों के पक्ष में थी। तुर्कों और पश्तूनों को भी अरबों के आगे झुकते हुए मतान्तरित होना पड़ा। मध्य एशिया के कबीले चाहे मतान्तरित हो गए थे, लेकिन इस्लाम पंथ उनको एक नहीं कर सका। वे एक-दूसरे के राज्यों को हथियाने के लिए आपस में युद्ध करते रहते थे। तुर्कों ने तो इस्लाम के खलीफा कहे जाने वाले अरबों को भी अपने अधीन कर लिया। भारत भी अरबों के नव मजहबी जुनून से बच नहीं सका। अरबों ने 712 ईस्वी से ही भारत पर आक्रमण करने शुरू कर दिए थे। पहला आक्रमण सिन्ध क्षेत्र पर हुआ था। कालान्तर में इन्हीं मतान्तरित तुर्कों ने सप्त सिन्धु क्षेत्र से ही भारत पर हमले शुरू कर दिए। 1200 के आसपास दिल्ली पर इनका कब्जा हो गया। आक्रमण का रास्ता सप्त सिन्धु-पंजाब क्षेत्र से होकर ही गुजरता था। इसी क्षेत्र में महर्षि वाल्मीकि का अनुयायी वाल्मीकि समाज बड़ी संख्या में रहता था और अब भी है। इन हमलावरों का मुकाबला करने वालों में इस वाल्मीकि समाज की भी प्रमुख भूमिका थी। लेकिन विजय अन्ततः अरबों, तुर्कों और मुगलों की ही हुई। बहुत से समुदाय झुक गए, लेकिन वाल्मीकि समाज नहीं झुका। इसलिए उसे शासन के प्रकोप का शिकार तो होना ही था। शासन ने उनकी आजीविका के सारे रास्ते बन्द कर दिए। वे दर-बदर हो गए। स्टेनले राइस अपनी पुस्तक 'हिंदू कस्टम्स एंड देयर ऑरिजिन' में लिखते हैं कि, 'अछूत मानी जाने वाली जातियों में प्रायः वे जातियां भी हैं, जो विजेताओं से हारीं और अपमानित हुई तथा जिनसे विजेताओं ने अपने मनमाने काम करवाए।' जाहिर है वाल्मीकि समाज भी उसी में शामिल था। लेकिन महर्षि वाल्मीकि में उनकी आस्था अटल रही। इस भयंकर कालरात्रि में भी वे वाल्मीकि महाराज का रास्ता त्याग कर अरबों-तुर्कों के इस्लाम के रास्ते पर नहीं गए। हिन्दी के प्रख्यात उपन्यासकार अमृतलाल नागर ने वाल्मीकि समाज को लेकर प्रसिद्ध उपन्यास 'नाच्यौ बहुत गोपाल' लिखा था। इस उपन्यास के लिए वे लखनऊ में वाल्मीकि बस्तियों में, जिन्हें वहां मेहतर या भंगी भी कहा जाता है, बहुत घूमे थे। तब निष्कर्ष रूप में उन्होंने कहा, 'काम करते हुए क्रमशः मुझे अनुभव होने लगा कि भंगी कोई जाति नहीं है।' अमृतलाल नागर ने अपने अध्ययन में गाजीपुर के देवदत्त शर्मा चतुर्वेदी की पुस्तक 'पतित प्रभाकर अर्थात मेहतर जाति का इतिहास' की चर्चा की है। इसे 1931 में पंडित चिन्तामणि वाल्मीकि के पितामह वंशीराम राऊत मेहतर ने प्रकाशित करवाया था। इसमें भंगी, मेहतर, खरिया, चूहड इत्यादि तथाकथित जातियों के गोत्र दिए गए हैं, जो हिन्दुओं के अन्य समुदायों के नामों के ही हैं। विदेशी शासन ने वाल्मीकि समाज को प्रताड़ित तो किया ही, उन्हें शिक्षा से भी वंचित कर दिया। 'नाच्यौ बहुत गोपाल' का ही एक पात्र इतिहास के इस पन्ने को उघाड़ता हुआ कह रहा है, 'हमारे एक बुजुर्ग ने हमें बतलाया था कि हम लोग भी कोई सदा के मेहतर नहीं थे, क्षत्री थे। गोरी गजनी के बादशाह से लड़ाई में हार गए। वह हमें पकड़ कर ले गया। हमारी औरतें हमसे छीन लीं। उनका धरम बदल दिया। हमसे भी कहा कि अपना दीन-धरम छोडक़र हमारे मजहब में आ जाओ। हमने कहा कि हम अपना धरम हरगिज हरगिज नहीं छोड़ेंगे। बादशाह ने गुस्से होके कहा कि नहीं छोड़ोगे तो तुम्हें हमारा मल मूत्र उठाना पड़ेगा। हमने यह काम मंजूर कर लिया, लेकिन अपना धरम नहीं छोड़ा।' डा. भीमराव रामजी अंबेडकर ने भी कहा है कि जनजातियों की परस्पर लड़ाइयों में जो अपनी जनजाति से बिछुड़ गए, उन्हें किसी दूसरी जनजाति की बसाहत में रहने का आश्रय तो मिला, लेकिन रहना गांव के बाहर पड़ा। बाद में यही लोग गांववालों के लिए अछूत मान लिए गए। अंबेडकर इन्हें 'ब्रोकन मैन' कहते हैं। नागर भी इसी की व्याख्या करते प्रतीत होते हैं। वे लिखते हैं, 'बिखरे हुए कबीलों के कमजोर लोग भी दास-दासीवत समझे जाते थे, जिनका खानपान प्रचलित समाज के खानपान से अलग होता था। ऐसे लोगों को नैतिक और सामाजिक दृष्टि से बाद में अस्पृश्य माना जाने लगा और मुगलों-तुर्कों के समय में यह विजित-विजेता दम्भ-संघर्ष की पुरानी परम्परा में तेजी से बढ़ोतरी हुई। पहले शहरी घरों में अधिकांश संडासें ही बनं थीं। किलों में ऐसे शौचालय बनते थे जो पानी से ही स्वच्छ किए जाते थे, उन्हें कमाना नहीं पड़ता था। शहरों में कमाने वाले पाखाने गुलामों की बढ़ोतरी के अनुपात में बढ़े।

कुछ अलग

आना मानसून का समय पर...

इन दिनों राजनीतिक हलकों में इस बात को लेकर काफी चिंता है कि इस बार मानसून समय पर आ रहा है। गोया मानसून को समय पर नहीं आना चाहिए और यदि आए भी तो सरकारी स्वीकृति से आए, वरना मानसून की कोई जरूरत ही नहीं है। पार्टी कार्यकर्ता से लेकर मंत्री-मुख्यमंत्री सब परेशान हैं कि मानसून समय पर क्यों आ रहा है। मानसून आ गया तो अकाल और सूखे का क्या होगा? मुख्यमंत्री मिले तो मैंने कहा-'लीजिए साब, इस बार मानसून समय पर आ रहा है!' मुख्यमंत्री बौखला गए-'यह क्या कह रहे हो। इस देश में कुछ भी समय पर नहीं हो रहा, फिर यह मानसून मरा समय पर क्यों आ रहा है। कुछ करो यार, मानसून को टालने के उपाय।' मैं बोला-'जनता मानसून लाने के लिए हरिकीर्तन कर रही है और आप उसे टालना चाहते हैं। मेरी समझ में नहीं आता, आप इतने परेशान क्यों हैं मानसून से। मानसून का समय है तो वह आएगा ही।' मुख्यमंत्री के चेहरे पर निराशा के बादल छा गए, आंखों में उदासी की घटाएं घुमड़ीं। वे बोले-'सच तो यह है कि केन्द्र सरकार को नब्बे करोड़ की सहायता के लिए कहा हुआ है। वर्षा आ गई तो भला यह राशि कैसे मिलेगी? राहत सामग्री का वितरण पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अनिवार्य है। जहां तक असंतुष्टों का सवाल है, सूखे व अकाल के बहाने वे भी मंत्री बने, इस सूखे-अकाल के सहारे चुप्पी साधे हुए हैं। मानसून आते ही सब सिर उठा लेंगे।' 'तब तो वाकई चिंता की बात है। मानसून आने से राजनीतिक अस्थिरता बढने वाली है तो राष्ट्रीय अशांति का खतरा है। हमें इस दिशा में वैज्ञानिकों का सहयोग लेना चाहिए।' मैंने कहा। मुख्यमंत्री बोले-'वैज्ञानिकों का कोई दोष नहीं है। वे तो अच्छा कॉपरेट कर रहे हैं। देख नहीं रहे पिछले तीन दशक में मौसम व पर्यावरण किस कदर बदल गए हैं। पर्याप्त वर्षा के स्थान पर बूंदा-बांदी हो रही है। फिर वर्षा वहां हो रही, जहां इसकी जरूरत नहीं है।' 'ऐसा नहीं हो सकता कि वर्षा जोरों से आए और बाढ़ आ जाए?' 'हां-फिर वर्षा आए तो इतनी जोरों से कि बाढ़ से जनजीवन त्रस्त हो जाए। बाढ़-राहत का कार्य भी ऐसा ही है, जिसमें सारा मंत्रिमंडल उनके अमचों-चमचों सहित व्यस्त रहता है।' मुख्यमंत्री ने कहा। मैं बोला-'सच तो यह है मुख्यमंत्री जी कि मानसून को समय पर नहीं आना चाहिए।' 'लेकिन करें क्या?' तभी वहां मंत्री जी आ धमके और सिर लटकाकर मुख्यमंत्री जी से बोले-'आज का पेपर पढ़ा आपने?' 'हां-पढ़ा है। इस बार मानसून समय पर आ रहा है।' 'हमें क्या करना है?' 'कार्यकर्ताओं से कहो कि जल्दी बाढ़ राहत शुरू करवाएंगे। बाढ़ आए या नहीं, हम केवल सामान्य वर्षा को भी जल प्लावन में तब्दील कर देंगे।' 'लेकिन एक प्राब्लम है, सूखे-अकाल में जो थोड़े-बहुत काम हुए हैं, वे बह जाएंगे।' 'आप कमाल करते हैं। फिजूल की चिंता करते हैं। असली चिंता तो यह है कि राहत की कटौती हो जाएगी। चुनाव नजदीक हैं। बैंक बैलेंस नहीं बनाया तो कौन टिकट देगा और कौन वोट! तुम्हें पता होना चाहिए हमारे आलाकमानों ने स्विस बैंकों में करोड़ों के खाते खोले हैं और हम अभी लाखों भी नहीं कमा सके कि मानसून समय पर आ गया।' मैं बोला-'तो हो क्या गया। अगली बार विलंब से आ जाएगा मानसून, फिर कमा लेना।' मंत्री बोले-'कब मुख्यमंत्री बदल जाएं और पुनर्गठन में कब हमारा पत्ता साफ हो जाए, कह नहीं सकते। समय कम है और काम ज्यादा। ऐसे हालात में मानसून का समय पर आना मुनासिब नहीं है।'

देश दुनिया से

खिलाड़ियों को नौकरी नहीं तो वजीफा तो दो

करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा कर कोई भी कैम्पर 400 मीटर की व्यक्तिगत स्पर्धा में क्वालीफाई नहीं कर पाया है और दूसरी तरफ किसी सरकारी सहायता के बगैर मुश्किलों में किरण का यह प्रदर्शन सोचने पर मजबूर कर रहा है कि सरकारें प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सीधा वजीफा क्यों नहीं दे सकती हैं। हिमाचल प्रदेश के कुछ एथलीट हैं जो 2026 की एशियाई खेलों में देश के लिए खेल कर पदक दे सकते हैं। उनमें सावन, अंकेश और दिनेश सेना व सीमा भी राष्ट्रीय कैंप में रह कर राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दूसरी तरफ कुछ उभरते हुए जूनियर एथलीट हैं जो अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

ओलंपिक 2024 के लिए हुए अंतिम क्वालीफाई चैंपियनशिप में हरियाणा की किरण ने चार सौ मीटर की दौड़ को 50.92 सेकंडों में पूरा कर पेरिस का टिकट कटवा लिया है, मगर जो इंटरव्यू में उसने कहा, वो देश में खेलों के ठेकेदारों यानी साई व खेल संघों के लिए शर्मनाक है। एक तरफ करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा कर कोई भी कैम्पर 400 मीटर की व्यक्तिगत स्पर्धा में क्वालीफाई नहीं कर पाया है और दूसरी तरफ किसी सरकारी सहायता के बगैर मुश्किलों में किरण का यह प्रदर्शन सोचने पर मजबूर कर रहा है कि सरकारें प्रतिभाशाली खिलाडियों को सीधा वजीफा क्यों नहीं दे सकती हैं। हिमाचल प्रदेश के कुछ एथलीट हैं जो 2026 की एशियाई खेलों में देश के लिए खेल कर पदक दे सकते हैं। उनमें सावन, अंकेश और दिनेश सेना व सीमा भी राष्ट्रीय कैंप में रह कर राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दूसरी तरफ कुछ उभरते हुए जूनियर एथलीट हैं जो अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। माता कामाख्या के आंचल में असम की राजधानी गोहाटी में आयोजित खेलो इंडिया अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स में राजकीय महाविद्यालय मंडी की धाविका कुसुम ठाकुर ने सौ मीटर की फर्राटा दौड़ में रजत व दो सौ मीटर में स्वर्ण पदक जीत कर हिमाचल का नाम रोशन किया है। हमीरपुर के सरकारी महाविद्यालय की धाविका प्रिय ठाकुर ने चार सौ मीटर की दौड़ में कांस्य पदक जीता है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की चार गुणा चार सौ मीटर दौड़ में भी लड़कियों ने कांस्य पदक जीता है। तेज गति की दौड़ों में हिमाचल के खिलाडियों का प्रदर्शन पहले कमजोर ही रहा है। यह अलग बात है कि पुष्पा ठाकुर ने जरूर इस मिथक को तोड़ कर भविष्य के एथलीटों को राह दिखाई है। मानव शरीर ईश्वर द्वारा बनाई गई बहुत ही अद्भुत मशीन है। इसे चलाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमें एटीपी से लेकर सीपीए लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल तक पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम एक उम्र तक विकास होता है। ओलंपिक खेलों में विभिन्न खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। सौ मीटर की दौड़ का अद्भुत रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्परिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा गया है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है, वहीं बहुत अधिक स्पीड इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को आसानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पड़ता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्परिंटर पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्परिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिक हैं, मगर गेहूं, दूध व उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है। यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय-समय पर अच्छे स्परिंटर मिलते रहते हैं। हिमाचल प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ही एकमात्र धाविका है जो हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर में पदक विजेता है। एशिया व ओलंपिक खेलों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंचने वाली इस धाविका के बाद अभी तक कोई भी पुरुष या महिला हिमाचल प्रदेश के लिए वरिष्ठ राष्ट्रीय स्तर पदक जीत नहीं पाया है। भविष्य में उभरते हुए कुसुम, प्रिय व मनीषा आदि तेज गति के एथलीट हैं जिनको वजीफे की बहुत जरूरत है। इनके पास नौकरी नहीं है। सामान्य परिवारों से इनका संबंध है, जो इतना खर्च नहीं कर सकते हैं। लंबी दूरी की दौड़ों में हिमाचल का इतिहास अच्छा रहा है। सुमन रावत 1982 एशियाड में तीन हजार मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर अर्जुन अवार्डी है। स्वर्गीय कमलेश व अमन सैनी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

आप का नजरिया

प्राकृतिक संसाधनों का तार्किक उपयोग ही पर्यावरण संकट का समाधान

प्रकृति के साथ छेड़छाड़ आज समूची दुनिया के लिए भयावह खतरे का सबब बन चुकी है। तापमान में वृद्धि, मौसम में बदलाव और जलवायु परिवर्तन इसके जीवंत प्रमाण हैं। इन प्रकोपों से दुनिया त्राहि-त्राहि कर रही है। इस सबके पीछे मानवीय गतिविधियां जिम्मेदार हैं जिसने दुनिया को तबाही के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। दुनिया में जिस तेजी से पेड़ों की तादाद कम होती जा रही है, हकीकत में उससे पर्यावरण तो प्रभावित हो ही रहा है, पारिस्थितिकी, जैव विविधता, कृषि और मानवीय जीवन ही नहीं, बल्कि भूमि की दीर्घकालिक स्थिरता पर भी भीषण खतरा पैदा हो गया है। विश्व बैंक ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से संबंधित रिपोर्ट में कहा है कि पर्यावरण प्रदूषण के चलते हो रही तापमान में बढ़ोतरी के लिए दैनंदिन घटती जैव विविधता और मानवीय गतिविधियां सबसे अधिक जिम्मेदार हैं। जैव विविधता घटने की वजह से धरती लगातार गर्म होती जा रही है जिससे अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड के साथ-साथ दुनिया में तीसरे सबसे अधिक बर्फ के भंडार माने जाने वाले कनाडा के ग्लेशियर संकट में हैं। इनके पिघलने से इस सदी के अंत तक दुनिया भर के समुद्र के जलस्तर में बढ़ोतरी हो जायेगी जिससे दुनिया के समुद्र तटीय बड़े शहरों के डूबने का खतरा बढ़ जायेगा। गौरतलब है कि प्रकृति मनुष्य की भोजन, पानी, साफ हवा, औषधि सहित जीवन की कई मूलभूत जरूरतों की पूर्ति करती है। लेकिन हमने भौतिक सुखों की चाह में प्रकृति के साथ छेड़छाड़ की जिसके कारण पर्यावरण तो बिगड़ा ही, जंगल, जीव और मनुष्य के बीच की दूरियां भी कम होती चली गयीं। दुनिया के वैज्ञानिक बार-बार कह रहे हैं कि इंसान जैव विविधता के खात्मे पर आमादा है। जबकि जैव विविधता का संरक्षण हमें बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समृद्ध जैव विविधता हमारे अस्तित्व का आधार है। यदि वनों की कटाई पर अंकुश नहीं लगा तो प्रकृति की लय बिगड़ जायेगी और उस स्थिति में वैश्विक स्तर पर तापमान में दो डिग्री की बढ़ोतरी को रोक पाना बहुत मुश्किल हो जायेगा। ऐसी स्थिति में सूखा और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम से आर्थिक हालात और भी प्रभावित होंगे जिसकी भरपायी आसान नहीं होगी। अमेरिका की ए एंड एम यूनिवर्सिटी स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ के एक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि पेड़-पौधों की मौजूदगी लोगों को मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होती है। अध्ययन में कहा गया है कि हरियाली के बीच रहने वाले लोगों में अवसाद की आशंका बहुत कम पायी गयी है। जैव विविधता न सिर्फ हमारे प्राकृतिक वातावरण के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि ऐसे वातावरण में रहने वाले लोगों के मानसिक कल्याण के लिए भी उतनी ही अहम है। बीते दो दशकों में समूची दुनिया में 78 मिलियन हेक्टेयर यानी 193 मिलियन एकड़ पहाड़ी जंगल नष्ट हो गये हैं। जबकि पहाड़ दुनिया के 85 फीसदी से ज्यादा पक्षियों, स्तनधारियों और उभयचरों के आश्रय स्थल हैं।

14 साल नीदरलैंड के पीएम रहे मार्क रट, सत्ता सौंपी, हाथ मिलाया और साइकिल पर विदा, अब बनेंगे नाटो महासचिव

नीदरलैंड, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

सादगी हो तो ऐसी। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रट इन दिनों काफी चर्चा में हैं। निवर्तमान प्रधानमंत्री रट ने हेग स्थित अपने कार्यालय से अनोखे अंदाज में साइकिल चलाकर पीएमओ से विदाई ली। 14 साल के कार्यकाल के बाद रट ने प्रधानमंत्री का पदभार पूर्व खुफिया प्रमुख डिक शूफ को सौंप दिया है। शूफ को राजा विलेम-अलेक्जेंडर की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई गई। रट अब नाटो के नए महासचिव के रूप में कार्यभार संभालेंगे। भारत की पूर्व आईपीएस अधिकारी और पुडुचेरी की गवर्नर रह चुकीं किरन बेदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में नीदरलैंड (डच) के पूर्व प्रधानमंत्री की साइकिल चलाकर पीएम हाउस से विदाई लेते हुए वीडियो को शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 14 वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद पूर्व डच प्रधानमंत्री मार्क रट ने अपने उत्तराधिकारी डिक शूफ को आधिकारिक रूप से सत्ता सौंपने की रस्म पूरी करने के बाद बेहद सादगी से प्रधानमंत्री कार्यालय छोड़ा। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में रट साइकिल चलाते हुए ऑफिस से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि उनके स्टाफ के सदस्य हाथ हिलाकर उनका उत्साहवर्धन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय से रट जब साइकिल से अपने घर जा रहे थे तो वहां मौजूद मीडियाकर्मी उनकी फोटो और वीडियो बनाते हुए नजर आए। नाटो के महासचिव की जिम्मेदारी संभालेंगे करीब डेढ़ दशक तक नीदरलैंड का नेतृत्व करने के बाद रट अब अपने अनुभव के साथ ब्रसेल्स जाएंगे, जहां वे इस वर्ष के अंत में नाटो के नए महासचिव के रूप में कार्यभार संभालेंगे। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने बीते महीने मार्क रट को अपना अगला महासचिव नियुक्त किया था। यूक्रेन में युद्ध तेज होने के बीच यूरोपीय सुरक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय में वे विश्व के सबसे बड़े सैन्य सुरक्षा संगठन का प्रभार संभालेंगे। गौरतलब है मार्क रट जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत दौरे पर आए थे। इस दौरान पीएम मोदी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया था। शिखर सम्मेलन में बाइडन करेंगे स्वागत नाटो के राजदूतों ने ब्रसेल्स में 32 सदस्यीय इस गठबंधन के मुख्यालय में एक बैठक के दौरान रट की नियुक्ति पर अंतिम मुहर लगाई थी।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने चुनाव पर उठाए सवाल, नए ईरानी राष्ट्रपति बोले- पश्चिमी देशों से बढ़ाएंगे संपर्क

तेहरान / न्यूयॉर्क। ईरान के नए राष्ट्रपति और सुधारवादी नेता पेजेशकियान ने कहा है कि वे पश्चिमी देशों के साथ संपर्क बढ़ाने का प्रयास करेंगे। हालांकि, अमेरिका ने ईरान में कराए गए चुनाव पर सवाल खड़े किए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक ईरान का राष्ट्रपति चुनाव 2024 निष्पक्ष नहीं रहा है। अमेरिका ने ईरान के राष्ट्रपति चुनाव की आलोचना करते हुए कहा कि यह न तो स्वतंत्र है और न ही निष्पक्ष। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि वह तेहरान के साथ कूटनीति जारी रखेगा, लेकिन तभी जब ईरान अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाएगा। बयान में आगे कहा गया कि हमें उम्मीद नहीं है कि इन चुनावों से ईरान की दिशा में कोई मौलिक परिवर्तन होगा। इससे मानवाधिकारों पर इस्लामी गणराज्य के रुख में कोई बदलाव नहीं आएगा। जैसा कि पेजेशकियन ने खुद कहा है कि ईरानी नीति सर्वोच्च नेता द्वारा निर्धारित की जाती है। अमेरिका ने कहा कि चुनावों का ईरान के प्रति हमारे दृष्टिकोण पर भी कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा। ईरान के व्यवहार के बारे में हमारी चिंताएं अपरिवर्तित हैं नए राष्ट्रपति ने बताई अपनी भावी नीति; पश्चिमी देशों से संपर्क पर भी बोले ईरान के राष्ट्रपति चुनाव में शानदार जीत दर्ज करने के बाद राष्ट्रपति बने पेजेशकियान ने कहा है कि उनका जोर पश्चिमी देशों से संपर्क करने पर रहेगा। सुधारवादी नेता की छवि रखने वाले पेजेशकियान ने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा, इस्लामी गणराज्य ईरान पर कई वर्षों से प्रतिबंध लगे हैं। विरोध प्रदर्शनों के बाद देश को अनिवार्य हेडस्कार्फ़ कानून (हिजाब) के कारण भी आलोचना झेलनी पड़ी है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में वे अपने कार्यकाल के दौरान हिजाब कानून को लागू करने के तरीकों को आसान बनाने का वादा करना चाहते हैं। ईरान के नए राष्ट्रपति को कट्टरपंथी नेताओं से जूझना पड़ेगा पेजेशकियन ने अपने अभियान के दौरान ईरान के शिया धर्मतंत्र में कोई आमूलचूल परिवर्तन नहीं करने का वादा भी किया। उन्होंने कहा, लंबे समय से देश के सभी मामलों में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई अंतिम मध्यस्थ माना जाता रहा है।

सरकारी कर्मचारियों को झटका, इस साल वेतन में नहीं होगी एक और वृद्धि विक्रमसिंघे ने साफ की स्थिति

कोलंबो। विक्रमसिंघे ने अर्थव्यवस्था को लेकर जारी तनाव को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि पिछले

कार्यक्रमों में बढ़े हुए लाभ और भत्ते प्रदान करने से अतिरिक्त धन की कमी हुई है। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों का इस कोई वेतन नहीं बढ़ाया जाएगा। उन्होंने आगाह किया कि उचित योजना के बिना वेतन को बढ़ाने से राष्ट्रपति और आम चुनावों से पहले सरकार कमजोर हो सकती है। फिर से चुनाव लड़ने की उम्मीद 75 वर्षीय विक्रमसिंघे राष्ट्रपति पद के लिए फिर से चुनाव लड़ने की उम्मीद है। उन्होंने अर्थव्यवस्था को लेकर जारी तनाव को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि पिछले कार्यक्रमों में बढ़े हुए लाभ और भत्ते प्रदान करने से अतिरिक्त धन की कमी हुई है। अश्वसुमा कार्यक्रम पर बात की विक्रमसिंघे ने श्रीलंका में 10,000 रुपये की वेतन वृद्धि और अश्वसुमा कार्यक्रम के तहत लागू किए गए अतिरिक्त लाभों पर प्रकाश डाला। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने राजकोषीय जिम्मेदारी की आवश्यकता पर बल दिया तथा आगाह किया कि उचित योजना के बिना वेतन में और वृद्धि करने से सरकार कमजोर हो सकती है।

पापुआ न्यू गिनी के पेट्रोलियम मंत्री गिरफ्तार, महिला से मारपीट का आरोप

पोर्ट मोरेस्बी। सिडनी पुलिस ने पापुआ न्यू गिनी की सरकार के पेट्रालियम मंत्री को गिरफ्तार किया है। उन पर घरेलू विवाद का आरोप लगाया गया। हालांकि उन्हें जमानत दे दी गई है, लेकिन अदालत में पेश होने को कहा गया है। पापुआ न्यू गिनी के पेट्रोलियम मंत्री जिमी मालाडिना को सुबह बोंडी में घरेलू हमले के आरोप में गिरफ्तार किया गया। दरअसल, लगभग 10 बजे बोंडी के इंपीरियल एवेन्यू स्थित एक पते पर पुलिस को बुलाया। यहां पुलिस को 31 वर्षीय महिला मिली, जिसके चेहरे पर चोटें थीं। पुलिस को बताया गया कि 58 वर्षीय परिचित व्यक्ति के साथ झगड़े के बाद आई। उसे गिरफ्तार किया गया। उसे वेवरले पुलिस स्टेशन ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि उस मालाडीना पर शारीरिक क्षति पहुंचाने के आरोप में मुकदमा चलाया जा रहा। ऑस्ट्रेलिया पुलिस का कहना है कि प्राकृतिक गैस परियोजना पर चल रही अंतरराष्ट्रीय वार्ता में महत्वपूर्ण भूमिका में रहे।

जंग के बीच हमास का रुख नरम, बिना शर्त स्थायी युद्ध विराम के लिए बातचीत को तैयार

यरुशलम, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

हमास और इजराइल बीते नौ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर देशभर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस बीच, हमास का रुख कुछ नरम होता दिख रहा है। वह किसी भी समझौते पर पहुंचने से पहले इजराइल पर लगातार स्थायी युद्धविराम के लिए दबाव डालने की अपनी जिद पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार है।

अस्थायी युद्ध विराम पर बातचीत को तैयार

गाजा में युद्ध विराम तक पहुंचने के लिए चल रहे प्रयासों में यह बयान एक महत्वपूर्ण पल है। हमास लगातार कई मांगे रखता आ रहा है। हालांकि अब वह बिना किसी शर्त के एक अस्थायी युद्ध विराम पर बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है।

छह सप्ताह तक हो सकती है वार्ता

हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि संशोधित दृष्टिकोण से समझौते के प्रारंभिक चरण के दौरान स्थायी युद्धविराम पर बातचीत जारी रखने की अनुमति मिल जाएगी, जिसके छह सप्ताह तक चलने की उम्मीद है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मध्यस्थ अस्थायी युद्धविराम के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेंगे, गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने में सुविधा प्रदान करेंगे, तथा वार्ता जारी रहने तक इजराइली सैनिकों की वापसी की निगरानी करेंगे।

मसौदे में कहा गया है कि 16वें दिन से पहले, इस समझौते के दूसरे चरण के कार्यान्वयन की शर्तों को अंतिम रूप देने के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू हो जाएगी। पहले चरण के पांचवें सप्ताह के अंत से पहले यह बातचीत पूरी हो जानी चाहिए।

कतर में हो रहीं बैठक

हमास के रुख में यह बदलाव कतर में इजराइल और हमास के प्रतिनिधियों के बीच फिर से शुरू हुई वार्ता के बीच आया है। बता दें, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से व्यापक समझौते पर मध्यस्थता के उद्देश्य से विस्तृत चर्चा करने की अनुमति मिलने के बाद यह बातचीत फिर से शुरू हुई।

एक रिपोर्ट के अनुसार, मोसाद के निदेशक डेविड बार्निया ने मध्यस्थों से मिलने तथा युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई को शामिल करते हुए संभावित नए समझौते की शर्तों पर चर्चा करने के लिए कतर की यात्रा की। वहीं एक इजराइली मसौदा प्रस्ताव का विवरण स्थानीय मीडिया में सामने आया है। इसमें एक तय समय सीमा के भीतर बातचीत शुरू करने के प्रावधान शामिल हैं। हालांकि, इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की पुष्टि करने से परहेज किया है।

हमास और इजराइल के बीच एक समझौते को सुरक्षित करने के प्रयासों को हाल के महीनों में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। नेतन्याहू पर इजराइली बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए दक्षिणपंथी मंत्रियों और बंधकों के परिवारों सहित विभिन्न क्षेत्रों से दबाव है।

यह है मामला

हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 37000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

जो बाइडन की राह मुश्किल, दानदाताओं ने धमकी दी- उम्मीदवारी की रेस में बने रहे तो फंडिंग बंद कर देंगे

वाशिंगटन, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में चार महीने का ही समय बाकी है, लेकिन डेमोक्रेट पार्टी अपने उम्मीदवार को लेकर दुविधा में है। दरअसल पार्टी में जो बाइडन को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने के खिलाफ उठे स्वर थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। हालांकि बाइडन ने साफ किया है कि वही रेस में हैं, लेकिन अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स की मानें तो पार्टी के भीतर जो बाइडन के विकल्पों पर विचार शुरू हो गया है। खासकर बीते दिनों अटलांटा में हुई पहली बहस के बाद तो बाइडन की बढ़ती उम्र की चर्चा फिर से तेज हो गई है।

कई दानदाताओं ने दी फंडिंग रोकने की धमकी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डेमोक्रेट पार्टी के कई प्रमुख दानदाताओं ने धमकी दी है कि अगर जो बाइडन राष्ट्रपति पद की रेस में बने रहे तो वे फंडिंग रोक देंगे। डेमोक्रेट पार्टी के एक नेता एंजी क्रेग ने कहा है कि मुझे नहीं लगता कि राष्ट्रपति प्रभावी ढंग से चुनाव प्रचार कर सकते हैं और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जीत सकते हैं। सदन के अल्पसंख्यक नेता हकीम जेफ्रीज ने डेमोक्रेट प्रतिनिधियों की एक वर्चुअल बैठक निर्धारित की है। वहीं डेमोक्रेट सीनेटर मार्क वार्नर ने ऊपरी सदन में भी इसी तरह की एक बैठक आयोजित की है। इन बैठकों में जो बाइडन की उम्मीदवार पर कोई फैसला हो सकता है।

कमला हैरिस के नाम की चर्चा शुरू

उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम की भी चर्चा है कि वह जो बाइडन की जगह राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी पेश कर सकती हैं। डेमोक्रेट पार्टी के भीतर ही एक वर्ग इसका समर्थन कर रहा है। हालांकि खुद कमला हैरिस और उनकी प्रचार टीम ने सार्वजनिक रूप से बाइडन का समर्थन किया है। जो बाइडन ने भी एक हालिया कहा कि पहली बहस के दौरान उनके खराब प्रदर्शन की वजह उनकी तबीयत की खराबी थी और साथ ही उन्होंने कहा कि वह एक बुरी रात थी।

उन्होंने कहा कि अगर सर्वशक्तिमान भगवान नीचे आकर कहें कि राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर हो जाओ, तो मैं दौड़ से बाहर हो जाऊंगा, लेकिन भगवान नीचे नहीं आ रहे हैं।

इंडोनेशिया में आतंकी संगठन जेआई में टूट से बढ़ी सिंगापुर की चिंता, कहा- खतरनाक इकाइयों का खतरा बढ़ा

सिंगापुर, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

इंडोनेशिया में आतंकवादी समूह जेमाह इस्लामिया (जेआई) के टूटने पर सिंगापुर के गृह मंत्रालय ने चेतावनी दी है। उन्होंने जेआई के टूटने से आने वाले समय में खतरनाक इकाइयों के उभरने के खतरे को लेकर सतर्क किया है। आतंकवादियों के लिए एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बना देश मंत्रालय ने कहा कि बहुजातीय सिंगापुर, जो वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनियों का केंद्र है, दक्षिण-पूर्व एशिया में आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ हमेशा सतर्क और चौकस रहता है। उसने चेतावनी दी है कि सिंगापुर में आतंकवाद का खतरा बना हुआ है और देश आतंकवादियों के लिए एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बना हुआ है। जनता से सतर्क रहने की अपील सिंगापुर के गृह मंत्रालय ने जनता से सतर्क रहने को कहा। वहीं, किसी संदिग्ध गतिविधियों का पता चलने पर पुलिस या आंतरिक सुरक्षा विभाग से तुरंत संपर्क करने का आग्रह किया। साथ ही कहा कि इंडोनेशिया के आतंकवादी समूह जेमाह इस्लामिया का ही दक्षिण पूर्व एशिया के कुछ सबसे घातक हमलों के पीछे हाथ है। 2002 में बाली पर किया था

हमला बता दें, अमेरिका द्वारा आतंकवादी ग्रुप घोषित जेमाह इस्लामिया एक अल-कायदा से जुड़ा ग्रुप है। इसका मकसद इंडोनेशिया और पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में एक कट्टरपंथी इस्लामी राज्य स्थापित करना है। इस आतंकवादी समूह ने 2002 में इंडोनेशिया के बाली द्वीप पर बम विस्फोट कर 202 लोगों की जान ले ली थी। इस विस्फोट मरने वाले ज्यादातर विदेशी पर्यटक थे। मंत्रालय ने आगे कहा, सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से दक्षिण पूर्व एशिया में इस्लामी खलीफा की स्थापना के लक्ष्य सहित जेआई की कट्टरपंथी विचारधाराओं का कुछ समूहों और व्यक्तियों के बीच अपील जारी रहने की संभावना है।

नासा के मंगल की तर्ज पर बने घर में चार वैज्ञानिकों ने बिताए 378 दिन, बाल बिखरे और चेहरे पर मुस्कान...

वॉशिंगटन, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

नासा मंगल ग्रह पर मानव अन्वेषण की तैयारी कर रहा है। इसी के लिए एक खास घर बनाया गया था। ह्यूस्टन के जॉनसन स्पेस सेंटर में इसे तैयार किया गया था। इस घर को मंगल ग्रह के हालात जैसा बनाया गया था।

मंगल ग्रह पर इंसानों को बसाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। अगर सब कुछ सही रहा तो अगले सात साल यानी 2030 तक वहां पर इंसानों को भेजा जाएगा। मंगल ग्रह पर इंसान कैसे रह पाएंगे, इसी को लेकर एक ट्रायल किया गया था। इसके लिए नासा ने चार लोगों को चुना था, जिसमें कनाडाई जीवविज्ञानी केली हेस्टन भी शामिल थीं। अब एक साल बाद नासा के अंतरिक्ष यात्री एक अनोखा अनुभव करके वापस आ चुके हैं।

तालियों की गड़गड़ाहट से माहौल गूंजा

नासा के एक अंतरिक्ष यात्री ने एक दरवाजे के पीछे से तीन बार जोर से पूछा कि क्या आप बाहर आने के लिए तैयार हैं उनका उत्तर तब साफ

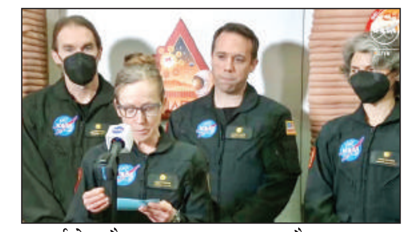

सुनाई देता है, जब दरवाजा खुलता है। दरअसल, नासा के चार वैज्ञानिक एक साल तक इंसानी संपर्क से दूर रहकर वापस लौट आए हैं। उनके आते ही तालियों की गड़गड़ाहट से माहौल गूंज उठता है।

मंगल ग्रह जैसा घर

बता दें, नासा मंगल ग्रह पर मानव अन्वेषण की तैयारी कर रहा है। इसी के लिए एक खास कमरा बनाया गया था। ह्यूस्टन के जॉनसन स्पेस सेंटर में एक घर तैयार किया गया था। इसमें चार लोगों के रहने की व्यवस्था है। इस घर को मंगल ग्रह के हालात जैसा बनाया गया था। एंका सेलारियू, रॉस ब्रॉकवेल, नाथन जोन्स और टीम लीडर केली हेस्टन ने इस घर में करीब 378 दिन बिताए।

ऐसे बिताया समय

इस दौरान इन लोगों ने सब्जियां उगाईं। वहीं मार्सवॉक भी किया। इस एक साल में सबसे ज्यादा इन लोगों के लिए कठिन था अपने परिवार से इतने दिन दूर रहना। यह एक तरह से ऐसा अनुभव था, जब महामारी के तरह लॉकडाउन लगा था।

बिखरे बाल और फिर...

चारों लोग जब शनिवार को इस घर से बाहर निकले तो उनके चेहरे पर मुस्कान थी। उनके बाल थोड़े अधिक बिखरे हुए थे। मगर उनकी खुशी साफ देखी जा सकती थी। केली हेस्टन ने हंसते हुए कहा, हेलो, आप लोगों से फिर हेलो करना वाकई शानदार है। वहीं, डॉक्टर जोन्स ने कहा, मैं आशा करता हूं कि आप सभी के सामने यहां खड़े होकर रोऊंगा नहीं।

ये नौटंकी जारी नहीं रखेंगे, सुनक सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना को कीर स्टार्मर ने बंद करने का ऐलान किया

लंदन, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

ब्रिटेन के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने बतौर पीएम अपना कार्यभार संभाल लिया। अपने कार्यकाल के पहले ही दिन उन्होंने पूर्ववर्ती ऋषि सुनक सरकार की महत्वकांक्षी योजना रवांडा बिल को बंद करने का एलान कर दिया। उन्होंने कहा कि यह योजना शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई है और इसे दफन कर दिया गया है।

रवांडा योजना दफन हो गई है

कीर स्टार्मर ने अपने दिन की शुरुआत कैबिनेट की बैठक के साथ की और अपनी सरकार की वित्त मंत्री रेसेल रीव्स और नए विदेश मंत्री डेविड लैमी के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे पास करने के लिए बहुत काम है, इसलिए अब हमें काम पर जुट जाना चाहिए। बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कीर स्टार्मर ने रवांडा बिल योजना को बंद करने का एलान किया। उन्होंने कहा रवांडा योजना शुरू होने से पहले ही खत्म होकर दफन हो गई है। मैं इस नौटंकी को जारी रखने के पक्ष में नहीं हूं।

क्या थी रवांडा योजना

ब्रिटेन में अवैध अप्रवासियों का आगमन एक बड़ी समस्या है और आम चुनाव के दौरान भी यह एक प्रमुख मुद्दा रहा। इस समस्या से निपटने के लिए सुनक सरकार ने रवांडा योजना पेश की थी। बता दें कि साल 2022 में तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ब्रिटेन और रवांडा के बीच पांच वर्षीय समझौता किया था। इस समझौते का मकसद असुरक्षित और अनधिकृत रास्तों से ब्रिटेन में हो रहे अवैध अप्रवासन को रोकना था। खासकर उस अप्रवासन को रोकना जो छोटी नावों के ज़रिए इंग्लिश चैनल (समुद्री मार्ग) के रास्ते से होता है। गैरकानूनी तरीके से ब्रिटेन में घुसने के लिए अत्यधिक ज़ोखिम वाले रास्तों का सहारा लिया जाता है तो इससे कई बार मौतें भी होती हैं और इस क्षेत्र में मानव तस्करी को भी बढ़ावा मिलता है। यही वजह है कि रवांडा प्लान के तहत ब्रिटेन में गैरकानूनी तरीके से आ चुके लोगों को प्रवासन की प्रक्रिया के तहत शरण देने और कुछ को रवांडा

भेजने की योजना थी। रवांडा ने शुरुआती पांच साल तक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर हर साल 1,000 शरणार्थियों को लेने पर सहमति दी थी।

हालांकि मानवाधिकार समूहों और वकीलों ने इस योजना का विरोध किया और इसे अदालत में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने नॉन रिफॉलमेंट सिद्धांत के उल्लंघन पर चिंता जताई। नॉन रिफॉलमेंट सिद्धांत के मुताबिक अगर कोई नागरिक किसी देश में शरण मांगता है तो फिर उसके और शरण देने वाले देश के बीच एक तरह ये अनुबंध हो जाता है कि उसे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर उस देश में वापस नहीं भेजा जाएगा, जहां से वो आया है और जहां जाति, धर्म, नस्ल, राष्ट्रीयता, किसी खास सामाजिक समूह का सदस्य होने या किसी राजनीतिक मत की वजह से उसकी ज़िंदगी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को ख़तरा है। मानवाधिकार को लेकर रवांडा का जितना घटिया रिकॉर्ड है, उसे देखते हुए ये कहा जा सकता है कि ब्रिटेन में शरण मांगने वालों को तीसरे देश के तौर पर भी रवांडा में पुनर्वास करना सही नहीं होगा। कोर्ट के इस फैसले को नाकाम करने के लिए सुनक सरकार ने अपनी स्टॉप द बोट मुहिम के लिए बिल पेश किया। सरकार ने रवांडा सुरक्षा (शरण और अप्रवासन) विधेयक पेश करके तीसरे देश के तौर पर रवांडा को शरणार्थियों के लिए सुरक्षित देश घोषित कर दिया। जनवरी 2024 में इस विधेयक को हाउस ऑफ लॉर्ड्स में पहले दौर की मंजूरी मिल चुकी थी।

नए मंत्रियों की नियुक्ति

कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री आवास में आयोजित हुई बैठक में अपने मंत्रिस्तरीय दल की नियुक्ति की। कोरोना महामारी के दौरान मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार पैट्रिक वैलेंस को विज्ञान मंत्री बनाया गया है। जेम्स टिम्पसन को जेल मंत्री बनाया गया है। कीर स्टार्मर की सरकार के सामने कई चुनौतियां हैं, जिनमें एक स्थिर अर्थव्यवस्था, चरमराती सार्वजनिक सेवाएं और महंगाई आदि शामिल हैं। कीर स्टार्मर को दुनियाभर के नेताओं से बधाई संदेश मिल रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने उन्हें फोन करके बधाई दी। साथ ही उन्होंने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी बात की। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कीर स्टार्मर को बधाई नहीं दी, लेकिन ट्रंप ने रिफॉर्म यूके पार्टी के नेता निगेल फराज को जरूर बधाई दी।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जय शाह बोले- वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंनशिप फाइनल-चैंपियंस ट्रॉफी में रोहित कप्तान होंगे : मुझे भरोसा है उन्हीं की कप्तानी में इन दोनों टूर्नामेंट में चैंपियन बनेंगे

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेक्रेटरी जय शाह ने कहा है कि टी-20 वर्ल्ड कप के बाद हम रोहित की कप्तानी में ही 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंनशिप फाइनल जीतेंगे। शाह ने वीडियो जारी कर टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैंने राजकोट में बोला था कि जून 2024 में हम दिल भी जीतेंगे, कप भी जीतेंगे। भारत का झंडा भी गाड़ेंगे और हमारे कप्तान ने झंडा गाड़ दिया। इस जीत में आखिरी पांच ओवर का बहुत बड़ा योगदान था। इस योगदान के लिए मैं सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। इस जीत के बाद अगला पड़ाव है वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंनशिप फाइनल और चैंपियंस ट्रॉफी। मुझे पूरा भरोसा कि रोहित शर्मा की कप्तानी में हम इन दोनों टूर्नामेंट में चैंपियन बनेंगे।

शाह ने टी-20 वर्ल्ड कप की जीत को द्रविड़, रोहित, कोहली और जडेजा को डेडिकेट किया शाह ने कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप की जीत को मैं कोच राहुल द्रविड़, कैप्टन रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा को डेडिकेट करना चाहता हूं। बीते एक साल में ये हमारा तीसरा फाइनल था। जून 2023 में हम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में हारे। नवंबर 2023 में दस जीत के बाद हम दिल जीते, लेकिन कप नहीं जीत पाए।

चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान और टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल इंग्लैंड में खेला जाना है

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान में खेला जानी है। चैंपियंस ट्रॉफी का पहला मैच 19 फरवरी 2025 को खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला 9 मार्च को होगा। वहीं, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल जून में लंदन के लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

भारत ने दूसरी बार जीता टी-20 वर्ल्ड कप

भारत ने इस बार दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप जीता। इससे पहले भारत ने 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। 17 साल पहले जब टी-20 वर्ल्ड कप जीता था, तब महेंद्र सिंह धोनी टीम इंडिया के कप्तान थे।

न्यूज ब्रीफ

दिग्गज रेसलर जॉन सीना ने वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट से संन्यास की घोषणा की

न्यूयॉर्क। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट के दिग्गज रेसलर जॉन सीना अपने लीजेंड्री करियर का जल्द ही अंत करने जा रहे हैं। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में जॉन सीना ने इन-रिंग प्रतियोगिता से संन्यास की घोषणा की है। वह 2025 में वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट को अलविदा कहेंगे। जॉन सीना कनाडा के टोरंटो में डब्ल्यूडब्ल्यूई मनी इन द बैंक शो में लौटे। उन्होंने सभी फैंस को चौंकाते हुए अचानक एंट्री की। इसके बाद उन्होंने कहा, मैं आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट से अपनी रिटायरमेंट की घोषणा कर रहा हूं। जॉन सीन की इस घोषणा ने उनके प्रशंसकों को दुखी कर दिया है। एक सोशल मीडिया यूजर ने कमेंट किया, आपको याद करेंगे चैंपियन। एक अन्य प्रशंसक ने लिखा- सीना के बिना डब्ल्यूडब्ल्यूई देखना मुश्किल होगा। सीना ने खुलासा किया कि वह फिलहाल मंडे नाइट रॉ में बने रहने की योजना बना रहे हैं। दरअसल, मंडे नाइट रॉ शो जनवरी 2025 में नेटफ्लिक्स पर लॉन्च होने जा रहा है। सीना ने कहा- मैं संन्यास नहीं लूंगा। यह विदाई, यह रात खत्म नहीं होती है। उन्होंने कहा, हर कोई मंडे नाइट रॉ को अगले साल इतिहास बनाते देखना चाहता है। जब यह शो नेटफ्लिक्स पर आएगा तो इतिहास रचा जाएगा। मैं कभी भी नेटफ्लिक्स पर रॉ का हिस्सा नहीं रहा, यह इतिहास है। यह पहली बार है, और मैं वहां रहूंगा। उस इतिहास का गवाह बनूंगा।

प्रियांशु राजावत ने किया उलटफेर, डेनमार्क के इस खिलाड़ी को हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को हराया। राजावत ने एंटोनसेन को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। राजावत शानदार लय में दिख रहे हैं और उन्होंने अपना प्रदर्शन इस शीर्ष वरीय खिलाड़ी के खिलाफ भी जारी रखा और कनाडा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व में 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत ने एक घंटे 19 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में एंटोनसेन को 21-11, 17-21, 21-19 से हराया। यह पहला अवसर है जब इस 22 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया। राजावत दूसरी बार विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका सामना फ्रांस के अलेक्स लेनियर से होगा। राजावत ने अच्छी शुरुआत की तथा पहले गेम में एक समय वह 7-4 से आगे थे।

बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के लिए सीए ने बढ़ायी टिकटों की कीमतें

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस साल नवंबर-दिसंबर में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टिकटों की कीमतें बढ़ा दी हैं। सीए का कहना है कि दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबलों को देखते हुए इसके टिकटों की मांग तेजी से बढ़ी है। सीए के अनुसार टिकटों की संख्या में रिकॉर्ड छह गुना वृद्धि हुई है। साथ ही कहा कि बॉक्सिंग डे टेस्ट के टिकटों की सबसे ज्यादा मांग है। साथ ही कहा कि साल 2018 और 19 की तुलना में खरीदार टिकटों की ज्यादा कीमत देने के लिए तैयार हैं। सीए के इवेंट और ऑपरेशंस के महाप्रबंधक जोएल मॉरिसन ने कहा कि हम भारी तादाद में भारतीय प्रशंसकों के बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करने की योजना की जानकारी मिलने के बाद से ही उत्साहित हैं। साथ ही कहा कि हम भारतीय प्रशंसकों का स्वागत करने बेताब हैं। हम इसमें भाग लेने वाले सभी लोगों को एक सुखद और यादगार यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हमारा भरोसा है कि यह सीरीज आने वाले कई वर्षों तक याद रखी जाएगी। सीए भारतीय प्रशंसकों के लिए इस बार विशेष फैन ज़ोन भी बना रहा है। इन विशेष रूप से डिजाइन किए गए क्षेत्रों का उद्देश्य भारतीय समर्थकों के लिए एक जीवंत और स्वागत योग्य माहौल बनाना है, सीरीज के दौरान सभी स्थानों पर प्रशंसकों के बीच समुदाय और उत्सव की भावना को बढ़ावा देना है। बहुप्रतीक्षित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 22 नवंबर से 26 नवंबर तक पर्थ स्टेडियम में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी।

वर्ल्ड चैम्पियन टीम इंडिया ने ईंट का जवाब पत्थर से दिया

जिम्बाब्वे को 100 रन से पीटा अभिषेक शर्मा की सेंचुरी

हरारे, 07 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड चैंपियन बनने के एक हफ्ते बाद पहली बार मैदान पर उतरी। हरारे में भारत के सामने जिम्बाब्वे की चुनौती थी। शुभमन गिल की कप्तानी में यंग भारतीय टीम दौरे पर गई है। सीरीज के पहले मैच में भारत के सामने 116 रनों का लक्ष्य था। आईपीएल के स्टार खिलाड़ियों के लिए यह लक्ष्य आसान माना जा रहा था लेकिन हुआ कुछ और ही। जिम्बाब्वे ने भारत को 102 रनों पर समेट दिया। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में यह सबसे छोटा लक्ष्य था, जिसे भारतीय टीम हासिल करने में असफल रही। इसके बाद टीम इंडिया के भविष्य के सितारे सवालों के घिरे में आ गए। एक मैच ने ही फैंस को चिंतित कर दिया लेकिन भारत ने वापसी की और 24 घंटे में ही जिम्बाब्वे को रौंदकर अपनी बेंच स्ट्रेंथ की ताकत दिखा दी।

अगले ही दिन हिसाब बराबर

भारतीय टीम ने अगले ही दिन जिम्बाब्वे से मिली शर्मनाक हार के हिसाब बराबर कर दिया। सीरीज के दूसरे मैच में भारतीय युवा शेरों ने दिखाया कि जिम्बाब्वे को मिली जीत सिर्फ तुक्का थी। भारत के पलटवार ने जिम्बाब्वे को संभलने तक का मौका तक नहीं दिया। पहले बैटिंग करते हुए भारत ने 234 रन बोर्ड पर टांग दिए। जिम्बाब्वे के खिलाफ अभी तक टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इतना बड़ा स्कोर नहीं बना था। जिम्बाब्वे की पारी को 134 रनों पर रोक कर भारत ने मैच को 100 रनों के बड़े अंतर से अपने नाम किया।

आखिरी 10 ओवर में 160 रन ठोके

भारतीय टीम का स्कोर 10 ओवर के बाद 74 रन था। जिम्बाब्वे क्या टीम इंडिया ने खुद भी नहीं सोचा होगा कि वह 200 तक पहुंच पाएगी। लेकिन 20 ओवर खत्म होने तक स्कोर 234 पहुंच गया। आखिरी 10 ओवर में भारत के बल्लेबाजों ने 160 रन बना दिए। अभी तक आईसीसी की किसी भी फुल मेंबर टीम ने टी20 मैच के आखिरी 10 ओवर में इतने ज्यादा रन नहीं बनाए थे। इससे पहले रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम था। उसने 2007 में केन्या के खिलाफ मुकाबले में 159 रन बनाए थे।

2026 की तैयारी हो चुकी है शुरू

टी20 वर्ल्ड कप का अगला संस्करण 2026 में होना है। विराट कोहली ने संन्यास के समय कहा था कि युवा खिलाड़ियों के पास तैयार करने के लिए अच्छा मौका होगा। भारतीय टीम ने दिखा दिया है कि उनकी तैयारी कैसी रहने वाली है। 82 के स्कोर से अभिषेक शर्मा ने लगातार तीन छक्के मारकर शतक पूरा किया। कोई भी बल्लेबाज होता तो एक या दो छक्के के बाद शतक की तरफ देखता। लेकिन यह नया भारत है, यह पलटवार करेगा और ऐसा करेगा कि संभलने का मौका भी नहीं मिलेगा।

कोच फुल्टन ने दिया हॉकी टीम को गुरूमंत्र, बोले- अपने खेल पर फोकस करें, ओलंपिक पर नहीं..

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत में 2018 विश्व कप जीतने वाली बेल्जियम टीम के सहायक कोच रहे फुल्टन को ओलंपिक की तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला लेकिन उन्हें कोई मलाल नहीं है। वह पिछले साल अप्रैल में भारतीय टीम से जुड़े थे।

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में अब 20 दिन का समय शेष है। इससे पहले भारतीय हॉकी टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना है। मुकाबले से पहले टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने खिलाड़ियों को गुरूमंत्र दिया है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक का दबाव लिए बगैर फिलहाल न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच पर फोकस रखें। फुल्टन ने कहा, मैं जानता हूं कि टोक्यो ओलंपिक के कांस्य के बाद अपेक्षायें बढी है लेकिन हकीकत यह है कि टीम ने अच्छी प्रगति की है। लंदन ओलंपिक (2012) में 12वें, रियो (2016) में आठवें स्थान से तोक्यो (2020) में तीसरे स्थान पर रहने तक टीम काफी आगे बढ़ गई है। मेरा मंत्र स्पष्ट है कि खेल पर फोकस करें, ओलंपिक पर नहीं। यह हॉकी का ही मैच है और नियम भी बदले नहीं हैं। उन्होंने कहा, आम तौर पर एक ओलंपिक से दूसरे ओलंपिक तक का समय मिलता है लेकिन यह कोई बहाना नहीं है। हमने मेरे आने के तीन महीने के भीतर एशियाई खेलों का स्वर्ण जीतकर ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया। टीम आत्मविश्वास से भरी है और अच्छा खेल रही है। एफआईएच प्रो लीग में भारत के सातवें स्थान पर रहने या विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर खिसकने से फुल्टन चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा, प्रो लीग में हम कुछ मैचों में अच्छा नहीं खेल सके लेकिन उसमें मकसद ओलंपिक के लिये टीम चयन था और काफी बदलाव किये गए। लेकिन सातवें स्थान पर रहने और जीतने वाली टीम में दस अंक का ही अंतर था यानी यह काफी करीबी था हम अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम के साथ नहीं खेले। यही वजह है कि रैंकिंग में भी गिरावट आई ।लेकिन इससे मैं परेशान नहीं हूं।

ओलंपिक से पहले विनेश फोगाट का दमदार प्रदर्शन स्पेन ग्रां प्री के फाइनल में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वलिफाई कर चुकी भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने स्पेन ग्रां प्री में महिलाओं के 50 किग्रा का स्वर्ण पदक जीता। दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता विनेश ने फाइनल में मारिया तियुमेरेकोवा को 10-5 से हराकर पहला स्थान हासिल किया। विनेश को आखिरी समय में शेंगेन वीजा मिला था और उन्होंने बिना किसी परेशानी के तीन मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई थी।

29 वर्षीय विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता ने पहले क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन को अंकों के आधार पर 12-4 से हराया। इसके बाद उन्होंने क्वार्टर फाइनल में बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक विजेता कनाडा की मैडिसन पार्क्स के खिलाफ जीत दर्ज की।

सेमीफाइनल में, विनेश ने एक अन्य कनाडाई केटी डचक को अंकों के आधार पर 9-4 से हराया। स्पेन में अपने प्रशिक्षण-सह-प्रतियोगिता कार्यकाल के बाद, विनेश पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए 20-दिवसीय प्रशिक्षण के लिए फ्रांस जाएंगी।

पेरिस ओलंपिक की तैयारियों को बेहतर करने उतरेंगे अविनाश और जेना, नीरज नहीं लेंगे हिस्सा

पेरिस, 07 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय एथलीट इस महीने के अंत में शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। भारत के शीर्ष स्टीपलचेज एथलीट अविनाश साबले और भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना होने वाले डायमंड लीग के पेरिस चरण से अपनी तैयारियों को बेहतर करने उतरेंगे। वहीं, विश्व चैंपियन और टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा जांघ की समस्या के कारण इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। साबले और जेना को करनी होगी फॉर्म में वापसी साबले और जेना दोनों ही फॉर्म में नहीं हैं और उन्होंने ओलंपिक से पहले ज्यादा प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है। पर अब वे पेरिस की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की कोशिश करेंगे। ओलंपिक में एथलेटिक्स स्पर्धायें एक अगस्त से शुरू होंगी। 29 वर्षीय साबले ने अभी तक दो 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धाओं में हिस्सा लिया है। उन्होंने पोर्टलैंड में 8:21.85 और पंचकुला में 8:31.75 का समय निकाला था, जबकि उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 8:11.20 है। एशियाई खेलों के मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता ने कहा, मैंने पिछले दो साल में गलतियां की हैं। मैं दो विश्व चैंपियनशिप (2022 और 2023) में पूरी तरह फिट था। लेकिन दोनों में अच्छा नहीं कर सका। मैं सुधार करना चाहता हूं और उम्मीद करता हूं कि यह मेरा सर्वश्रेष्ठ ओलंपिक होगा। जेना का भी अब तक का सत्र खराब रहा है। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 76.31 मीटर और फेडरेशन कप में 75.49 मीटर के थ्रो लगाए। उन्होंने राष्ट्रीय अंतर प्रांतीय चैंपियनशिप में 80.84 मीटर से कांस्य पदक जीता था। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 87.54 मीटर है जो उन्होंने 2023 एशियाड में रजत पदक जीतकर हासिल किया था। जेना ने खुलासा किया था कि वह भुवनेश्वर में फेडरेशन कप के बाद बाएं टखने में दर्द से जूझ रहे थे। उन्होंने पिछले हफ्ते पंचकुला में कहा था, दर्द कम हो गया है और अब लगभग ठीक है।

क्या पुर्तगाल के लिए आखिरी मैच खेल चुके फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो

बर्लिन, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

क्या फुटबॉल फैंस ने पुर्तगाल की जर्सी में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को आखिरी मैच खेलते देख लिया है यूरो कप 2024 के क्वार्टर फाइनल में फ्रांस से पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हारने के बाद कई फैंस ने सोशल मीडिया पर लिखा कि रोनाल्डो का यह आखिरी मैच था। रोनाल्डो ने पूरे टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया और टीम के बाहर होने से पहले एक भी गोल करने में असफल रहे।

हालांकि, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रोनाल्डो अभी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल छोड़ने के इच्छुक नहीं हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि वह 2026 फीफा विश्व कप में खेलने और ट्रॉफी घर लाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

रोनाल्डो का यूरो 2024 का एक अभियान नीरस रहा था, जिसमें उन्होंने टीम के लिए बहुत कम योगदान दिया। राउंड ऑफ-16 में स्लोवेनिया के खिलाफ पेनल्टी मिलने पर गोल करने में नाकाम रहे रोनाल्डो की टीम को पेनल्टी शूटआउट में गोलकीपर डिओगो कोस्टा ने जीत दिलाई थी। टीम क्वार्टर फाइनल में तो पहुंची, लेकिन फ्रांस के आगे नहीं टिक सकी। इसके बाद रोनाल्डो को भावुक देखा गया था और उन्होंने पेपे को गले भी लगाया था। पेपे का वह आखिरी मैच था। रोनाल्डो जब ड्रेसिंग रूम में वापस लौटे तो पूरा फोकस उन पर था कि क्या यह उनका आखिरी मैच है।

अब रेलेवो की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रोनाल्डो ने अभी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को नहीं छोड़ने का फैसला किया है। इसके मुताबिक, रोनाल्डो की नजर 2026 फीफा विश्व कप पर है। वह फीफा विश्व कप के छह संस्करणों में खेलने वाले और स्कोर करने वाले इतिहास के पहले खिलाड़ी बनना चाहते हैं। रोनाल्डो अल नस्त्र के साथ शानदार सीजन बिताने के बाद यूरो 2024 में खेलने आए थे। उन्होंने अल नस्त्र क्लब के लिए सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 50 गोल किए, लेकिन उनका गेमप्ले पुर्तगाल की सहायता नहीं कर सका।

स्लोवेनिया के खिलाफ पुर्तगाल की क्वार्टर फाइनल जीत के बाद रोनाल्डो ने कहा था कि यह उनका आखिरी यूरो कप होगा। रोनाल्डो ने कहा था- मेरे पास राष्ट्रीय टीम को आगे रखने का मौका था, लेकिन मैं इसे संभाल नहीं पाया। ओब्लाक ने अच्छा सेव किया। मुझे पेनल्टी की समीक्षा करनी थी, मुझे नहीं पता कि मैंने अच्छा शॉट लगाया या बुरा, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मैंने एक भी बार पेनल्टी मिस नहीं किया था। जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी तब मैंने इसे मिस किया और ओब्लाक ने इसे बचा लिया। सबसे महत्वपूर्ण बात आगे के राउंड के लिए क्वालिफाई करने का आनंद लेना है। टीम ने एक असाधारण काम किया। हमने अंत तक संघर्ष किया और अगर आप मैच का अच्छी तरह से विश्लेषण करते हैं, तो पुर्तगाल इस जीत का हकदार था क्योंकि उनके पास अधिक मौके थे। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय भविष्य पर रोनाल्डो का एक स्पष्ट संकेत आना बाकी है।

झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम से जुड़े लोगों की 4.42 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क, चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली,07 जुलाई (एजेंसियां) ।

रीता लाल को छोड़कर अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र भी रांची की एक विशेष पीएमएलए अदालत में दायर किया गया। इस मामले में ईडी ने कांग्रेस नेता और पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के अलावा लाल और जहांगीर आलम को गिरफ्तार किया था।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन के एक मामले की जांच के तहत झारखंड के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, उनके पूर्व निजी सचिव और सहयोगी के घरेलू सहायक की चार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है।

एक बयान में कहा कि उसने आलमगीर आलम, उनके पूर्व पीएस संजीव कुमार लाल, लाल की पत्नी रीता लाल और घरेलू सहायक जहांगीर आलम के खिलाफ चार जुलाई को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया है।

कुर्की के तहत दर्ज इन सभी संपत्तियों का कुल मूल्य 4.42 करोड़ रुपये है। कहा कि रीता लाल को छोड़कर इन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र भी रांची की एक विशेष पीएमएलए अदालत में दायर किया गया। इस मामले में ईडी ने कांग्रेस नेता और पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के अलावा लाल और जहांगीर आलम को गिरफ्तार किया था।

ईडी ने छह मई को संजीव कुमार लाल और जहांगीर आलम के यहां छापा मारा था और उनके नाम पर एक फ्लैट से कुल 32.2 करोड़ रुपये बरामद किए थे। इस मामले में चार पहिया और दो पहिया वाहन, आभूषण और डिजिटल उपकरणों के अलावा कुल 37.55 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गई है। जांच राज्य के ग्रामीण विकास विभाग में कथित अनियमितताओं से संबंधित है, जिसका नेतृत्व कभी आलमगीर आलम करते थे। ईडी ने दावा किया कि जांच में पाया गया कि निविदा आवंटन के लिए कुल निविदा मूल्य का 3.2 प्रतिशत ठेकेदारों से लिया जाता था, जिसे झारखंड सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग में ऊपर से नीचे तक मशीनीकृत तरीके से वितरित किया जाता था। जिसमें मंत्री (पूर्व) आलमगीर आलम के लिए लगभग 1.5 प्रतिशत का कमीशन भी शामिल है।

सरकार ने स्टील, एल्यूमीनियम के बर्तनों पर आईएसआई मार्क अनिवार्य किया

नई दिल्ली । सरकार ने स्टेनलैस स्टील और एल्युमीनियम के रसोई के बर्तनों का राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य कर दिया है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने कहा कि यह फैसला उपभोक्ता सुरक्षा तथा उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रलय के तहत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 14 मार्च को गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी कर रसोई के इन बर्तनों के लिए आईएसआई मार्क अनिवार्य कर दिया था। बीआईएस ने भारतीय मानक संस्थान (आईएसआई) चिह्न को निर्धारित किया है। यह उत्पाद की गुणवत्ता तथा सुरक्षा का आश्वासन देता है। बीआईएस के अनुसार आदेश में ऐसे किसी भी स्टेनलेस स्टील या एल्युमीनियम बर्तनों के विनिर्माण, आयात, बिक्री, वितरण, भंडारण या प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया गया है जिन पर बीआईएस मानक चिह्न न हो। बयान में कहा गया कि आदेश का अनुपालन न करने पर जुर्माना लगाया जाएगा, जो उपभोक्ता सुरक्षा तथा उत्पाद अखंडता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह कदम बीआईएस द्वारा रसोई के सामान के लिए हाल ही में तैयार किए गए व्यापक मानकों के अनुरूप है, जिसमें स्टेनलेस स्टील के लिए आईएस 14756 : 2022 और एल्युमीनियम के बर्तनों के लिए आईएस 1660 : 2024 शामिल हैं। मानकों में सामग्री की आवश्यकताएं, डिजाइन विनिर्देश और प्रदर्शन मापदंड शामिल होते हैं।

लगातार सातवीं बार बजट पेश कर रिकॉर्ड बनाएंगी निर्मला सीतारमण, पूर्व पीएम से भी निकल जाएंगी आगे

नई दिल्ली,07 जुलाई (एजेंसियां) ।

बजट सत्र की तारीखों का एलान हो चुका है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को लोकसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट पेश करेंगी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट कर बजट सत्र की तिथियों का एलान किया है। उन्होंने बताया कि आगामी बजट सत्र का शुभारंभ 22 जुलाई को होगा। यह 12 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में पूर्ण बजट पेश करेंगी। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव से पहले 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था। वित्त मंत्री सीतारमण 23 जुलाई को लगातार सातवां बजट पेश करेंगी।

23 जुलाई को लगातार सातवां बजट पेश कर पूर्व पीएम से आगे निकल जाएंगी वित्त मंत्री

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत तीसरी सरकार की प्राथमिकता व विकसित भारत की दिशा तय करेगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने 1 फरवरी 2024 को लोकसभा में अंतरिम बजट पेश किया था। 23 जुलाई को सीतारमण लगातार सातवां बजट पेश करके वित्त मंत्री सीतारमण एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने वित्त मंत्री रहते हुए लगातार छह बार बजट पेश किया था। निर्मला सीतारमण ने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए पिछले महीने वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला।

सीतारमण के नाम पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनने का भी रिकॉर्ड

सीतारमण के नाम मोदी सरकार में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए मंत्री के रूप में शामिल होने वाली पहली महिला बनने का रिकॉर्ड भी है। अपने राजनीतिक करियर में उन्होंने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। 2017 में पहली महिला रक्षा मंत्री बनी। इससे पहले वह उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री थीं। अरुण जेटली (वित्त मंत्री 2014-19) के बीमार होने पर सीतारमण ने 2019 के आम चुनाव के बाद नव निर्वाचित मोदी सरकार में वित्त विभाग का प्रभार संभाला था। वह स्वतंत्र भारत में पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनीं। इससे पहले, इंदिरा गांधी ने भारत की प्रधानमंत्री रहते हुए थोड़े समय के लिए अतिरिक्त विभाग के रूप में वित्त का कार्यभार संभाला था। सीतारमण का जन्म 18 अगस्त 1959 को मदुरै में रेलवे में कार्यरत नारायण सीतारमण और सावित्री के घर हुआ था। सीतारमण ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और एमफिल की है।

वैश्विक रुख और कंपनी के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा मानसून की प्रगति पर भी सभी की निगाहें रहेंगी

मुंबई । इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होंगी। इसके अलावा सप्ताह के दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के पहली तिमाही के परिणाम भी आएंगे जो बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले सप्ताह की रिकॉर्ड तेजी के बाद स्थानीय बाजारों में कुछ नरमी दिख सकती है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर कंपनियों का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों का सत्र इस सप्ताह शुरू हो रहा है। 11 जुलाई को टीसीएस और 12 जुलाई को एचसीएल टेक्नोलॉजीज के तिमाही नतीजे आएंगे। इसके अलावा सरकार 23 जुलाई को 2024-25 का पूर्ण बजट पेश करने जा रही है। शेयर बाजार के लिए यह एक प्रमुख घटनाक्रम होगा। बाजार को उम्मीद है कि सरकार बजट में वृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों की घोषणा करेगी। साथ ही मानसून की प्रगति पर भी सभी की निगाहें रहेंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। साथ ही कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा। भारत के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े, औद्योगिकी उत्पादन के आंकड़े, फेडरल रिजर्व प्रमुख का संबोधन, ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े, अमेरिका के उपभोक्ता मुद्रास्फीति तथा बेरोजगारी दावे के आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि कंपनियों के तिमाही नतीजों का सत्र शुरू हो रहा है। आईटी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस से इसकी शुरुआत हो रही है। बाजार बेहतर नतीजों की उम्मीद कर रहा है।

टमाटर की बढ़ती कीमत पर सरकार अलर्ट, जल्द मिलेगी राहत,दक्षिणी राज्यों से ताजा फसल जल्द ही बाजारों में आने की संभावना

नई दिल्ली,07 जुलाई (एजेंसियां) ।

बरसात शुरू होने के साथ एक बार फिर से सब्जियों की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। इसमें प्याज-टमाटर ने तो रसोई का बजट ही बिगाड़ दिया है। दिल्ली, कानपुर और कोलकाता सहित कई शहरों में टमाटर 70 से 90 रुपये किलो बिक रहा है। इस बढ़ी कीमत पर सरकार भी अलर्ट हो गई है और आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए उपाय में जुट गई है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही ये कीमतें कम हो सकती हैं। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा है कि दक्षिणी राज्यों से ताजा फसल जल्द ही बाजारों में आने वाली है, जिससे कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। मंत्रालय ने इसके साथ ही कहा है कि अच्छी बारिश के कारण प्रमुख सब्जियों की गर्मियों की बुवाई तेजी से बढ़ रही है। पिछले महीने मानसून में देरी और तेज तापमान के बाद भारी बारिश ने सब्जियों की सप्लाई को कई जगह रोक दिया है। वैसे जून और जुलाई के महीने में टमाटर महंगे हो भी जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार कारोबारियों का कहना है कि तेज लू के कारण टमाटर सहित कई सब्जियां खेत में ही खराब हो गईं, जिस कारण इस बार ये इतना महंगा हो गया। उन्होंने कहा कि किसानों को कोई मुनाफा नहीं हो रहा, क्योंकि गर्मी के कारण फसल बहुत तेजी से खराब हो गई। वहीं दिल्ली की आजादपुर थोक मंडी के एक अधिकारी ने कहा कि प्याज की सप्लाई खत्म हो गई है और फिलहाल सिर्फ हिमाचल प्रदेश से टमाटर की सप्लाई हो रही है। हालांकि अब उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कीमतें जल्द ही कम होने की उम्मीद जताई है। मंत्रालय ने कहा कि आंध्र प्रदेश के चित्तूर और कर्नाटक के कोलार जैसी जगहों पर टमाटर की अच्छी फसल हुई है। बयान में कहा गया है कि कोलार में टमाटर चुनना शुरू हो गया है और कुछ दिनों में बाजार में दस्तक देने लगेगा। इसके बाद हफ्तेभर में ही कीमतें कम हो जाएंगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अडाणी समूह...

आगरा में भू अधिग्रहण का कार्य अभी नहीं हो सका है, यहां भी 90 हेक्टेयर से अधिक भूमि की आवश्यकता है। सभी 6 नोड्स में से अलीगढ़ में सर्वाधिक 23 उद्योग समूहों को भू आवंटन हो चुका है, जबकि 16 पाइप लाइन में हैं। इसके बाद झांसी में 8 को भूमि प्राप्त हो चुकी है, जबकि 22 कंपनियां पाइप लाइन में हैं। इसी प्रकार लखनऊ में 6 कंपनियों को जमीन मिल गई है और 25 पाइप लाइन में हैं। कानपुर नोड में भी 5 कंपनियों को जमीन प्राप्त हो गई है, जबकि 19 पाइप लाइन में हैं। चित्रकूट और आगरा में अभी कंपनियों को भूमि आवंटन नहीं हुआ है। आगरा में 5 कंपनियां पाइपलाइन में हैं। लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस और एयरॉली टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, झांसी में भारत डायनामिक्स, अलीगढ़ में एनकोर रिसर्च लैब्स एलएलपी और एमीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, कानपुर में अडाणी डिफेंस सिस्टम एंड टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड और आधुनिक मैटेरियल एंड साइंस प्राइवेट लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनियां निवेश कर रही हैं। कानपुर में अडाणी समूह और आधुनिक मैटेरियल एंड साइंस तथा अलीगढ़ में एमीटेक की ओर से प्रोडक्शन शुरू भी हो चुका है। इसके अलावा झांसी में ग्लोबल इंजीनियर्स लिमिटेड, फेरेट्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, डब्ल्यू बी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भूमि आवंटन हो चुका है।

छह आतंकियों...

एक मुठभेड़ पूरी हो चुकी है और एक जगह मुठभेड़ चल रही है। उधर, जम्मू संभाग के जिला राजौरी में संदिग्ध रूप से चली गोली में एक जवान घायल हुआ है। उसे इलाज के लिए सैन्य अस्पताल ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि जवान के पांव में गोली लगी है। राजौरी के मंजाकोट स्थित सैन्य कैंप में संदिग्ध रूप से चली गोली में एक जवान घायल हुआ। गोली चलने की आवाज के साथ करीब आधे घंटे तक गोलीबारी होती रही। इसके बाद घायल जवान का पता चला और इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि ये जवान आतंकी हमले में घायल हुआ है या दुर्घटनावश चली गोली में। इस मामले में आधिकारिक बयान का इंतजार है।कुलगाम में शनिवार को दो जगहों पर जो मुठभेड़ शुरू हुई थी, वह रविवार को भी जारी रही। आतंकियों के शव मुठभेड़ स्थल पर पड़े हुए हैं। ड्रोन फुटेज में इनके शव दिख रहे हैं। पूरे इलाके की घेराबंदी की गई है। आईजी बीके बिर्दी ने बताया कि फ्रिसल चिन्नीगाम में चार आतंकी मारे गए। इसके बाद रविवार को दो आतंकी मारे गए। मुठभेड़ स्थल से चार आतंकियों के शव बरामद हुए हैं। उनके कब्जे से तीन एके 47 और एक पिस्तौल बरामद की गई है। ये आतंकी हिजबुल मुजाहिदीन के गुट टीआरएफ से जुड़े हुए थे। आतंकियों की पहचान यावर बशीर पुत्र बशीर अहमद डार निवासी कैमोह, जाहिद अहमद डार पुत्र गामहौद डार निवासी यारीपोरा, तौहीद अहमद राथर पुत्र अबू सतार निवासी राथर, शकील अहमद बानी पुत्र मोहम्मद शरीफ बानी निवासी कुलगाम के तौर पर हुई है। बाकी दो आतंकियों की पहचान अभी नहीं हुई है।

आतंकवादियों से सुरक्षाबलों की मुठभेड़ फ्रिसल चिन्नीगाम और मुदरघम इलाके में हुई। कार्रवाई में मुदरघम में पैरा कमांडो लांस नायक प्रदीप नैन और फ्रिसल में राष्ट्रीय राइफल्स के जवान प्रवीण प्रभाकर घायल हो गए। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। रविवार को दोनों शहीदों को सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। शनिवार सुबह पुलिस और सुरक्षाबलों की एक टीम ने कुलगाम के मुदरघम इलाके में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। जैसे ही सुरक्षाबल संदिग्ध क्षेत्र की ओर बढ़े तो छिपे हुए आतंकवादियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई से मुठभेड़ शुरू हो गई।शुरुआती फायरिंग में सेना का एक जवान घायल हो गया। उन्हें तत्काल निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके बाद सुरक्षाबलों ने सतर्कता बरतते हुए अभियान जारी रखा। पूरे इलाके को घेर रखा गया है ताकि आतंकी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकलने में कामयाब न हो सकें। दूसरी मुठभेड़ फ्रिसल चिन्नीगाम इलाके में हुई। यहां भी आतंकियों की मौजूदगी पर सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान घेरा सख्त होने पर दहशतगर्दों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई से शुरू हुई मुठभेड़ में घर में छिपे चार आतंकियों को मार गिराने में सफलता मिली। ड्रोन फुटेज में घर के बाहर चार शव पड़े पाए गए। हालांकि, फायरिंग जारी रहने की वजह से इन शवों को बरामद नहीं किया जा सका है। मुठभेड़ शुरू होते ही दोनों स्थानों पर सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारी पहुंच गए। आसपास के इलाकों में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

फ्रिसल में मुठभेड़ स्थल पर पहुंचे आईजी बीके बिर्दी ने बताया कि सुरक्षाबलों की ओर से आतंकियों की मूवमेंट को लगातार ट्रैक किया जा रहा है। यहां आतंकियों का मारा जाना सुरक्षाबलों के लिए बड़ी उपलब्धि है। मुठभेड़ स्थल जम्मू-श्रीनगर हाईवे से दूर का भीतरा इलाका है। कुछ आतंकियों के शव पड़े दिखे हैं, लेकिन अभी ऑपरेशन जारी है। पुंछ पुलिस ने मेंढर के मनकोट तहसील में शनिवार देर शाम भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर स्थित गांव घानी में जहाजनुमा पाकिस्तानी गुब्बारा बरामद किया। इस पर पीआईए पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस लिखा हुआ है। मनकोट पुलिस चौकी से टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर गुब्बारे को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि जिले में आए दिन इस प्रकार के पाकिस्तानी गुब्बारे बरामद होते रहते हैं।केंद्र और राज्य सरकार ने कश्मीर में आतंकियों को चुन-चुनकर साफ करने की रणनीति तैयार की है। खास तौर पर सुरक्षा बलों के निशाने पर वे आतंकवादी हैं जो पाकिस्तान की सरपरस्ती में यहां आकर वारदात करते हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसी के एक अधिकारी ने कहा, हमारा फोकस समयबद्ध तरीके से आतंक के गढ़ का खात्मा करने के अलावा नए क्षेत्रों में आतंक का प्रसार रोकना है। जांच एजेंसियां भी आतंकियों के मददगार-तंत्र पर नकेल कसने के काम में तेजी ला रही हैं। सेना और सुरक्षाबलों को मिले विशेष इनपुट के मुताबिक फिलहाल कश्मीर घाटी में कुल 135 आतंकवादी एक्टिव हैं। इनमें से 110 पाकिस्तानी हैं।जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के सफाए के लिए सुरक्षा बल और जांच एजेंसियां कई स्तरों पर रणनीति बनाकर काम कर रही हैं। एक तरफ घुसपैठ रोकने का ठोस ब्लूप्रिंट बनाया गया है। स्थानीय युवाओं के विशेष दस्तों को घुसपैठ रोधी टीम में तैनाती किया जा रहा। वहीं लोकल ह्यूमन इंटेलिजेंस को मजबूत करने के लिए सीमावर्ती इलाको में युवाओं की टीम बनाकर उन्हें सुरक्षा बलों से जोड़ा जा रहा है। आतंक से आर-पार की लड़ाई के लिए स्पेशल तकनीकी टीम भी तैयार की गई है जो ह्यूमन इंटेलिजेंस इनपुट का त्वरित तकनीकी विश्लेषण करके इसकी अहम जानकारी सुरक्षा बलों से साझा करेगी। आतंकियों के मूवमेंट वाले इलाकों में कई टुकड़ियां मिलकर अभियान चलाएंगी। इसके अलावा एसपीओ की भर्ती बढ़ाने के लिए खाका तैयार है। वहीं अत्याधुनिक हथियारों के साथ सीआरपीएफ की कई बटालियन संवेदनशील इलकों में तैनात की जा रही है। यह बटालियन आतंकरोधी अभियान में विशेष रूप से दक्ष हैं। सेना के सहयोग के साथ हर स्तर पर एंटी टेरर यूनिट सक्रिय की गई है।एक अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने संसद में कहा था कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद आखिरी चरण में है। दरअसल इसके पीछे सुरक्षा एजेंसियों की ओर से बनाया गया वह ब्लूप्रिंट है जिसमें आतंक की कमर तोड़ने का पूरा खाका है। पहला लक्ष्य घाटी में मौजूद आतंकियों का खात्मा करना है और उनके मददगारों की भी कमर तोड़नी है। आतंकी मददगारों पर आतंक की धाराओं के तहत सख्ती के अलावा उनकी संपत्तियों की जब्ती की जा रही है। सरकार और सुरक्षाबल आतंक से निपटने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। अभी भी घाटी में सौ से ज्यादा पाकिस्तानी आतंकी सुरक्षाबलों के लिए चुनौती बने हुए हैं।सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान से भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों की घुसपैठ में वृद्धि को रोकने के लिए अब स्थानीय दस्तों को अग्रिम मोर्चों पर लगाया जा रहा। जम्मू संभाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में नई टुकड़ियां तैनात की गई हैं। घुसपैठ-रोधी और आतंकवाद-रोधी टीम पूरी तरह से इसी मकसद के लिए काम करेगी। सीमावर्ती गांवों से ऐसे युवाओं को आतंकरोधी अभियान का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा जो इलाके को अच्छी तरह से जानते हैं। दुश्मन की रणनीति को भी समझते हैं। सूत्रों ने बताया कि विशेष रूप से प्रशिक्षित कर्मियों को उनकी संबंधित सीमावर्ती तहसीलों में तैनात करके मानव खुफिया तंत्र को मजबूत करने पर भी काम हो रहा है।

नम आंखों से दी ...

उनके पैतृक गांव में होगा। जंजाल (26) कुलगाम के फ्रिसल चिन्नीगाम इलाके में मुठभेड़ के दौरान वीरगति को प्राप्त हो गए। अकोला के तहसीलदार ने कहा कि सोमवार को उनके पैतृक गांव मोरगांव भाकरे में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके परिवार तक उनकी मौत की खबर पहुंचने पर गांव में मातम छा गया है।सेना ने बताया कि प्रभाकर जंजाल 2019 में भारतीय सेना में शामिल हुए थे और 2020 में द्वितीय महार रेजिमेंट में तैनात हुए थे। उन्होंने बताया कि वह पहले मणिपुर में तैनात थे और फिर चार महीने पहले सेना की राष्ट्रीय राइफल्स (विशेष दस्ते) के हिस्से के रूप में कुलगाम जिले में तैनात किए गए थे। अधिकारी ने बताया कि जंजाल की कुछ महीने पहले ही शादी हुई थी।

पुलिस आयुक्त...

राज्यपाल ने पहले ही मुलाकात की अनुमति दे दी थी और इसके बाद भी पीड़ितों को राजभवन जाने से रोका गया। एक अधिकारी का कहना है कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल की रिपोर्ट के आधार पर दोनों पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि आदेश की एक प्रति राज्य सरकार को भी भेज दी गई है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने राजभवन में तैनात किए गए अन्य पुलिस अधिकारियों पर भी आरोप लगाए हैं। राज्यपाल का कहना है कि कुछ पुलिस अधिकारियों द्वारा अप्रैल-मई के महीने में एक महिला कर्मचारी के आरोपों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। राज्यपाल ने कहा, इन पुलिस अधिकारियों की हरकतों की वजह से राज्यपाल के कार्यालय की गरिमा को नुकसान पहुंचा जो कि बहुत ही गलत है। इन पुलिस अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी की है।

टीएमसी सांसद ...

यह अभद्र टिप्पणी अपमानजनक है और एक महिला के सम्मान के अधिकार का उल्लंघन है। आयोग ने पाया कि सांसद की टिप्पणी भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 79 के अंतर्गत आती है।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने कहा कि वह अपमानजनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा करता है और महुआ मोइत्रा के खिलाफ सख्त कार्रवाई का अनुरोध करता है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने आगे लिखा था, महुआ मोइत्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए और 3: दिनों के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट आयोग को बताई जानी चाहिए।

पाकिस्तान और...

चुनिंदा और अपनी सहूलियत के हिसाब से मुद्दे को रंग देने के कारण ही आज भारत में मुस्लिमों से जुड़े हर सवाल पर लोगों को संदेह होने लगा है। इस संदेह में आरफा-सायमा जैसे नैरेटिव गढ़ने वालों का बहुत बड़ा योगदान है। वर्ना भारत में तो दुनियाभर के सताए हुए लोगों के आश्रय देने की प्राचीन परंपरा रही है। चाहे वो पारसी हों, यहूदी हों या यहीद के शासन काल के मुस्लिम ही क्यों न हों, जिन्हें सिंध के राजा दाहिर ने अपने यहां शरण दी थी। भारत में शरण पाने के बाद सारे समुदाय एवं पथ के लोग भारत की संस्कृति में समाहित हो गए, रच-बस गए लेकिन इस्लाम ने हमेशा खुद को अलग-थलग रखा। वह खुद को विशेष महसूस कराने का दबाव दूसरे पर डालता रहा। परिणाम यह रहा है कि वे स्थानीय समुदाय के मन-मस्तिष्क में अपना सकारात्मक स्थान आज तक नहीं बना पाए।

ईरान और पाकिस्तान की सरकारों ने अफगानिस्तान के हिंसा प्रभावित लोगों को देश से बाहर निकाल दिया तो हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी भी चुप्पी साधे बैठे हैं। वे शपथ ग्रहण करते हुए जय फिलिस्तीन के नारे लगा सकते हैं, पाकिस्तान के मुस्लिमों को सीएए के तहत भारत में बसने के अधिकार की मांग कर सकते हैं लेकिन अफगानिस्तान के अपने मुस्लिम भाइयों के लिए आवाज नहीं उठा सकते। आरफा-सायमा और ओवैसी जैसे लोगों के लिए पाकिस्तान और ईरान का मसला दो मुस्लिम देशों का आंतरिक मामला बन जाता है, लेकिन जब वे बांग्लादेशी घुसपैठियों और म्यांमार के रोहिंग्या घुसपैठियों को भारत में बसाने की जेहादी-जिद करते हैं, तब उन्हें भारत का आंतरिक मामला नहीं दिखता। इस पाखंड का कभी वे आत्म-समीक्षा करेंगे?

जुलाई माह में तीनों एकादशी पर सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग

सनातन धर्म में एकादशी तिथि को बेहद शुभ माना गया है। हर महीने में 2 बार एकादशी व्रत किया जाता है। एक कृष्ण और दूसरा शुक्ल पक्ष में। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विशेष पूजा करने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी मुरादें पूरी होती हैं। जुलाई के महीने में योगिनी एकादशी, देवशयनी एकादशी और कामिका एकादशी पड़ेगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि इस बार जुलाई माह में भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करने की विशेष तिथि एकादशी पर विशेष संयोग बन रहा है। इस माह में तीन एकादशी रहेगी। मंगलवार 2 जुलाई को योगिनी एकादशी मनाई गई। 17 जुलाई को देव शयनी एकादशी और 31 जुलाई को कामिका एकादशी मनाई जाएगी। एक माह में तीनों विशेष एकादशी तिथि आने से भगवान विष्णु की आराधना का विशेष महत्व है। इस बार जुलाई मास में तीन एकादशी तिथियों का योग बन रहा है जबकि अमूमन महीने में दो एकादशी ही पड़ती है। तीन एकादशी का योग आमजन की सुख समृद्धि में सहायक बनेगा क्योंकि तीनों एकादशियों में सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग है। इससे पूर्व मई 2023 में तीन एकादशी का योग बना था। तीनों एकादशी आने से जुलाई मास का धार्मिक महत्व बढ़ गया है। जुलाई की दूसरी एकादशी यानी देवशयनी से सभी तरह के मांगलिक कार्यों पर चार माह के लिए विराम लग जाएगा। वैवाहिक एवं सभी प्रकार के नवीन शुभ कार्य वर्जित रहेंगे। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि साल में 24 एकादशी के व्रत रखे जाते हैं। यह सभी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन उनकी पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती हैं। ऐसे में कुछ लोग निर्जला उपवास भी रखते हैं, जो बेहद कठिन होता है। इस दिन को लेकर मान्यता है कि जो भी एकादशी का व्रत रखता है, उसपर भगवान विष्णु के साथ-साथ मां लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है।

13 महीने पहले भी इसी तरह आई थी तीन एकादशियां जुलाई 2024 में तीन एकादशियां होने से इस माह में भगवान विष्णु की आराधना अधिक फलदायी होती है। ऐसा ही संयोग मई 2023 में भी आया था। इस बार तीन एकादशियों में दूसरी एकादशी देवशयनी एकादशी है। इस एकादशी से चातुर्मास शुरू हो जाएंगे। चातुर्मास के दौरान मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है। हालांकि धर्म-कर्म और दान-पुण्य के लिए चातुर्मास अनुकूल माना जाता है। मान्यता है कि इस अवधि के दौरान सृष्टि का संचालन भगवान शिव करते हैं और भोलेनाथ चातुर्मास में किए गए दान-पुण्य, पूजा और पाठ से जल्द प्रसन्न होकर भक्तों को इच्छित वर देते हैं। इसलिए इन 4 महीने भगवान शिव और विष्णु की पूजा करनी चाहिए। चातुर्मास में पवित्र स्थानों की यात्रा करना बहुत शुभ माना जाता है।

डॉ. अनीश व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

2 जुलाई को मनाई गई योगिनी एकादशी

आषाढ़ कृष्ण की योगिनी एकादशी विशेष योग संयोग लेकर आई। एकादशी तिथि सोमवार सुबह 10:27 बजे से शुरू हुई, जो मंगलवार को सुबह 8:43 बजे तक रही। उदियात तिथि में एकादशी होने से मंगलवार के दिन ही एकादशी का व्रत रखा। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और त्रिपुष्कर योग के साथ-साथ गजकेसरी योग का भी विशेष संयोग था। मंगलवार को सुबह 11:14 बजे तक चंद्रमा भी वृष राशि में रहे।

17 जुलाई को देवशयनी एकादशी

आषाढ़ शुक्ल पक्ष 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी मनाई जाएगी। इस दिन से भगवान विष्णु क्षीर सागर में चार माह तक शयन करेंगे। इन चार माह को ही चातुर्मास के रूप में माना जाता है। कर्क राशि के सूर्य से तुला राशि के सूर्य तक चातुर्मास मनाया जाता है। देवशयनी एकादशी का प्रारंभ 16 जुलाई को रात 8:34 बजे से 17 जुलाई को रात 9:03 बजे तक रहेगी। मगर इसे उदयी तिथि को मनाई जाएगी। इस एकादशी पर भी सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि और राजयोग का विशेष संयोग बनेगा।

31 जुलाई को कामिका एकादशी

कामिका एकादशी 31 जुलाई को मनाई जाएगी, जो विशेष फलदायी रहेगी। ऐसी मान्यता है कि मनोकामना की पूर्ति के लिए भगवान विष्णु का पूजन-अर्चन करने के बाद विष्णु सहस्त्रनाम, गोपाल सहस्त्रनाम के पाठ करेंगे तो उन्हें विशेष फल मिलेगा । इस दिन भी संयोग से सर्वार्थ सिद्धि योग, कुमार और राजयोग रहेगा। चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृष में रहेगा। यह तिथि 30 जुलाई को दोपहर बाद 4:45 बजे से 31 जुलाई को शाम 3:56 मिनट तक रहेगी।

पूजा के दौरान इन मंत्रों का करें जप

विष्णु गायत्री मंत्र

ॐ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णुः प्रचोदयात्।।

विष्णु मंगल मंत्र

मङ्गलम् भगवान विष्णुः, मङ्गलम् गरुणध्वजः। मङ्गलम् पुण्डरी काक्षः, मङ्गलाय तनो हरिः।।

एकादशी पर करें कार्य

सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि और नित्यकर्मों से निवृत्त हो जाएं। घर के मंदिर में साफ-सफाई कर भगवान विष्णु का अभिषेक करें। भगवान विष्णु को देसी घी का दीपक लगाएं और उन्हें पंचामृत चढ़ाएं। एकादशी तिथि पर विष्णु सहस्रनाम का पाठ करना शुभ माना गया है। एकादशी पर हवन अनुष्ठान करना चाहिए। ब्राह्मणों को भोजन कराना शुभ माना गया है। जरूरतमंदों को कपड़े दान करना चाहिए। मंदिर जाकर भगवान विष्णु के दर्शन करें।

हिन्दू धर्म के ये प्राचीन संस्कार, सिर्फ परंपरा नहीं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी हैं जरूरी, जानें सब

हिंदू धर्म में संस्कारों का महत्वपूर्ण स्थान है । यह धार्मिक क्रियाएं न केवल आध्यात्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं। बल्कि जीवन के विभिन्न चरणों में शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को भी प्रोत्साहित करती हैं। पंडित राजबहदुर शुक्ला बताते है कि इन संस्कारों के पीछे एक बड़ा आध्यात्मिक कारण है। इसके पीछे छिपेकई गुण है। आइए जानें कुछ प्रमुख हिंदू संस्कारों के बारे में है।

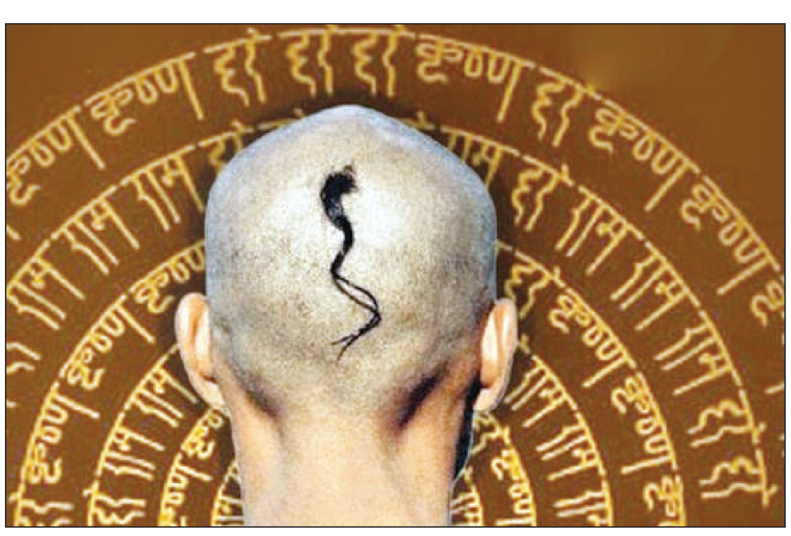

मुंडन संस्कार शिशु के जीवन का महत्वपूर्ण संस्कार है। जो सामान्यतः बच्चे के पहले या तीसरे वर्ष में किया जाता है। इस संस्कार में बच्चे के सिर के बाल मुंडवाए जाते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मुंडन से पिछले जन्म के पाप और दोष समाप्त हो जाते हैं। इससे शिशु के जीवन में सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो इससे बालों की जड़ें मजबूत होती हैं।

अन्नप्राशन (पसनी)

अन्नप्राशन संस्कार बच्चे के जीवन में पहला अन्न खाने का संस्कार है। जो सामान्यतः छह महीने की आयु में किया जाता है। इसमें बच्चे को पहली बार ठोस आहार दिया जाता है।

यह संस्कार बच्चे के शारीरिक विकास और पोषण के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यह संस्कार बच्चे के स्वास्थ्य, दीर्घायु और शुभ भविष्य के लिए किया जाता है।

कर्णवेध (कंचेदन)

कर्णवेध संस्कार बच्चे के कान छेदने का संस्कार है। यह संस्कार सामान्यतः शिशु के पहले या तीसरे वर्ष में किया जाता है। धार्मिक दृष्टिकोण से कर्णवेध संस्कार जीवन में सुख और समृद्धि लाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, यह एक्यूपंक्चर की तरह कार्य करता है, जिससे शरीर की ऊर्जा संतुलित रहती है और स्वास्थ्य लाभ मिलता है।

शिखा रखना

हिंदू धर्म में शिखा (चोटी) रखने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शिखा रखने से व्यक्ति की स्मरण शक्ति और आध्यात्मिक शक्ति में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, यह मस्तिष्क की ऊर्जा को नियंत्रित करने और स्मरण शक्ति को बढ़ाने में सहायक होती है।

उपनयन संस्कार (व्रतबंध)

उपनयन संस्कार, जिसे व्रतबंध भी कहा जाता है। हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण संस्कार है। यह संस्कार सामान्यतः बालक के आठवें या बारहवें वर्ष में किया जाता है। इसमें बालक को यज्ञोपवीत (जनेऊ) धारण कराया जाता है और वेदों का अध्ययन करने की अनुमति दी जाती है। धार्मिक दृष्टिकोण से, यह संस्कार बालक को धार्मिक और नैतिक शिक्षा प्रदान करता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, यह बालक के मानसिक और बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करता है।

चंदन लगाना

चंदन लगाना हिंदू धर्म में शीतलता और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक दृष्टिकोण से, यह देवताओं की कृपा प्राप्त करने और बुरी शक्तियों से बचाव का माध्यम है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, चंदन त्वचा को ठंडक प्रदान करता है। मानसिक शांति को बढ़ावा देता है।इन सभी संस्कारों का हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण स्थान है। ये जीवन के हर चरण में व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास में सहायक होते हैं। संस्कार न केवल धार्मिक आस्था का हिस्सा हैं, बल्कि इनमें निहित वैज्ञानिक तथ्यों से भी हमारा स्वास्थ्य और जीवन लाभान्वित होता है।

आषाढ़ विनायक चतुर्थी कल

नोट कर लें तारीख और मुहूर्त, जानें क्यों न करें चंद्रमा का दर्शन

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को विनायक चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। इस दिन व्रत रखकर विघ्नहर्ता श्री गणेश जी की पूजा करते हैं। इस व्रत में चंद्रमा की पूजा करना वर्जित है और उसका दर्शन करना भी मना है। विनायक चतुर्थी के दिन गणपति बप्पा के मंत्रों का जाप करने से मनोकामनाएं सिद्ध हो सकती हैं। आषाढ़ की विनायक चतुर्थी जुलाई की भी विनायक चतुर्थी होगी।

कब है और पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है?

किस दिन है विनायक चतुर्थी?

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 9 जुलाई मंगलवार को सुबह 6 बजकर 08 मिनट से होगी। इस तिथि की समाप्ति 10 जुलाई बुधवार को सुबह 7 बजकर 51 मिनट पर होगी। पूजा मुहूर्त के आधार पर विनायक चतुर्थी व्रत 9 जुलाई को रखा जाएगा।

विनायक चतुर्थी मुहूर्त

जो लोग 9 जुलाई को विनायक चतुर्थी का व्रत रखेंगे, वे गणेश जी की पूजा दिन में 11 बजकर 3 मिनट से शुरू कर सकते हैं। विनायक चतुर्थी पूजा का शुभ मुहूर्त 11:03 ए एम से दोपहर 01:50 पी एम तक है।

शादी के 7 शुभ मुहूर्त, शुक्र हुए उदय, अब होंगे मांगलिक कार्य

शादियों का सीजन एक बार फिर से शुरू होने वाला है। सुख समृद्धि और विवाह के लिए कारक ग्रह शुक्र देव उदय हो चुके हैं। मई के पहले सप्ताह में तारा अस्त होने के साथ ही शादी की शहनाइयों पर ब्रेक लग गया था लेकिन शुक्र एक बार फिर उदय हो चुके हैं। ऐसे में इस माह यानी जुलाई में 9 से 17 जुलाई तक शादी के शुभ मुहूर्त है। 17 जुलाई से देवशयनी एकादशी से फिर से शादी विवाह जैसे कार्यों पर ब्रेक लग जाएगा।

शुक्र उदय होने के साथ ही मांगलिक कार्य जैसे शादी विवाह शुरू हो जाते हैं, लेकिन इस माह में 13 दिन का अशुभ पक्ष चल रहा है लिहाजा शुक्र उदय होने के एक सप्ताह बाद मांगलिक कार्य शुरू हो गए है। शुक्र को भौतिक सुखों, समृद्धि और वैभव का कारक ग्रह माना जाता है। शुक्र के अस्त होने पर कई मांगलिक कार्यों को करने की मनाही होती है। खासकर शादी करना इस दौरान शुभ नहीं माना जाता हैं। इस साल जुलाई, नवम्बर और दिसंबर महीनों में कई शुभ मुहुर्त बन रहे है।

शुरू हुए मांगलिक कार्य

लगभग सवा दो माह के बाद शुक्र देव मिथुन राशि में उदय हुए हैं। आज से आषाढ़ शुक्ल पक्ष शुरू हो गया है। शुक्र उदय होने के बाद ही विवाह-उत्सवों की धूम सुनाई देगी। हिंदू धर्म के सभी मांगलिक कार्य जैसे विवाह, जनेऊ, मुंडन, गृह प्रवेश, भूमि पूजन, भवन निर्माण, वाहन खरीद, आभूषण संग्रहण आदि शुक्र ग्रह के उदय होने के साथ ही आरंभ होते हैं।

सिर्फ 7 दिन विवाह के शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार 9 जुलाई से 17 जुलाई तक शुभ लग्न मुहूर्त हैं। इसके बाद चातुर्मास प्रारंभ हो जाएगा। 17 जुलाई से देवशयनी एकादशी से फिर शादी विवाह जैसे कार्यों पर ब्रेक लग जाएगा। इस माह में 9, 11, 12, 14,15, 16 और 17 जुलाई को विवाह के शुभ मुहूर्त है।

मनचाहा जीवन साथी पाने के लिए सिर्फ पढ़ लिजिए ये मंत्र

चट मंगनी पट ब्याह के बनेंगे संयोग

आषाढ़ महीने में आने वाली गुप्त नवरात्रि इस साल 6 जुलाई से शुरू हो गई है। 9 दिन चलने वाली यें गुप्त नवरात्रि जुलाई महीने की 15 तारीख तक रहने वाली है। इसमें भी 9 दिन मां - भगवती के नौ रूपों की अलग-अलग तरह से आराधना की जाती हैं। धार्मिक मान्यताओं के हिसाब से आषाढ़ मास में आने वाली गुप्त नवरात्रि का भी उतना ही महत्व जितना की चैत्र और शारदीय मास की नवरात्रि का।

ज्योतिषी तो 9 दिन चलने वाली इन गुप्त नवरात्रियों को गुप्त विधान कहते हैं। बड़े-बड़े सिद्धजन ऋषिजन और वैदिक ब्राह्मण चैत्र और शारदीय नवरात्रयों में तो अनुष्ठान करते हैं। लेकिन गुप्त नवरात्रों में सभी बड़े सिद्धजन और ऋषिजन स्वयं अपना ही भजन करते हैं।

बलवान शक्तियों से भरपूर है गुप्त नवरात्री

कर्मकांड ज्योतिषी पंडित मनीष उपाध्याय बताते हैं कि यह गुप्त नवरात्रि कोई छोटी शक्ति नहीं है। यह भी शारदीय और चैत्र मास की नवरात्रियों की शक्तियों की तरह ही बलवान शक्तियों से भरपूर है। ऐसे में इन 9 दिन की गुप्त नवरात्रियों में भी लोग कुछ उपाय करके मां भगवती की कृपा से अपने कई बड़े कार्य सिद्ध कर सकते हैं। विशेषकर, विवाह में विलंब होने से परेशान अविवाहित लोग आषाढ मास की गुप्त नवरात्रि कुछ खास उपाय कर सकते हैं। इसमें ज्योतिषी मनीष उपाध्याय ने कन्या और युवा दोनों के लिए अलग-अलग उपाय बताए है।

कन्याओं के लिए यह उपाय

ज्योतिषी उपाध्याय ने बताया है कि जिन कन्याओं का विवाह नहीं हो रहा है या फिर विवाह में विलंब या अड़चन आ रही है। ऐसी कन्याएं गुप्त नवरात्रा में शुद्ध ऊनी आसन बिछाकर, उत्तर दिशा की ओर मुख करके और एक घी का दीपक जलाकर, कात्यानी मैया के इस मंत्र का जाप जरूर करें। इस मंत्र के जाप करने से उनको सुयोग्य वर की प्राप्ति होगी।

कात्यायनी महामाये , महायोगिन्यधीश्वरी। नन्दग-ोपसुतं देवी, पति मे कुरु ते नमः।।

अविवाहित पुरुष करें यह उपाय

ज्योतिषी उपाध्याय ने गुप्त नवरात्रि में अविवाहित पुरुषों और युवाओं के लिए भी विवाह के लिए एक खास उपाय बताया है। इसमें ऐसे युवा जिनके विवाह में रुकावट पैदा हो रही है। वें इस मंत्र का 108 बार जाप कर सकते हैं। इस मंत्र के जाप से उन्हें अवश्य ही सुयोग्य वधु की प्राप्ति होगी।

पत्नीं मनोरमां देहि मनोवृत्तानु सारिणीम्। तारिणींदुर्गसं सारसागरस्य कुलोद्भवाम्

बिना मुहूर्त के करना है शादी, तो 15 जुलाई का दिन है बेहद खास

ज्योतिष गणना के अनुसार 2 जुलाई को शुक्र के तारे का उदय हो गया है। इससे पहले 1 जून को गुरु के तारे का उदय हो चुका है। विवाह आदि मांगलिक कार्यों के लिए गुरु व शुक्र के तारे का उदय होना आवश्यक है। ऐसे में शुभमांगलिक कार्यों के लिए एक पखवाड़े का समय शेष है।

भड़ली नवमी कब मनाई जाएगी?

15 जुलाई को भड़ली नवमी के रूप में विवाह आदि मांगलिक कार्यों के लिए आखिरी बड़ा मुहूर्त है। 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी के साथ ही चातुर्मास का आरंभ हो जाएग। इसके बाद मांगलिक कार्यों के लिए चार माह इंतजार करना पड़ेगा।

शुभ कार्यों के लिए गुरु-शुक्र का उदित होना आवश्यक

ज्योतिषाचार्य पं.अमर डब्बावाला ने बताया विवाह, मुंडन, यज्ञोपवीत, गृह आरंभ, गृह प्रवेश आदि मांगलिक कार्य संपादित करने के लिए शुभ मुहूर्त का होना आवश्यक है। यह कार्य तभी सफल माने जाते हैं, जब गुरु व शुक्र के तारे उदित अवस्था में हो।

15 जुलाई को अबूझ मुहूर्त

धर्मशास्त्र के इस मत के अनुसार गुरु व शुक्र के तारे का उदय होने के बाद जुलाई माह में एक बार फिर से मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो रही है। मुहूर्त चिंतामणि के अनुसार 15 जुलाई को भड़ली नवमी के रूप में आखिरी बड़ा मुहूर्त रहेगा।

भड़ली नवमी को अबूझ मुहूर्त भी कहा गया है, इस दिन किसी भी प्रकार के मांगलिक कार्य हेतु मुहूर्त की आवश्यकता नहीं रहती है। अर्थात चातुर्मास के पहले विद्वान पंडितों से मुहूर्त निकलवाकर विवाह, गृह प्रवेश, गृह आरंभ सहित अन्य मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं।

40 की उम्र में भी नहीं थम रही आमना शरीफ की हॉटनेस

टीवी एक्ट्रेस आमना शरीफ आए दिन अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर आते ही फैंस के बीच तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश अवतार देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।आमना शरीफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपनी इन फोटोज को क्लिक करवाते हुए पिंक कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा स्टनिंग लग रहे हैं।आमना शरीफ जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक की तारीफ करते नहीं थकते हैं।हाई हील्स, हाथों में छोटा सा बेग, ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।आमना शरीफ आए दिन अपने नए-नए लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक स्टाइल लोगों के बीच शेयर होते ही ट्रेंड करने लगता है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस आमना शरीफ स्विमिंग पूल के पास खड़े होकर एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।वहीं, एक्ट्रेस आमना शरीफ के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार वेब सीरीज आधा इश्क में नजर आई थीं। इस सीरीज में उन्हें मां के रोल में देखा गया था।

विक्की कौशल, त्रिप्ति डिमरी और एमी विर्क स्टारर बैड न्यूज का पहला गाना तौबा तौबा जारी

आनंद तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म बैड न्यूज पिछले लंबे वक्त से जबरदस्त चर्चा में है।यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके जरिए पहली बार विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की जोड़ी देखने को मिलेगी।एमी विर्क भी इस फिल्म महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। तीनों की तिकड़ी देखने के लिए दर्शक बेताब हैं।अब निर्माताओं ने बैड न्यूज का पहला गाना तौबा तौबा जारी कर दिया है, जिसे करण औजला ने अपनी आवाज दी है।इस गाने के बोल करण ने लिखे हैं, वहीं गाने का संगीत भी उन्होंने ही तैयार किया है। यह फिल्म 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।कॉमेडी के साथ रोमांस के तड़के से भरपूर इस फिल्म के निर्माता करण जौहर हैं।नेहा धूपिया भी इस फिल्म में अभिनय करती नजर आएंगी।इस फिल्म की कहानी भी साल 2019 में आई करीना कपूर और अक्षय कुमार की फिल्म गुड न्यूज की तरह एक बच्चे के इर्द-गिर्द घूमती है।

विक्की ने तौबा तौबा गाने का म्यूजिक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे कुछ कठिन डांस मूव्स को बड़ी ही आसानी से करते नजर आ रहे हैं।उन्होंने क्लिप के कैप्शन में लिखा, पंजाबी गाना और मैं डांस न करूं? चलो चलें, तौबा तौबा गाना अभी रिलीज हुआ है। यह पहली बार नहीं है जब विक्की ने पंजाबी गाने पर डांस किया हो।पिछले साल विक्की रियार साब और अभिजय शर्मा के गाने ऑब्सेस्ड पर ऑल-ब्लैक आउटफिट में डांस करते हुए वायरल हुए थे।उनके डांस मूव्स ने इस गाने को म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म स्पॉटिफाई पर भारत के टॉप 50 हिट्स में दूसरे स्थान पर पहुंचाया।तौबा तौबा गाने में विक्की कौशल शानदार डांस करते दिखाई दे रहे हैं। गाने की एक-एक बीट पर एक्टर ने अपनी डांसिंग स्किल को दिखाया है। वहीं तृप्ति डिमरी भी इसमें अपनी अदाओं का जादू दिखा रही हैं। रिलीज के कुछ घंटों बाद ही गाने ने सोशल मीडिया पर धमाल कर दिया है।फिल्म दो पंजाबी लड़कों और एक ईसाई हिंदू लड़की की कहानी के बारे में है।

कल्कि के तूफान में किल हुई फुस्स

पहले दिन एक्शन फिल्म 1.25 करोड़ ही कर पाई कलेक्शन

निखिल नागेश भट्ट द्वारा निर्देशित और लक्ष्य, तान्या मानिकतला, राघव जुयाल स्टारर फिल्म किल रिलीज हो गई है। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर प्रभास की कल्कि 2898 एडी से मुकाबला करना पड़ा है।ऐसे में कल्कि के आगे किल की शुरुआत काफी धीमी रही। चलिए यहां जानते हैं फिल्म ने रिलीज के पहले दिन कितना कलेक्शन किया है?बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों मल्टी स्टारर और बड़े बजट में बनी फिल्म कल्कि 2898 एडी का तूफान आया हुआ है। फिल्म रिलीज के पहले दिन से बंपर कमाई कर रही है और कई रिकॉर्ड भी ब्रेक कर रही है। ऐसे में कल्कि के आगे राघव जुयाल की किल इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। किल की अच्छी मार्केटिंग की गई थी लेकिन नतीजे निराशाजनक रहे हैं। फिल्म की शुरुआत काफी ठंडी रही है और ये रिलीज के पहले ही दिन थिएटर्स में ऑडियंस के लिए तरसती हुई नजर आई। वहीं अब फिल्म की रिलीज के पहले दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं।सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक किल रिलीज के पहले दिन 1.25 करोड़ रुपये की कमाई कर पाई है। हालांकि ये शुरुआती आंकड़े हैं ऑफिशियल डाटा आने के बाद इनमें थोड़ा-बहुत बदलाव हो सकता है।

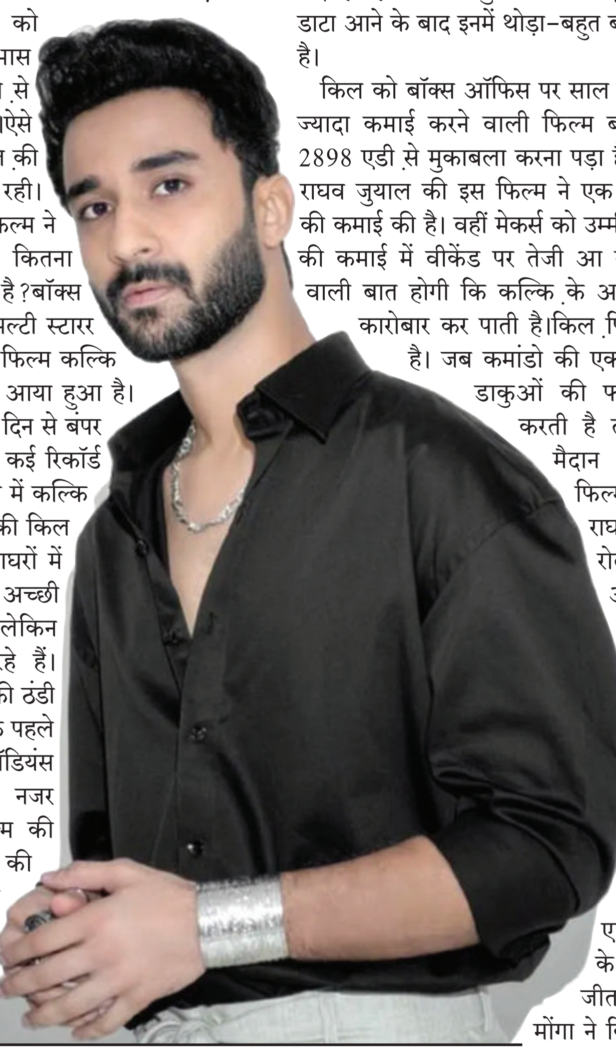

किल को बॉक्स ऑफिस पर साल 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी कल्कि 2898 एडी से मुकाबला करना पड़ा है। इसके बावजूद राघव जुयाल की इस फिल्म ने एक करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। वहीं मेकर्स को उम्मीद है कि किलळ की कमाई में वीकेंड पर तेजी आ सकती है। देखने वाली बात होगी कि कल्कि के आगे किल कितना कारोबार कर पाती है।किल फिल्म ट्रेन में बनी है। जब कमांडो की एक जोड़ी हमलावर डाकुओं की फोर्स का सामना करती है तो ट्रेन युद्ध का मैदान बन जाती है। फिल्म में लक्ष्य और राघव जुयाल ने लीड रोल प्ले किया है। अन्य कलाकारों में हर्ष छाया, आशीष विद्यार्थी और तान्य मानिकतला हैं। फिल्म का निर्माण करण जौहर और डॉक्यूमेंट्री फिल्म एलिफेंट व्हीस्पर्स के लिए ऑस्कर जीतने वाली गुनीत मोंगा ने किया है।

अवार्ड शो में शारिब से एक पल की मुलाकात और हो गई दोस्ती: अमृता खानविलकर

एक्ट्रेस अमृता खानविलकर अपकमिंग सस्पेंस और मिस्ट्री थ्रिलर 36 डेज को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस सीरीज में उनके को स्टार शारिब हाशमी हैं। अमृता, शारिब की दोस्ती को अहम मानती हैं और उस पल को अनमोल मानती हैं जब दोनों मिले थे।दिलचस्प बात यह है कि दोनों का कनेक्शन 2021 से है तब जब अमृता ने शारिब को उनका पहला ओटीटी अवार्ड थमाया था। अब यह दोनों 36 डेज में रील-लाइफ जोड़ी के तौर पर दिखेंगे।सीरीज के रिलीज होने से पहले अमृता ने शारिब संग दोस्ती का किस्सा शेयर किया। उन्होंने 2021 के एक अवार्ड फंक्शन का जिक्र किया।अमृता खानविलकर ने कहा, हम पहली बार एक ओटीटी अवार्ड फंक्शन में मिले थे और एक ही पल में दोस्ती की चिंगारी भड़क उठी थी। मैंने शारिब को उनका पहला ओटीटी अवार्ड सौंपा था और वो मेरे लिए एक गर्व का पल था क्योंकि मैं जानती थी कि वो एक समर्पित और टैलेंटेड अभिनेता हैं।

अमृता ने कहा, अपने काम के लिए शारिब का समर्पण सच में प्रेरणादायक है। वेब सीरीज 36 डेज में उनके साथ काम करना बेहतरीन एक्सपीरियंस रहा है। हमारे किरदार- ललिता और विनोद एक मजबूत और गहरा रिश्ता शेयर करते हैं और ऐसे संबंधों को प्ले करना सच में चैलेंजिंग (चुनौतीपूर्ण) और फुलफिलिंग था। उन्होंने आगे कहा, ऐसा अक्सर नहीं होता है कि आपको ऐसा को-स्टार मिले जो आपकी परफॉर्मेंस के स्तर को बढ़ाए, लेकिन शारिब के साथ बिल्कुल वैसे को स्टार हैं। फिलहाल मैं दर्शकों के रिएक्शन को लेकर उत्साहित हूं। देखना चाहती हूं कि वो सीरीज में हमारे बीच की केमिस्ट्री और इमोशन्स की गहराई को देख कैसे रिएक्ट करते हैं।सीरीज 36 डेज में शारिब ने विनोद शिंदे का किरदार निभाया है। वह गोवा के होटल एमराल्ड ओशन्स स्टार सुइट में जनरल मैनेजर हैं। तो अमृता ने ललिता का किरदार निभाया है, जिसका अतीत उथल-पुथल भरा है।सीरीज 36 डेज में नेहा शर्मा, पूरब कोहली, सुशांत दिवगीकर, श्रुति सेठ और चंदन रॉय सान्याल भी हैं। 36 डेज का प्रीमियर 12 जुलाई को सोनी लिव पर होगा।

अजय-तबू की औरों में कहां दम था की नई रिलीज डेट अनाउंस

2 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

अजय देवगन और तबू स्टारर मच अवेटेड फिल्म औरों में कहां दम था को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है। इस फिल्म के ट्रेलर के बाद से तो इसका काफी बज बना हुआ है। ये फिल्म पहले 5 जुलाई 2024 को रिलीज होने वाली थी। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट टाल दी गई थी। फाइनली फिल्म की लीड स्टार्स ने औरों में कहां दम था की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। चलिए जानते हैं अजय और तबू की ये रोमांटिक ड्रामा बड़े पर्दे पर कब दस्तक देगी?औरों में कहां दम था का निर्माण करने वाली कंपनी फ्राइडे फिल्मवर्क्स ने 3 जुलाई को इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर कर अनाउंस किया था कि फिल्म की रिलीज की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। नोट पर ये भी लिखा गया था कि नई रिलीज़ डेट जल्द ही घोषित की जाएगी। तब से फैंस मेकर्स द्वारा रिलीज की तारीख की घोषणा का इंतजार कर रहे थे और आज फाइनली फिल्म की नई रिलीज डेट अनाउंस कर दी गई है।अजय और तबू ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी नई रिलीज डेट अनाउंस की है। इसके मुताबिक ये फिल्म 2 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, इंतजार 2 अगस्त को खत्म होगा! (रेड हार्ट इमोजी)।इसका मतलब है कि फैंस को सिनेमाघरों में रोमांटिक थ्रिलर देखने के लिए लगभग एक महीने और इंतजार करना होगा। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित, औरों में कहां दम था में जिमी शेरगिल, शांतनु माहेश्वरी और सई मांजरेकर के साथ अजय देवगन और तबू मुख्य भूमिका में हैं। रोमांटिक थ्रिलर कृष्णा (अजय) और वसुधा (तब्बू) के किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो 22 साल तक अलग रहने के बाद फिर से एक-दूसरे से मिलते हैं।बता दें कि अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था की नई रिलीज डेट 2 अगस्त अनाउंस की गई है। ऐसे में ये फिल्म विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट से क्लैश करेगी। देखने वाली बात होगी कि दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म करती है और कौन किस पर भारी पड़ती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज इष्ट मित्रों के साथ तीर्थ यात्रा का योग बन रहा है. परिवार के किसी सदस्य के साथ मंदिर में दर्शन के लिए भी जा सकते हैं. अगर आप कोई नया बिजनेस शुरू करना चाह रहे हैं, तो संबंधित क्षेत्र से जुड़े लोगों से एक बार सलाह जरूर ले लें. माता–पिता के आशीर्वाद से आज आपको काम में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे. दूसरों पर आपके काम और व्यवहार का पॉजिटिव असर पड़ेगा. पैसों से जुड़ा कोई पुराना लेन–देन सुलझ सकता हैं । छात्रों के लिए समय अच्छा रहेगा. हनुमानाष्टक का पाठ करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सुबह अरुणोदय के समय सूर्यको जल अर्पण करें और प्रणाम करें दिन भर शरीर मे उर्जा रहेगी जिसकी आप को जरुरत हैं । आप अपने प्रयास में अत्यधिक सफल भी होंगे । आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के परिवार के साथ संतोषमय जीवन का लाभ उठाएंगे.स्वास्थ्य के लिहाज से आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं. काम से फुर्सत लेकर कुछ रिलैक्स करें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज कुछ दिक्कतें जरुर बन रही हैं परन्तु पैसों के मामले में आपका काम नहीं रुकेगा. आय के स्रोत यथावत रहेंगे . लोगों के मन में क्या चल रहा है, यह सोच कर चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं आप खुद समझदारी से निर्णय करें निजी और पारिवारिक जीवन में सफलता और संतुष्टी मिल सकती है. बिजनेस में मेहनत के दम पर सफलता मिलने के योग हैं. खर्चा करने के मामलों में मन पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें. पारिवारिक मामले आसानी से सुलझ सकते हैं. सामाजिक कार्य के कारण आप तारीफ के पात्र होंगे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज विरोधी हानि पहुंचा सकते हैं परन्तु न्याय आप के पक्ष मे होगा व्यवसाय लाभदायक रहेगा. परिवार के साथ जीवन सुखमय रहेगा.. यात्रा मे भरपूर आनंद आएगा शिक्षा के क्षेत्र से जुडे हुए लोग पदोन्नति को प्राप्त होंगे घर सदस्यों के साथ कुछ मतभेद होंगे. किसी मित्र से जुड़ी हुई बुरी खबर आज सुनने को मिल सकती है. नौकरी में ऊपरी अधिकारियों की ओर से समर्थन मिलेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज व्यापारियों के साथ यात्रा का योग बन रहा हैं . महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है. आपको पेट से जुड़ी कोई समस्या हो सकती है. आज कोई व्यक्ति आपके विचारों को दबाने की कोशिश कर सकता है. आपको अपनी बातें दूसरों से शेयर करने से बचना चाहिए. आपकी आय में वृद्धि होने की उम्मीद नजर आ रही है । मेहनत का फल आपको जरूर मिलेगा. दाम्पत्य जीवन को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको गलतफहमी में पड़ने से बचना होगा. कन्याओं को हलुआ पूरी खिलाए ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज अनजान व्यक्ति पर भरोसा करना चिंता का कारण बनेगा सतर्क रहने का प्रयास करें. तीव्र प्रगति के बावजूद आज आपको धीरे–धीरे आगे बढ़ने और व्यवस्थित रूप से काम करने की आवश्यकता है. आपको अनुशासित रहना चाहिए . वित्तीय मामलों में आपको संयम बरतना चाहिए और कोई भी नई प्रतिबद्धता बनाने से पहले दो बार सोचना चाहिए. पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा. कुंवारे जातको को खुशखबरी मिलेगी ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप आगें आकर रुके हुए काम को अपने हाथ मे लेनी की जरुरत होगी लेकिन दूसरों के निर्देशों को मानते हुए काम करना हो, आप के लिए मुश्किलें पैदा करेगा कामकाज ज्यादा रहेगा. आज मेहनत भी ज्यादा हो सकती है. इससे आपको बड़ा फायदा होगा. कोई नई चीज सीख सकते हैं. मांगलिक समारोह में भी शामिल होने के योग हैं. नये लोगों से मिलना फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप लेखक कार्य से जुडे हुए हैं या शिक्षा क्षेत्र मे अपना योगदान दे रहे हैं तो अधिक महनत करनी पड सकती हैं । जोखिम व जमानत के कार्य टालें. विवेक से कार्य करें. मनोरंजन के साधनों पर जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें. किसी करीबी व्यक्ति से दूर हो सकते हैं. अचानक से आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है. किसी के साथ हुआ विवाद झगड़े का रूप धारण कर सकता है. मौन रहकर विवाद से दूरी बना रखें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज बहुत समय बाद लाभ की स्थिति बन रही हैं व्यापारी वर्ग का रूका हुआ काम आज तेजी के साथ आगे बढ़ेगा. आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी. जो वकील हैं, आज उन्हें किसी महत्वपूर्ण केस में सफलता मिलेगी. पार्टनर के साथ कोई नई मूवी देखने जा सकते हैं. जमीन के किसी पुराने लेन–देन से आज आपको फायदा मिल सकता है. जिन छात्रों को करियर संबंधी किसी प्रकार की परेशानी आ रही है, उन्हें आज बड़े भाई या बड़ी बहन से मदद मिलेगी. बच्चों को दूध शक्कर मिठाई दें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज घर परिवार ऑफिस मे सकारात्मक माहौल रहेगा और विकास की राह मिलेगी. आप लाभ के लिए तत्पर हैं. लंबे समय से लंबित पड़ा वांछित काम पूरा होगा. यदि आप विदेश जाने के इच्छुक हैं तो आप अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएंगे. परीक्षा के परिणाम आपके पक्ष में होंगे. पारिवारिक संबंध आनंददायक रहेंगें और परिवार में किसी के लिए पदोन्नति या बेहतरी के संकेत हैं. परिवार के साथ रिलैक्स मूड मे घूमने का प्रोग्राम बनाए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप सम्मानित होंगे सिनीयर आप की प्रशंसा करेंगे पार्टनर से सहयोग ओर फायदा मिल सकता है. नक्षत्रों की स्थिति अच्छी होने से दिन शुभ रहेगा. खर्च–निवेश का फैसला भी खुद ही करें. रोजमर्रा के काम भी समय पर पूरे होने के योग हैं. घर–परिवार और ऑफिस में आपको फायदा हो सकता है. आपको सहयोग भी मिल सकता है. ऐग्रिकल्चर मे इंवेस्टमेंट करें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज चारो ओर लाभ बनता हुआ दिखेगा परन्तु अन्तिम क्षण मे हानि मे परिवर्तित हो जाएगा आपका विचार किसी एक बात पर स्थिर नहीं रहेगा तथा उसमें लगातार परिवर्तन होता रहेगा. स्वभाव में उदासीनता छाई रहेगी. मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें. मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है. विदेश से अच्छी खबर मिलेगी. जो समस्या आपको परेशान कर रही है, उसकी जड़ तक जाने की कोशिश करें. सट्टेबाजी से दूर रहें ।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 08 जुलाई 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया अहोरात्र
नक्षत्र : पुष्य प्रातः 06:03 तक
योग : वज्र रात्रि 02:05 तक
करण : तैतिल सायं 05:31 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– गण्डमूल प्रातः 06:04 से , हिजरी सन् 1446 आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को बनाए जन आंदोलन : बिरला

कोटा, 07 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को पौधे लगाने, उन्हें पोषित करने तथा संरक्षित करने का आग्रह करते हुए लोगों से जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को जन आंदोलन बनाने की अपील की।

इस वर्ष के वन महोत्सव सप्ताह की थीम एक पौधा मां के नाम है। श्री बिरला ने यहां स्थित लव–कुश वाटिका में वन महोत्सव दिवस के उपलक्ष में पौधा रोपण करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा समय में पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस चुनौती से निपटने के लिए लोगों से मां के नाम से एक पौधा लगाने का आग्रह किया है और पूरी दुनिया को यह संदेश देने का काम किया है कि भारत जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने को लेकर कितना गंभीर है।

उन्होंने कहा, मौजूदा समय में जलवायु परिवर्तन एक गंभीर समस्या बनी हुयी है और पूरी दुनिया इस समस्या को लेकर चिंतित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस समस्या के निपटने के लिए मां के नाम पर एक पौधा लगाने की आग्रह किया है और पूरी दुनिया को यह संदेश देने का काम किया है कि भारत इस विकट समस्या को लेकर किस कदर सचेत है तथा इसे रोकने के लिए लगातार कदम उठा रहा है। श्री बिरला ने कहा, जब हम पेड़–पौधे को संरक्षित करेंगे, तभी हमारी आने वाली पीढ़ियां सुरक्षित रह पायेंगी। उन्होंने सांसदों से पौधे लगाने और पर्यावण अनुकूल जीवनशैली को जन आंदोलन बनाने में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा, सभी सांसदों, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल से संबंधित हो, का कर्तव्य है कि वे पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को जन आंदोलन बनाएं। इस मौके पर वनों को संरक्षित करने को लेकर कई लोगों को सम्मानित भी किया गया।

इस समारोह में राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीराल नागर, कोटा (दक्षिण) से भारतीय जनता पार्टी के विधायकसंदीप शर्मा सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि वन महोत्सव वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से शुरू किया गया और एक सप्ताह तक चलने वाला उत्सव है, जो प्रत्येक वर्ष जुलाई के पहले सप्ताह में मनया जाता है। यह 1950 के दशक में पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक परिवेश के प्रति संवेदनशिलता को अभिव्यक्त करने वाला आंदोलन था। इसके सूत्रपात तत्कालीन केंद्रीय कृषि मंत्री के. एम. मुंशी थे।

पीएम मोदी की सोच के अनुरुप क्षेत्र को विकसित करने का प्रयास करुंगा : दुष्यंत

बारां, 07 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में बारां–झालावाड़ क्षेत्र से पांचवी बार निर्वाचित हुए सांसद दुष्यंत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच के अनुरुप ही वह अपने निर्वाचन क्षेत्र को विकसित करने के लिए कटिबद्ध हैं।

बारां में जनता एवं कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देने आए श्री दुष्यंत ने शाहबाद किशनगंज विधानसभा क्षेत्र में रविवार को कहा कि उन्हें किसी पद की लालसा नहीं है, बल्कि जरूरतमंद लोगों के काम करने में खुशी मिलती है। वह चुनाव में दिन रात एक करने वाले कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते रहेंगे। इससे पहले श्री दुष्यंत का रविवार को किशनगंज, शाहबाद क्षेत्र में आयोजित मतदाता आभार कार्यक्रम में कार्यकर्ताओ ने गर्मजोशी से स्वागत किया। किशनगंज पहुंचने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मंडल अध्यक्ष भानुप्रताप सिंह हाडा, भाजपा के वरिष्ठ नेता नाथू लाल नागर, जिला उपाध्यक्ष मनोज चौधरी, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मजिद मलिक कमांडो की अगवाई में पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने सांसद दुष्यंत सिंह, किशनगंज विधायक ललित मीणा, पूर्व जिला अध्यक्ष जगदीश मीणा और नरेश सिकरवार का आतिशबाजी के साथ फूलमाला, साफा बांध कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में श्री दुष्यंत ने अपनी जीत पर सभी मतदाताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत से हम लाखों मतों से विजय हुए यह सब कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है।

इससे पूर्व श्री दुष्यंत ने अपनी धन्यवाद यात्रा बारां शहर समेत बारां अटरू विधानसभा क्षेत्र से शुरु की। उनके साथ विधायक राधेश्याम बैरवा, जिला अध्यक्ष नंदलाल सुमन, शहर मंडल अध्यक्ष महावीर नामा साथ रहे। उसके बाद विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करते हुए अंता – मांगरोल विधानसभा क्षेत्र की जनता एवं कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया।

कार सड़क पर खड़े ट्रक में घुसी दो की मौत, सात घायल

जयपुर, 07 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर जिले के किशनगढ़ में बांदरसिंदरी थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार को एक कार सड़क के किनारे खड़े ट्रक में घुस गई जिसमें एक मासूम बालिका एवं उसके पिता की मौत हो गई तथा सात लोग घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ईको कार में अजमेर निवासी कार सहित नौ लोग सवार थे, जो खाटूश्यामजी दर्शन कर लौट रहे थे। बांदरसिंदरी थाना क्षेत्र के पाटन गांव में तेज रफ्तार कार हाईवे पर किनारे खड़े ट्रक में घुस गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में रवि सिन्धी (35) और उसकी डेढ़ साल की बेटी प्राक्षी की मौत हो गई। जबकि रवि की पत्नी पूनम (34), बड़ी बेटी साक्षी (9), रवि की मां पुष्पा (58), पहाडगंज अजमेर निवासी मुकेश (38), मुकेश की पत्नी भूमिका (37), मुकेश की बेटी रवीना (14) और कार ड्राइवर जितेन्द्र (32) गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में घायल सभी लोगों को किशनगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विधायक ने शुरु किया नदी में सफाई अभियान

चित्तौड़गढ़, 07 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ शहर में गंदगी से अटी पड़ी गंभीरी नदी की सफाई के मामले में नगर परिषद की उदासीनता के चलते विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने शहरवासियों के साथ एक सप्ताह का सफाई अभियान छेड़ दिया है।

शहर के मध्य बहने वाली गंभीरी नदी में पिछले पांच सालों से अल्प वर्षा के चलते ठहरे हुए पानी में शहर की गंदगी भरने के साथ ही सम्पूर्ण नदी में जलकुंभी ने अपने पैर पसार लिए जिससे वहां दुर्गंध फैलना शुरू हो गई। कुछ समय पूर्व शहरवासियों ने नगर परिषद से सफाई की मांग भी की, लेकिन परिषद ने मांग को अनसुना कर दिया।

इससे तंग आकर लोगों की मांग पर रविवार सुबह आठ बजे से विधायक आक्या ने अपने समर्थकों, भाजपा के पूर्व पदाधिकारियों, सभापति एवं सैंकड़ों शहरवासियों के साथ नदी में सफाई अभियान प्रारंभ कर दिया।

बुजुर्ग को कार चालक ने रौंदा, मौके पर ही मौत

नारनौल, 07 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के नारनौल में सुबह टहलने जा रहे बुजुर्ग को एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। इससे वह नीचे गिर गया और चालक उसके ऊपर से गाड़ी चढ़ाते हुए मौके से भाग गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। शव को नारनौल के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। पुलिस शिकायत में नारनौल के मोहल्ला बास निवासी भोलाराम ने बताया कि रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे वह और खतरीपुर निवासी हरपाल टहलने जा रहे थे। इस दौरान हरपाल सिंह उसके आगे चल रहा थे और वह उसके पीछे थे। जब वह निजामपुर पुल से थोड़ा आगे सिंघाना की तरफ जा रहे थे तो इस दौरान एक पीछे से तेज गति से वैगनार कार आई और हरपाल सिंह को पीछे से टक्कर मार दिया।

तेल से से भरे टैंकर में लगी आग चालक ने कूदकर बचाई जान

हिसार, 07 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार कैंट के पास एक चलते तेल के टैंकर में आग लग गई। चालक ने टैंकर से कूदकर अपनी जान बचाई और समय रहते दमकल की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

तेल तक पहुंचने से पहले ही आग को बुझा दिया गया, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। कैंटर चालक राकेश ने बताया कि वह शनिवार को बठिंडा से टैंकर में सड़क बनाने वाला तेल लेकर चला था। यह तेल उसे बहादुरगढ़ लेकर जाना था। शनिवार को वह कैंट के पास एक होटल में सो गया। रविवार सुबह जब वह टैंकर लेकर थोड़ी ही दूर चला कि टैंकर के कैबिन में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। यह देखकर उसने तुरंत टैंकर को सड़क के किनारे लगाया और केबिन से कूद गया। इसी बीच एक राहगीर ने कैंटर में आग लगने की सूचना दमकल को दी। सूचना देने के 10 से 15 मिनट में दमकल की गाड़ी घटना स्थल पर पहुंच गई। हालांकि दमकल के पहुंचने से पहले तक आग पर काबू पा लिया गया था। मगर तब तक पूरा केबिन जल गया।

युवाओं के कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल

जयपुर, 07 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार को युवा वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध बताते हुए कहा हैं कि युवाओं के सपनों को तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

श्री शर्मा ने रविवार को जयपुर में राजपुरोहित ग्लोबल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (राजपुरोहित छात्रावास) का फीता काटकर उद्घाटन किया एवं छात्रावास परिसर का अवलोकन भी किया और इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने हमारी युवा शक्ति को निराशा की गर्त में धकेल दिया था। पेपर लीक की घटनाओं से कड़ी मेहनत करने वाले ईमानदार विद्यार्थियों का मनोबल टूट गया था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनते ही पेपर लीक के मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक व अन्य अनियमितताओं के संबंध में एसआईटी ने ठोस कार्रवाई करते हुए 108 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सपनों को तोड़ने वालों को छोड़ेंगे नहीं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवा शक्ति की राज्य के विकास में सहभागिता बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के लिए इस वर्ष लगभग 70 हजार पदों पर भर्तियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को निजी क्षेत्र में करिअर निर्माण में मार्गदर्शन देने के लिए प्रदेश के समस्त संभाग मुख्यालयों पर युवा साथी केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति और समाज के विकास का मुख्य आधार है। शिक्षा से ज्ञान प्राप्त कर कौशल का विकास होता है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमें आत्मनिर्भर बनाती है और बेहतर जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करती है। युवा वर्ग भारत का भविष्य है, अच्छी शिक्षा हासिल कर वह राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान निभाएं। उन्होंने कहा कि राजपुरोहित समाज शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस छात्रावास का निर्माण शिक्षा के क्षेत्र में समर्पण और सामाजिक सरोकार की सच्ची मिसाल है। यह छात्रावास युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए मजबूत आधार प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता में शामिल हैं। उन्होंने युवा शक्ति को राष्ट्रशक्ति के रूप में पहचान कर उनके लिए अनेक कदम उठाए हैं और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2014 के बाद देश में उच्च शिक्षा संस्थानों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान में खेल आधुनिकीकरण मिशन शुरू कर रही है, जिससे प्रदेश की खेल प्रतिभाएं ओलम्पिक तक पहुंच सकें। श्री शर्मा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि श्री मोदी द्वारा प्रारम्भ किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए एक पेड़ अवश्य लगाएं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने भी कल्पवृक्ष का पौधा लगाया।

सैलजा करेंगी शहरी क्षेत्रों में पदयात्रा

चंडीगढ़, 07 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जुलाई के अंतिम सप्ताह से हरियाणा के शहरी इलाकों में पदयात्रा करने की रविवार को घोषणा की।

कुमारी सैलजा ने यहाँ जारी बयान में कहा कि इसके जरिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का संदेश हर शहरी मतदाता तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 10 साल के कुशासन के बारे लोगों को विस्तार से बताया जाएगा। पद यात्रा का मुख्य लक्ष्य कांग्रेस को शहरी विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा के मुकाबले मजबूत करते हुए निर्णायक बढ़त दिलाना है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के परिणाम का अध्ययन करने पर पता चलता है कि भाजपा ने प्रदेश के जिन 44 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त बनाई, उनमें से अधिकतर शहरी हैं।

विधानसभा चुनाव बिल्कुल सिर पर हैं और ऐसे में कांग्रेस को शहरी विधानसभा क्षेत्रों पर एक नई रणनीति के तहत फोकस करने की जरूरत है। इसलिए यह पदयात्रा निकालने का फैसला किया गया है।कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि शहरी इलाकों में समस्याओं के अंबार हैं। हर तीसरा परिवार प्रॉपर्टी आईडी के भंवर में फंसा है। हर दूसरा परिवार पीपीपी के जंजाल में उलझा है। दुकानदार, व्यापारी रंगदारी मांगने की घटनाओं से खौफ में हैं। जीएसटी ने छोटे दुकानदार का व्यापार चौपट कर दिया है। एक भी शहर ऐसा नहीं है, जिसमें सीवरेज सिस्टम, पेयजल व्यवस्था ठीक हों।

सीएम नायब सैनी ने पानीपत में 31 परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया

पानीपत, 07 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को पानीपत दौरे पर हैं। इस दौरान सीएम ने एसडी विद्या मंदिर में 31 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। वहीं, जम्मू कश्मीर में 11 महीने पहले आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद पानीपत के गांव बिझोल निवासी मेजर आशीष धोंचक की मां ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है।

उन्होंने बहू ज्योति पर सारे लाभ लेकर घर छोड़ जाने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने ज्योति के सरकारी नौकरी के प्रस्ताव को भी खारिज करने की मांग की है। उनकी जगह तीनों में से किसी एक बेटी को नौकरी लगने की मांग की है। प्रदेश के पंचायत राज्यमंत्री महिपाल ढांडा ने भी मंच से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सामने यह मांग रखी है। इस मामले के सामने आने के बाद एक बार फिर शहीदों के माता–पिता का दर्द झलक कर सामने आया। आशीष धोंचक की मां कमला देवी ने बताया कि उसने अपने 25 साल के बेटे को पालकर देश को सेवा के लिए दे दिया था। वह देश की रक्षा के लिए आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद हो गया। अगर उसके पास दूसरा बेटा भी होता तो वह उसको भी सेवा में भेज देती। उसने शहीद आशीष की पत्नी ज्योति को अपने बेटे की तरह रखा, लेकिन ज्योति आशीष की 13वीं के कुछ दिन बाद ही अपने घर चली गई। उसने धीरे–धीरे उनसे मुंह मोड़ना शुरू कर दिया। वह अब अपने मायके जींद में रहती है। वह अपनी पोती से शुरुआत में फोन पर बात कर लेती थी, लेकिन उसके बाद उसको फोन पर बात करने तक से रोक दिया गया। विमला देवी ने कहा कि ज्योति उसके टीडीआई स्थित मकान के एक फ्लोर पर ताला लगाकर चाबी अपने साथ ले गई है। उसने मायका पक्ष के कहने पर उसको अलग से एक फ्लोर भी दिया था।

शुभ लाभ DAILY

अग्निवीर बहाली को लेकर सेना भर्ती बोर्ड का कार्यक्रम जारी, सीतामढ़ी और शिवहर के युवा तारीख कर लें नोट

सीतामढ़ी (एजेंसियां)। आगामी 14 जुलाई को सीतामढ़ी और शिवहर जिले के अभ्यर्थी अग्निवीर के जीडी श्रेणी के लिए शारीरिक दक्षता की प्रक्रिया से गुजरेंगे। बता दें कि शिवहर सीतामढ़ी के सैकड़ों अभ्यर्थी उसमे भाग लेंगे। यह प्रक्रिया मुजफ्फरपुर जिले के चक्कर मैदान में आयोजित होगी।

अभ्यर्थियों को बहाली की तारीख से एक दिन पूर्व शाम सात बजे तक चक्कर मैदान में पहुंचना है। बहाली प्रक्रिया रात एक बजे के बाद शुरू हो जाएगी। इसको लेकर जिला प्रशासन ने बहाली को लेकर चक्कर मैदान सहित 19 जगहों पर दंडाधिकारी-पुलिस पदाधिकारी और चार-चार जवान की प्रतिनियुक्ति की है।

बहाली प्रक्रिया की लिखित परीक्षा में 6194 अभ्यर्थियों ने बाजी मारी है। इनको ही शारीरिक दक्षता के लिए चुना गया है। सर्वाधिक अग्निवीर जीडी (जनरल ड्यूटी) में 4688, टेक्निकल में 432 और ऑफिस सहायक में 121 आगे की प्रक्रिया के लिए चयनित गए हैं। इसके अलावा ट्रेड्समैन से 953 सफल हुए हैं।

बता दें कि चक्कर मैदान में 10 जुलाई से ही अग्निवीर बहाली को लेकर शारीरिक दक्षता जांच होनी है। इसके लिए सेना भर्ती बोर्ड ने जिलावार कार्यक्रम जारी कर दिया। जो 10 से 14 जुलाई के बीच अग्निवीर जनरल ड्यूटी (जीडी) श्रेणी के लिए युवा चक्कर मैदान में बने 400 मीटर के रनिंग ट्रैक पर चार चक्कर लगा दमखम दिखाएंगे।

वहीं, 15 व 16 जुलाई को मुजफ्फरपुर समेत आठ जिलों के अभ्यर्थी विभिन्न श्रेणियों के लिए दौड़ लगाएंगे। पहले दिन यानी 10 जुलाई को समस्तीपुर के युवा जीडी श्रेणी के लिए दौड़ लगाएंगे व अन्य प्रक्रिया पूरी करेंगे। दूसरे दिन 11 जुलाई को पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), 12 को पश्चिम चंपारण (बेतिया) के अभ्यर्थी अपना दम दिखाएंगे।

13 जुलाई को मुजफ्फरपुर व दरभंगा और 14 जुलाई को मधुबनी, सीतामढ़ी और शिवहर के अभ्यर्थी अग्निवीर के जीडी श्रेणी के लिए शारीरिक दक्षता की प्रक्रिया से गुजरेंगे। 15 जुलाई को मुजफ्फरपुर समेत सभी आठ जिला (समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, मोतिहारी, बेतिया, सीतामढ़ी व शिवहर) के अभ्यर्थी अग्निवीर ट्रेड्समैन (आठवीं व दसवीं पास) और 16 जुलाई को सभी आठ जिलों के अभ्यर्थी अग्निवीर ऑफिस सहायक/एसकेटी और अग्निवीर टेक्नीकल के लिए 1600 मीटर की दौड़ पूरी करे सकेंगे।

पुलों के बाद अब सड़क समा रही धरती में

डीएम ऑफिस के सामने रोड धंसने से मच गई खलबली

पटना (एजेंसियां)। बिहार में पुल गिरने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। लेकिन पुल के गिरने के साथ साथं अब सड़कें भी धरती में समाने लगी हैं। लोग अब इन बातों के लिए ताज्जुब भी नहीं करते क्यों कि जब सिर्फ हवा और पानी के हल्के दबाव से बड़े बड़े पुल गिर सकते हैं तो फिर ऐसे में डीएम कार्यालय के सामने अगर सड़क अगर धरती में समा जाय तो इस बात पर भी आश्चर्य नहीं करना चाहिए। फिलहाल ताजा मामला बेगुसराय जिले के मुख्य शहर स्थित डीएम कार्यालय के पास की है।

इस संबंध में लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले ही लाखों रुपए खर्च कर इस सड़क को फिर से निर्माण कराया गया था, लेकिन आज यह सड़क 1 से दो फीट टूटकर पूरी तरह से धरती में समा गई। लोग इसे भ्रष्टाचार का नतीजा बता रहे हैं। सड़क धंसने के बाद लोगों को आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि जब बारिश होती है तो पूरा डीएम कार्यालय पानी में डूब जाता है। मजबूरन पदाधिकारियों को एपीआई इज्जत बचाने के लिए पंप से पानी खिंचवाना पड़ता है लेकिन वह भी बेअसर होता है। अभी तो वैसी बारिश भी नहीं हुई, सड़क पर जल जमाव भी नहीं हुआ और इससे पहले सड़क धरती में समा गई, जबकि अभी बरसात झेलना बाकी है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह सरकारी रुपया जरूर है लेकिन यह रुपया जनता के द्वारा दिए गये टैक्स का ही रुपया है। ऐसे में इस मामले की जांच हो और इस भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों पर कठोर से कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

दर्दनाक घटना : पटना में युवक की बेरहमी से हत्या

हाथ पैर बांधाफिर गला रेतकर मार डाला, पुलिस जांच में जुटी

पटना (एजेंसियां)। राजधानी पटना में रविवार को लोगों ने एक युवक का खून से लथपथ शव देखा। जिसके बाद इसकी सूचना पुनपुन थाने को दी। बताया जा रहा है की सूचना मिलने के बाद पुनपुन थाने की पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों को मृतक युवक की पहचान करने का आग्रह करती रही। काफी प्रयास के बाद भी मृतक युवक की पहचान नहीं हो सकी।

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि रविवार की सुबह सूर्य मंदिर के आसपास ग्रामीणों ने रेलवे के अंडरपास के नजदीक एक 28 वर्ष के उम्र का युवक का शव खून से सना हुआ देखा।

युवक की गला काटकर हत्या की गई थी। इस मामले को लेकर मसौढ़ी अनुमंडल के डीएसपी 2 कन्हैया सिंह ने बताया कि रेलवे अंडरपास के नजदीक से एक अज्ञात युवक का शव सोमवार को पुलिस ने बरामद किया है। उन्होंने बताया कि युवक की हत्या गला काटकर कर दी गई है और उसका हाथ बंधा हुआ है। पूछताछ के क्रम में उन्होंने बताया कि मृतक युवक के कपड़े की तलाशी ली गई, लेकिन उनके पॉकेट से कोई भी ऐसी चीज बरामद नहीं हुई है, जिससे मृतक की पहचान हो सके। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि अपराधियों के द्वारा उसकी हत्या के बाद वहां शव फेक कर फरार हो गए हैं।

चौथी पत्नी ने फैमिली कोर्ट में खोला पति की पांचवीं शादी का राज

पटना (एजेंसियां)। किसी की पहली पत्नी कोर्ट पहुंचती है तो किसी की दूसरी और तीसरी वाली तो अमूमन पत्नी नहीं बल्कि धोखा खाई प्रेमिका होती है। लेकिन, यहां पांचवीं पत्नी कोर्ट में फरियाद लगाने पहुंची है।

आरोपी भी कोई आम आदमी नहीं। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान के खिलाफ यह मामला सामने आया है। भोजपुर जिला मुख्यालय आरा में शनिवार को हर तरफ इसी मामले की चर्चा थी। अधिवक्ता एक-दूसरे से इसकी चर्चा कर रहे हैं। आरा फैमिली कोर्ट में उसकी चौथी पत्नी ने केस दर्ज कराया है।

जवान का कारनामा तब सामने आया, जब चौथी पत्नी की एक चिट्ठी सोशल मीडिया में वायरल होने लगी। इस चिट्ठी में जवान की करतूतों के बारे में बताया है कि कैसे उसने पहली पत्नी को धोखे में रखकर दूसरी, तीसरी और चौथी शादियां रचाईं। चौथी पत्नी ने पति की पांचवीं के बाद यह राज खोला है। शादी करने के कारण चर्चा में आए, जवान का नाम हरेंद्र राम बताया गया है। चिट्ठी में उसके गांव या मोहल्ले का जिक्र नहीं किया गया है, लेकिन आरा कोर्ट के वकील इसे सही बता रहे हैं। सोशल मीडिया में आरा कुटुंब न्यायालय की यह चिट्ठी घूम रही है। इसमें लिखा गया है कि कैसे सीआरपीएफ में सिपाही हरेंद्र राम ने 14 साल के दरम्यान पांच शादियां कर इतनी लड़कियों और उनके परिवारों से खिलवाड़ किया। सभी को झांसा में रखने वाले सिपाही की इस करतूत का खुलासा उसकी चौथी पत्नी ने किया है। उसने पति के इन कारनामों की भनक लगी तो उसने शिकायत दर्ज कराई।

चिट्ठी में दर्ज शिकायतों में हरेंद्र की चौथी पत्नी ने उसकी अब तक हुई सभी शादियों की जानकारी दी है। इसके हिसाब से उसने साल 2008 से लेकर 2021 के बीच यह पांच शादियां कीं। पहली शादी साल 2008, फिर 2010 में दूसरी शादी, साल 2014 में तीसरी और 2017 में चौथी शादी रचाने के बाद उसने अंतिम शादी 2021 में की। चौथी पत्नी ने सीआरपीएफ की बटालियन बी/09 को चिट्ठी लिखकर शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर हरेंद्र पर विभागीय जांच हो रही है। इन पत्नियों की पहचान 'अमर उजाला' उजागर नहीं कर रहा है। चिट्ठी के हिसाब से सिपाही हरेंद्र ने कानूनों का उल्लंघन किया है। हिंदू विवाह परंपरा और कानूनों का उल्लंघन करते हुए हरेंद्र ने इन शादियों के बारे में न तो अपनी पूर्व की पत्नियों को कोई जानकारी दी और न ही नियोक्ता को इसकी सूचना है।

समस्तीपुर में युवक पर तेजाब से हमला

महिला सहकर्मी पर लगा फेंकने का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

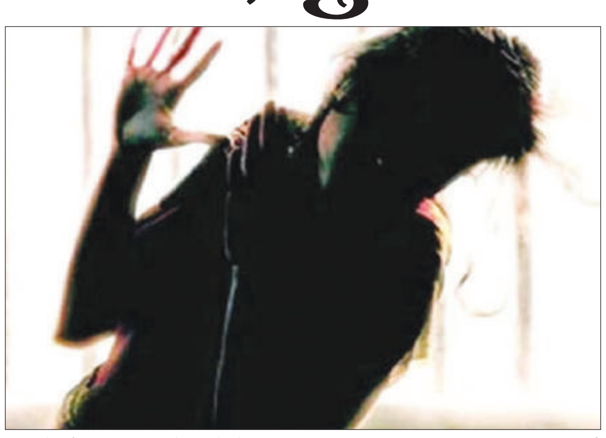

समस्तीपुर (एजेंसियां)। समस्तीपुर के पूसा थाना क्षेत्र के एक सरकारी विद्यालय में कार्यरत युवक पर एसिड फेंकने का मामला रविवार को प्रकाश में आया है। पुलिस ने झुलसे हालत में युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। युवक की पहचान महमदा गांव निवासी महेश पोद्दार के पुत्र राजकुमार पोद्दार (38 वर्ष) के रूप में हुई है। उधर युवक की पहचान के बाद परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए हैं, लेकिन परिवार के लोग भी कुछ बात नहीं पा रहे हैं। परिवार के लोगों का कहना है कि शाम करीब 6:00 बजे वह घर से निकला था, इसके बाद पुलिस द्वारा जानकारी दी गई कि वह झुलसे अवस्था में मिला है और सदर अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में उसका उपचार चल रहा है। परिवार के लोगों का कहना है कि युवक मानसिक रूप से थोड़ा विक्षिप्त है। कल अचानक घर से निकल गया था, रात भर उसकी खोजबीन कर रहे थे, लेकिन कुछ जानकारी नहीं मिल पा रही थी। सुबह पुलिस द्वारा जानकारी दी गई कि युवक झुलसे हुए अवस्था में मिला है।

झुलसे युवक राजकुमार पोद्दार का कहना है कि वह एक स्कूल में काम करता है। जहां की मीरा मैडम ने उसके शरीर पर कुछ फेंक दिया, जिससे वह झुलस गया है। उसके शरीर पर क्या फेंका गया अथवा उसके साथ यह घटना क्यों हुई है यह वह बताने में असमर्थ है। सिर्फ वह मीरा मैडम द्वारा कुछ फेंके जाने की बात कर रहा था।

घटना की सूचना के बाद सदर अस्पताल पहुंचे पूसा थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। हालांकि वह यह बताने की स्थिति में नहीं है कि युवक के साथ क्या हुआ है। डॉक्टर द्वारा बताया गया है कि युवक पर कोई तेजाब जैसा पदार्थ फेंका गया है, जिससे वह 90% तक झुलस गया है।

डेंगू को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

हॉट स्पॉट किए जा रहे चिन्हित

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। जिले में इस वर्ष मई के महीने में डेंगू के 5 मरीज मिल जाने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। वहीं डेंगू को फैलने से रोकने के लिए विभाग ने जुलाई से तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने अपनी तैयारी को तेज कर दिया है और इस दिशा में अलग अलग प्लान को बनाया है। जिसमें पीएचसी से लेकर सदर अस्पताल और एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज तक इलाज की विशेष तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही नगर निगम प्रशासन को शहरी क्षेत्रों में गड्ढे में जमा पानी को हटाने के साथ-साथ दवाई का छिड़काव कराया जाने के लिए पत्रचार किया जा रहा है और फॉगिंग भी करवाई जायेगी।

जिले के अउचज डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि डेंगू के हॉट स्पॉट चिन्हित करने के लिए प्रभावित क्षेत्र में सभी आशा कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया है और आशा कार्यकर्ता पिछले वर्ष जहां-जहां डेंगू के मरीज मिले थे, वहां जाकर लोगों को डेंगू से बचाव के उपाय बतायेंगी। यही नहीं बाकी गत वर्ष सबसे ज्यादा डेंगू के मरीज मुशहरी प्रखंड में मिले थे, इसलिए इस बार मुशहरी प्रखंड पर विशेष ध्यान भी दिया जायेगा। इसके साथ साथ ही नगर निगम प्रशासन को भी फॉगिंग कराने और गड्ढे को भरने के लिए पत्र लिखा गया है।

पिछले महीने हुई चोरी का अब तक खुलासा नहीं हुआ, अब बीच बाजार मंदिर में हुई चोरी

पटना (एजेंसियां)। शहर के बीच बाजार में एक मंदिर से चोरी हो गई। चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वायरल हो रहे सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट रूप से दिख रहा है कि 7 जुलाई की सुबह 6:00 बजे एक व्यक्ति मंदिर के अंदर गमछा ओढ़े प्रवेश करता है और मंदिर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा में लगे सोने के टीका को उतार कर फरार हो जाता है।

यह पूरी वारदात को महज 10 सेकेंड में ही अंजाम दे दिया जाता है। घटना का खुलासा उस वक्त हुआ जब आसपास के लोग मंदिर में पूजा करने पहुंचे और मां के सोने के टीका को गायब पाया। इसके बाद मंदिर के मुख्य पुजारी हरनौत थाना क्षेत्र के मुढारी गांव निवासी परमानंद पांडे को घटना की जानकारी दी गई। पिछले महीने 19 जून को भी चोरों के द्वारा टीका और नथिया की चोरी इसी मंदिर से कर ली गई थी। जिसका अभी तक खुलासा भी नहीं हुआ है कि बदमाशों के द्वारा फिर से एक बार मंदिर के अंदर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। इसके कारण आसपास के लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया है। मंदिर बीच बाजार में स्थापित है। गर्भ गृह में मात्र 4 फीट का ग्रिल लगा हुआ है। जिसका फायदा चोरों के द्वारा उठाया जा रहा है।

वहीं इस मामले में हरनौत थाना अध्यक्ष मोहम्मद अबू तालिब अंसारी ने बताया कि सीसीटीवी में चोरी की यह पूरी वारदात कैद हुई है। फुटेज के आधार पर बदमाश की पहचान स्थापित की जा रही है। जल्द ही चोर को गिरफ्तार कर मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

गाड़ी छीनने के बाद दो युवकों का अपहरण बदमाशों ने तीन लाख रुपये लेने के बाद छोड़ा

मुंगेर (एजेंसियां)। बेगूसराय में अपराधियों का तांडव एक बार फिर देखने को मिला है। जहां बेखौफ अपराधियों ने दो युवकों को अपहरण कर घर में बंधक बनाकर उनकी बेरहमी से लाठी डंडे एवं लोहे की रॉड से पिटाई कर डाली। इस अपराधी की पिटाई से दोनों युवक बुरी तरह से जख्मी हो गए हैं। घायल अवस्था में दोनों युवकों इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद पूरे परिवार दहशत का माहौल में है। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र के रतनपुर के पास की है।

इस संबंध में घायल जावेद कुमार ने बताया है कि उसके दोस्त रोशन कुमार की अपराधियों ने फोर व्हीलर गाड़ी छीन ली। जब दोस्त रोशन कुमार के द्वारा बताया गया कि उसकी गाड़ी छीन ली गई है, तो दोनों गाड़ी को लेने के लिए रतनपुर गए थे। तभी चार की संख्या में अपराधियों ने दोनों का अपहरण कर लिया और घर में बंधक बनाकर जमकर पिटाई।

पीड़ित ने बताया है कि अपराधियों के द्वारा तीन लाख रुपए लेने के बाद छोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि हम से पहले भी दो लड़कों का अपहरण कर लिया गया था। उन दोनों युवकों से भी पांच लाख रुपए लेने के बाद छोड़ा गया है। फिलहाल इस घटना के बाद रतनपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

याद किए गए परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा, सुनाई गई उनकी अदम्य साहस की कहानियां

गया (एजेंसियां)। तिरंगे को फहरा कर या फिर तिरंगे में लिपटा हुआ आऊंगा, पर आऊंगा जरूर''। यह पंक्तियां 25 वर्ष पूर्व कारगिल की चोटी को फतह करने वाले सेना के जांबाज शहीद और परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा की हैं, जिसे वह युद्ध पर जाने से पहले कहा था। शनिवार को उस जांबाज शहीद और परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा की 25 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। उनकी पुण्यतिथि के मौके पर देश ने उनको गौरव के साथ याद किया। इस मौके पर गया के ओटीए में वर्षगांठ मनाई गई। इस दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस मौके पर सेना के कई अधिकारियों ने कहा कि कैप्टन विक्रम बत्रा के वह प्रेरक वाक्य, देश के लोग आज भी अपने होठों पर सजाए फिरते हैं।

कार्यक्रम के दौरान शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा के जुड़वां भाई विशाल बत्रा, उनके पिता गिरधारीलाल बत्रा, 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान शहीद हुए स्व. द्वितीय लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के भाई मुकेश खेत्रपाल, ऑपरेशन विजय के दौरान 13वीं बटालियन, जम्मू और कश्मीर राइफल्स के तत्कालीन कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट जनरल योगेश कुमार जोशी ने कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के अदम्य साहस की कहानियां सुनाई। उनकी कहानियों को सुनकर वहां उपस्थित कैडेट्स व अन्य लोगों के रोंगटे खड़े हो गए।

कैप्टन विक्रम बत्रा के सर्वोच्च बलिदान के 25वीं वर्षगांठ के मौके पर गया के ओटीए परिसर में कई कार्यक्रम का आयोजन किये गये। हालांकि इस दौरान 2-4 जुलाई तक स्मरणोत्सव के शुरुआती चरणों में एलओसी कारगिल, शेरशाह और लक्ष्य जैसी देशभक्ति फिल्मों की कई स्क्रीनिंग की गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com